पाठ्यक्रम

आधार पाठ्यक्रम (म.प्र.)

(हिन्दी भाषा)

(भाषा और संस्कृति)

स्नातक : तृतीय वर्ष (प्रथम प्रश्न-पत्र)

समय : 2 घण्टे | कुल अंक : 50

इकाई	विषय	व्याख्यान घण्टा
1.	1. भवानी प्रसाद मिश्र : परिचय पाठ : सतपुड़ा के जंगल 2. उषा प्रियंवदा : परिचय पाठ : वापसी 3. विवेकानन्द : पाठ : शिकागो व्याख्यान	05
2.	1. विद्यानिवास मिश्र : परिचय पाठ : आँगन का पंछी 2. महात्मा गाँधी : पाठ : आत्मकथा के अंश 3. विश्व के प्रमुख धर्म	05
3.	1. वाक्य रचना एवं अशुद्धि शोधन 2. अनुवाद—अर्थ एवं प्रकार 3. बीज शब्द (की वर्ड/ अवधारणामूलक शब्द) लोकतन्त्र, समरसता, कला, साहित्य, अध्यात्म	05

प्रश्न-सूची

आधार पाठ्यक्रम (म.प्र.)

(हिन्दी भाषा)

(भाषा और संस्कृति)

स्नातक : तृतीय वर्ष (प्रथम प्रश्न-पत्र)

क्रमांक	विवरण	पृ. क्र.
	इकाई 1	
	1. सतपुड़ा के घने जंगल	
	महत्वपूर्ण प्रश्न	
1.	पं. भवानी प्रसाद मिश्र जी की प्रसिद्ध रचनाओं के नाम लिखिए।	12
2.	वन सजीव क्यों प्रतीत होते हैं ?	12
3.	सतपुड़ा के घने जंगलों में प्रमुखता किस जाति के लोग रहते हैं।	12
4.	सतपुड़ा के घने जंगलों को नींद में डूबे हुए क्यों कहा है ?	12
5.	बसंत ऋतु में सतपुड़ा के घने जंगलों में क्या हो जाता है ?	12
6.	पंक दल में पले पत्ते इन पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?	12
7.	यह कविता आपको क्यों अच्छी लगती है ?	12
8.	इस कविता में कवि ने लता के संबंध में क्या-क्या बातें कही हैं ?	13
9.	सतपुड़ा के घने जंगल कविता का उद्देश्य क्या है ?	13
10.	कवि "धँसों", इनमें डर नहीं है क्यों कहता है ?	13
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**13-16**
	2. वापसी	
	महत्वपूर्ण प्रश्न	
1.	ऊषा प्रियंवदा द्वारा लिखित वापसी कहानी किस पर आधारित है ?	16
2.	आधुनिकता ने हमें कैसा बना दिया है ?	16
3.	वापसी कहानी किसका चित्रण करती है ?	16
4.	वापसी कहानी के प्रधान पात्र कौन हैं ?	17
5.	गजाधर बाबू का स्थायी नौकर कौन है ?	17
6.	गजाधर बाबू की बेटी का नाम क्या है ?	17
7.	बसन्ती किसकी छात्रा है ?	17
8.	वापसी कहानी समाज के किन वर्गों का प्रतिनिधित्व करती है ?	17
9.	गजाधर बाबू के बड़े पुत्र का नाम क्या है ?	17
10.	गजाधर बाबू रिटायरमेंट के बाद क्या नहीं सहन कर पाते ?	17
11.	वापसी कहानी की शिल्पकला की दृष्टि से समीक्षा कीजिये।	17
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**19-22**
	3. शिकागो व्याख्यान	
	महत्वपूर्ण प्रश्न	
1.	शिकागो व्याख्यान में विवेकानन्द जी ने क्या संदेश दिया ?	22
2.	शिकागो व्याख्यान में स्वामी विवेकानन्द जी ने पहला वाक्य क्या कहा ?	22
3.	स्वामी विवेकानन्द का सबसे बड़ा मंत्र क्या था ?	22
4.	स्वामी विवेकानन्द जी ने शिकागो व्याख्यान किस दिन दिया था ?	22
5.	शिकागो व्याख्यान पाठ का सारांश लिखिये।	22
6.	विवेकानन्द जी ने मंच को धन्यवाद क्यों ज्ञापित किया ? स्पष्ट कीजिये।	23
7.	सच्चे धर्म के विषय में विवेकानन्द जी के क्या विचार हैं ? लिखिये।	23
8.	गीता के उपदेश के माध्यम से विवेकानन्द अपने वक्तव्य में क्या कहना चाहते हैं ? स्पष्ट कीजिये।	23
9.	स्वामी विवेकानन्द के शिकागो व्याख्यान की वर्तमान में प्रासांगिकता निरूपित कीजिए।	24
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**24-27**
	इकाई 2	
	1. आँगन का पंछी और बनजारा मन	
	महत्वपूर्ण प्रश्न	
1.	विद्यानिवास मिश्र का उपनाम क्या है ?	28
2.	आँगन का पंछी और बनजारा मन किसका निबंध है ?	28
3.	आँगन का पंछी और बनजारा मन साहित्य की कौन-सी विधा है ?	28
4.	आँगन का पंछी और बनजारा मन पक्षी किसका प्रतीक है ?	28
5.	कौन-सा घर निर्वंश-सा हो जाता है ?	28
6.	ताजमहल के निर्माण पर कहाँ शोक प्रगट किया गया है ?	28
7.	विद्या निवास मिश्र जी का परिचय दीजिये।	28
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**29-31**
	2. आत्मकथा के अंश (सत्य के प्रयोग)	
	महत्वपूर्ण प्रश्न	
1.	गाँधी जी को चर्चिल ने किस नाम से पुकारा था ?	32
2.	सत्य के प्रयोग पुस्तक में गाँधी जी ने क्या लिखा है ?	32
3.	गाँधी जी को बचपन से ही राम नाम जपने की प्रेरणा किसने और क्यों दी ?	32
4.	विलायत जाने पर गाँधी जी ने माँ के समक्ष क्या प्रतिज्ञा की थी ?	32
5.	गाँधी जी दूसरों की पट्टी में देखकर चोरी करने को उचित क्यों नहीं मानते थे ?	32
6.	सभ्य कहलाने के लिये गाँधी जी ने विलायत में क्या-क्या प्रयत्न किये ?	32
7.	विलायत में सादा जीवन बिताने से गाँधी जी को व्यक्तिगत रूप से क्या लाभ हुआ ?	32
8.	महात्मा गाँधी का संक्षिप्त परिचय दीजिये।	33
9.	महात्मा गाँधी ने अपनी आत्मकथा लिखने के संबंध में क्या समस्यायें बतायी ?	33
10.	बाल विवाह के विषय में गाँधी जी ने किन-किन कुरीतियों की ओर संकेत किया ? वर्णन कीजिये।	33

11. गाँधी जी ने अन्नाहार से होने वाले जिन लाभों का उल्लेख किया है उन्हें सार रूप में बतायें। 33
12. सत्य के पुजारी के लिये मौन का महत्व क्या है ? समझाइये। 34
13. "सत्य और अहिंसा" के विषय में गाँधी जी के विचारों को संक्षेप में बताइये। 34
14. गाँधी जी ने जीवमात्र के एक्य के लिये आत्मशुद्धि को प्रधानता क्यों दी है ? स्पष्ट करें। 34

वस्तुनिष्ठ प्रश्न 35-37

3. विश्व के प्रमुख धर्म

हिन्दू धर्म के नैतिक प्रतिमान

महत्वपूर्ण प्रश्न

1. हिन्दू धर्म की विशेषतायें लिखिये। 38
2. हिन्दू धर्म बहुआयामी एवं अनेक पद्धतियों से परिपूर्ण है। लिखिए। 38
3. धर्म क्या है ? समझाइये। 38

वस्तुनिष्ठ प्रश्न 38-39

जैन धर्म में नैतिकता और पर्यावरण

महत्वपूर्ण प्रश्न

1. जिन शब्द का क्या अभिप्राय है ? 39
2. जैन धर्म शाकाहार को क्यों महत्व देता है ? 40
3. जैन धर्म में कौन-कौन से पाँच महाव्रत बनाये गये हैं ? 40
4. जैन धर्म की विशेषतायें लिखिये। 40

वस्तुनिष्ठ प्रश्न 40-41

बौद्ध धर्म में नैतिक मूल्य

महत्वपूर्ण प्रश्न

1. बौद्ध धर्म के चार आर्य सत्य क्या हैं ? 41
2. बौद्ध पंचशील सिद्धान्त का नैतिक स्वरूप समझाइये। 41

वस्तुनिष्ठ प्रश्न 42-42

सिक्ख धर्म में नैतिक मूल्य

महत्वपूर्ण प्रश्न

1. सिक्ख धर्म के प्रमुख उद्देश्यों को लिखिये। 43
2. गुरुनानक जी के रूहानी उपदेश क्या हैं ? 43
3. गुरुनानक जी के आने से भारत के लोगों में क्या परिवर्तन आया ? 43
4. गुरुनानक जी ने अंत में समूह संसार को क्या उपदेश दिए हैं ? 43
5. गुरुनानक देव जी ने प्रभु तक पहुँचने का कौन-सा सरल मार्ग बताया है ? 43

वस्तुनिष्ठ प्रश्न 43-44

ईसाई धर्म में नैतिक मूल्य

महत्वपूर्ण प्रश्न

1. मसीही धर्म का प्रथम उद्देश्य क्या है ? 45
2. यीशु ने अपने संदेशों के माध्यम से मानवीय सोच में किस महत्वपूर्ण परिवर्तन को रेखांकित किया है ? 45
3. यीशु के अनुसार देश के प्रति मनुष्य का क्या कर्त्तव्य है ? 45
4. नैतिक धर्म का मूल उद्देश्य कर्त्ता के अन्दर निहित होता है। इस कथन का क्या आशय है ? 45

वस्तुनिष्ठ प्रश्न 45-46

इस्लाम धर्म में नैतिक मूल्य

महत्वपूर्ण प्रश्न

1. तौहीद किसे कहते हैं ? समझाइये। 46
2. इस्लाम धर्म का प्रमुख सिद्धान्त क्या है ? 46
3. नमाज पढ़ने का सबसे बड़ा दर्शन क्या है ? 46
4. इस्लाम धर्म के पाँच बुनियादी उसूल बताइये। 47

वस्तुनिष्ठ प्रश्न 47-48

इकाई 3

1. वाक्य रचना एवं अशुद्धि शोधन

वाक्य रचना

महत्वपूर्ण प्रश्न

1. वाक्य क्या है ? 48
2. मानसिक विचारों का सम्प्रेषण किसके माध्यम से होता है ? 48
3. रचना की दृष्टि से वाक्य कितने प्रकार के होते हैं ? 48
4. रचना के आधार पर वाक्य के तीन प्रकार कौन-कौन से हैं ? 48
5. वाक्य के पाँच भांग कौन-से हैं ? 48
6. सात प्रकार के वाक्य कौन-से हैं ? 48
7. वाक्य की रचना कैसे होती है ? समझाइये। 48
8. वाक्य किसे कहते हैं ? 49
9. वाक्य के कितने भाग होते हैं ? 49
10. वाक्य के कितने भेद होते हैं ? 49
11. वाक्य के अनिवार्य तत्व कौन-कौन से होते हैं ? वर्णन कीजिए। 49
12. वाक्य के पाँच तत्व कौन-से हैं ? 49
13. वाक्य गठन के तत्व कितने होते हैं ? 49
14. वाक्य रचना की विशेषतायें बताइये। 50

वस्तुनिष्ठ प्रश्न 50-51

अशुद्धि शोधन

महत्वपूर्ण प्रश्न

1. साहित्य में अशुद्धि शोधन किसे कहते हैं ? 51
2. अशुद्धि शोधन कितने प्रकार की होती है ? 51
3. अशुद्धि किसे कहते हैं ? 52
4. वाक्य अशुद्धियाँ किसे कहते हैं ? 52
5. भाषा में अशुद्धि किसे कहते हैं ? 52
6. अशुद्धियाँ कितने प्रकार की होती हैं ? 52
7. हिन्दी भाषा में शब्दगत एवं वाक्यगत अशुद्धियाँ क्या हैं ? 52
8. शब्दों एवं वाक्य की अशुद्धियों का वर्णन कीजिये। 52

वस्तुनिष्ठ प्रश्न 55-56

2. अनुवाद— अर्थ एवं प्रकार

महत्वपूर्ण प्रश्न

1. अनुवाद की परिभाषा दीजिए और अनुवाद के प्रकारों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 56
2. अच्छे अनुवाद की विशेषताएँ लिखिये। 57
3. अनुवाद के प्रकारों का विभाजन समझाइये। 57
4. अनुवाद के प्रमुख उद्देश्य एवं स्वरूप को लिखिए। 57

वस्तुनिष्ठ प्रश्न 58-60

3. बीज शब्द

वस्तुनिष्ठ प्रश्न 60-64

इकाई 1

1. सतपुड़ा के घने जंगल

— पं. भवानी प्रसाद मिश्र

पद्यांशों की शब्दार्थ सहित व्याख्या

पाठ परिचय—सतपुड़ा के घने जंगल मध्यप्रदेश के दक्षिण क्षेत्र में फैले हुए हैं। सतपुड़ा पर्वत के विस्तृत क्षेत्र में फैला हुआ है। सतपुड़ा के घने जंगल प्रकृति के विविध स्वरूपों की मनोहरी छटा है। इन वनों का सजीव चित्रण "सतपुड़ा के घने जंगल" कविता में कवि ने किया है। कवि श्री भवानी प्रसाद मिश्र जी होशंगाबाद वर्तमान नर्मदापुरम् में ही निवास करते थे। जबलपुर से पं भवानी प्रसाद मिश्र जी का गहरा नाता है। आपके सम्बन्धीजन जबलपुर में रहते हैं। पं. भवानी प्रसाद मिश्र जी ने सतपुड़ा के घने जंगल कविता में प्रकृति का चित्रण वन में रहने वाले जीव-जन्तु, वन में रहने वाले रहवासी और उनके रहन-सहन का चित्रण तथा वर्णन किया है। सतपुड़ा के घने जंगल में पर्वत, पेड़-पौधे कैसी विचित्र शैली से प्रतीत होते हैं। सतपुड़ा की मेकाल पहाड़ियाँ भी विशिष्ट आकर्षण पैदा करते हैं।

पं. भवानी प्रसाद मिश्र जी

संक्षिप्त जीवन परिचय—पं. भवानी प्रसाद मिश्र जी मानवतावादी कवियों में अग्रगण्य हैं। आप गाँधीवादी दर्शन से प्रभावित हैं। गाँधीवादी इस कवि का जन्म सन् 1913 में मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले के टिकरिया ग्राम में हुआ था। आपके जीवन का बहुत समय वर्धा आश्रम में गाँधी जी के सानिध्य में बीता। आपने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रियता से भाग लिया, तथा कई बार जेल भी गये। आप कुछ दिनों तक कल्पना पत्रिका का सम्पादन भी करते रहे। आपने आकाशवाणी में भी कार्य किया है। उसके साथ ही बी. ए. का अध्ययन किया। आपका निधन सन् 1985 में 72 वर्ष की आयु में हुआ।

पं. भवानी प्रसाद मिश्र का साहित्य में स्थान—पं. भवानी प्रसाद मिश्र जी को सर्वोदयी कवि कहा जाता था। मिश्र जी को बुनी हुई रस्सी रचना पर अकादमी पुरस्कार भी प्राप्त हुआ था। आप नई कविताधारा के समर्थ कवि हैं। गाँधी दर्शन को नई कविता के माध्यम से जितना आपने जनमानस तक पहुँचाया उतना बहुत कम कवि पहुँचा पाये हैं।

"सच कितना भी मजा दे
झूठ के आगे आधा है
जैसे जिंदगी मौत के आगे"

मिश्र जी अब परलोकवासी हो चुके हैं किन्तु उनकी रचनायें उनको अमरता प्रदान करती हैं। सहज, सुन्दर अभिव्यक्तिसम भाषा तथा आत्मीय वार्तालाप शैली में जन-जन की वाणी को मुखर करने की क्षमता, हास्य व्यंग्य सब उन्हें आधुनिक कविताधारा के सशक्त हस्ताक्षर बनाते हैं।

सतपुड़ा के घने जंगल
नींद में डूबे हुए थे
ऊँघते अनमने जंगल।

शब्दार्थ—अनमने = उदास, ऊँघते = अर्द्ध निद्रा में, नींद में डूबे हुए = अलसाये।

भाव पक्ष—मिश्र जी गाँधीवादी विचारधारा के कवि थे। अतः इनकी रचनाओं में इस विचारधारा का उन्मेष है। उनकी काव्य साधना की आधारभूति मानव कल्याण और जन-जन का उत्थान है। मिश्र जी के काव्यों

में आधुनिक भाव बोध व युगीन विचारधाराओं की अभिव्यंजना हुई है। सर्वोदयी कवि मिश्र जी का काव्य स्वाभाविक काव्य है जिसमें उनके जीवन की सत्यता व निश्छलता उतर गयी है। नर्मदा नदी के आँचलों में बिखरी प्राकृतिक घटाओं ने आपको अधिक सम्मोहित किया है, जो निम्नांकित पंक्तियों में परिलक्षित होता है—

"क्षितिज तक फैला हुआ सा, मृत्यु तक फैला हुआ सा
क्षुब्ध काली लहर वाला, मथित उत्थित जहर वाला
सतपुड़ा के घने जंगल ऊँघते अनमने जंगल"

व्यंग्य और परिहार के माध्यम से अपने युग के सत्य को परिभाषित किया है।

कलापक्ष—मिश्र जी की रचनाओं का कलापक्ष भी सशक्त है। इसमें अमिधा प्रधान अभिव्यंजना हैं। इनकी रचनायें जन-मन को छूती हैं। मार्मिक अनुभूति, दो टूक ईमानदारी और अभिव्यंजना की सरलता इनकी कला के प्राण हैं। मिश्र जी का काव्य मानवीय संवेदनाओं का दर्पण है।

मिश्र जी की काव्य भाषा में सरलता और सहजता है। छन्दों के बन्धन से इनकी कविता मुक्त होकर भी लय तथा रस से युक्त है। प्रसाद गुण इनकी कविता में पाया जाता है। आधुनिक प्रतीकों एवं अलंकारों के प्रयोग से कविता पुष्ट है।

महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न 1. पं. भवानी प्रसाद मिश्र जी की प्रसिद्ध रचनाओं के नाम लिखिए।

उत्तर— (i) गीत फरोश, (ii) चकित है, दुःख, (iii) अँधेरी कविताएँ, (iv) पंचशती, (v) बुनी हुई रस्सी, (vi) खुशबू के शिलालेख, (vii) व्यक्तिगत, (viii) परिवर्तन के लिए, (ix) अनाम तुम आते हो।

प्रश्न 2. वन सजीव क्यों प्रतीत होते हैं ?

उत्तर— गरजने वाले, दहाड़ मारने वाले सिंह और बाघ आदि हिंसक पशुओं की गर्जना से काँपते हुए ये वन सजीव प्रतीत होते हैं।

प्रश्न 3. सतपुड़ा के घने जंगलों में प्रमुखता किस जाति के लोग रहते हैं ?

उत्तर— सतपुड़ा के घने जंगलों में गोंड-भील आदिवासी जाति के लोग रहते हैं।

प्रश्न 4. सतपुड़ा के घने जंगलों को नींद में डूबे हुए क्यों कहा है ?

उत्तर—सतपुड़ा के जंगल वृक्ष समूह, लता पत्रादि के कारण अत्यंत घने हैं। इनमें ऊँचे नीचे सभी प्रकार के असंख्य वृक्ष हैं। सघनता के कारण इनमें तेज हवा भी प्रवेश नहीं कर पाती है, वृक्ष हिलते नहीं। अतः शान्त वातावरण के कारण ये जंगल नींद में डूबे हुए से प्रतीत होते हैं। कभी-कभी जब तेज हवा का कोई झोंका आता है तो उसमें केवल ऊँचे-ऊँचे वृक्षों की चोटियाँ ही थोड़ी-सी हिलती हैं। तब ऐसा लगता है मानो ये जंगल ऊँघ रहे हैं तथा नींद की झपकी से उनके सिर झटके से हिल रहे हैं। शांत वातावरण के कारण ये जंगल कुछ अनमने उदास से प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि कवि ने सतपुड़ा के घने जंगलों को नींद में डूबे हुए से तथा ऊँघते हुए अनमने से कहा है।

प्रश्न 5. बसंत ऋतु में सतपुड़ा के घने जंगलों में क्या हो जाता है ?

उत्तर—बसंत ऋतु आते ही काले तगड़े गोंड मस्ती में झूम उठते हैं। उनके ढोल बज उठते हैं और कभी न समाप्त होने वाले उनके गीत वातावरण को ध्वनित करने लगते हैं। गोंडों को मस्ती में झूमते देखकर प्रकृति भी झूम उठती है, घास, कास, पलाश, साल, लता, डाल, पात, मुर्गे, तीतर, सभी मस्ती में झूम उठते हैं। इन्हीं दिनों महुआ भी फूल जाता है। महुए की गंध से वातावरण मदमस्त हो जाता है।

प्रश्न 6. पंक दल में पले पत्ते इन पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?

उत्तर—अनुप्रास अलंकार।

प्रश्न 7. यह कविता आपको क्यों अच्छी लगती है ?

उत्तर—यह कविता इसलिये अच्छी लगती है क्योंकि इसमें प्रकृति चित्रण सुन्दर, सरल शब्दावली में किया गया है।

प्रश्न 8. इस कविता में कवि ने लता के संबंध में क्या-क्या बातें कही हैं ?

उत्तर—इस कविता में कवि ने लताओं का वर्णन करते हुए कहा है कि वृक्षों पर नाना प्रकार की उलझी लताएँ छाई हुई हैं। ये लताएँ वृक्ष की डालियों को खींचकर झुकाये हुए हैं। ये अचानक फिर से लिपटकर प्राण को संकट में डाल देती हैं काँपने लगती हैं। यहाँ आफत ढाने वाली काली लतायें फैली हुई हैं। कवि ने लताओं का यह वर्णन सतपुड़ा के घने जंगलों की सुन्दरता को व्यक्त करते हुए किया है।

प्रश्न 9. सतपुड़ा के घने जंगल कविता का उद्देश्य क्या है ?

उत्तर—सतपुड़ा के घने जंगल कविता में कवि का प्रमुख उद्देश्य है कि जंगल में जो लतायें सघनता से बिखरी हैं जंगलों की भयानकता, पर्वतों की सुन्दर शृंखलाओं की जानकारी समाज तक पहुँचाना।

प्रश्न 10. कवि "धँसों", इनमें डर नहीं है क्यों कहता है ?

उत्तर—कवि भवानी प्रसाद मिश्र जी कहते हैं कि ऊपर से कठोर भयानक दिखाई देने वाले सतपुड़ा के जंगल में प्रवेश करो यहाँ किसी बात का डर नहीं। भयानक होते हुए भी ये जंगल मौत के घर नहीं हैं। पहाड़ी से निकलकर बहने वाली नदी, झरने एवं नाले कल-कल ध्वनि से सतपुड़ा का यशोगान गा रहे हैं। चन्द्रमा की किरणें, पशु-पक्षियों की असंख्य जातियाँ, हिरणों के झुंड सभी बिखरे दिखाई देते हैं। इन वनों में जंगली फूल-फलियाँ झूम रही हैं और अनजानी कलियाँ खिल रही हैं। हरी दूब, लाल कोपलें व पत्ते निकलकर फैल रहे हैं। यह वन पवित्र है और सरस है। सतपुड़ा के घने जंगल रमणीय हैं। इसलिए कवि इनमें प्रवेश करने के लिये कहता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए—

1. पं. भवानी प्रसाद मिश्र किनके दर्शन से प्रभावित थे—
(a) नेहरू जी (b) महात्मा गाँधी (c) राजेन्द्र प्रसाद (d) राधा कृष्णन।

2. पं. भवानी प्रसाद मिश्र किन कवियों में अग्रगण्य है—
(a) मानवतावादी (b) समझौतावादी (c) समाजवादी (d) आदर्शवादी।

3. पं. भवानी प्रसाद मिश्र जी का जन्म किस सन् में हुआ— (भोपाल 2024)
(a) 1903 (b) 1913 (c) 1933 (d) 1938।

4. पं. भवानी प्रसाद मिश्र जी का जन्म कहाँ हुआ था— (ग्वालियर 2024; भोपाल 24)
(a) होशंगावाद के टिकरिया ग्राम में (b) सतना के मैहर में
(c) जबलपुर के सिहोरा में (d) भोपाल के बरेली में।

5. पं. भवानी प्रसाद मिश्र जी किस पत्रिका का सम्पादन करते थे—
(a) सारिका (b) सरिता (c) कल्पना (d) मनोरमा।

6. पं. भवानी प्रसाद मिश्र जी ने कहाँ तक पढ़ाई की थी—
(a) एम. ए. (b) बी. ए. (c) डिप्लोमा (d) बी. एस. सी.।

7. पं. भवानी प्रसाद मिश्र जी का निधन कब हुआ— (जबलपुर 2024)
(a) 1969 (b) 1985 (c) 1999 (d) 2010।

8. सतपुड़ा के घने जंगल के रचयिता का नाम क्या है—(जबलपुर 2024; छतरपुर 24; इन्दौर 24)
(a) भवानी प्रसाद मिश्र (b) हरिशंकर परसाई
(c) हरिकृष्ण त्रिपाठी (d) भवानी प्रसाद शुक्ल।

9. सतपुड़ा के घने जंगल किस प्रदेश में पाये जाते हैं— (भोपाल 2024)
(a) मध्यप्रदेश (b) उत्तरप्रदेश (c) महाराष्ट्र (d) तमिलनाडु।

10. मध्यप्रदेश के किस भाग में सतपुड़ा पर्वत है—
(a) उत्तर भाग (b) दक्षिण भाग (c) पश्चिम भाग (d) पूर्व भाग।

11. प्रकृति के विविध स्वरूपों की मनोहारी घटा क्या है—
(a) घने जंगल (b) घने पर्वत (c) घने पेड़ (d) घने सरोवर।

12. वृक्षों में नाना प्रकार की उलझी क्या छाई है—
(a) लतायें (b) पुष्प (c) कली (d) पंखुड़ियाँ।
(उज्जैन 2024)

13. आफत ढाने वाली कौन-सी लताएँ फैली हैं—
(a) काली (b) पीली (c) लाल (d) सफेद।

14. सतपुड़ा के घने जंगलों में किसका वर्णन मिलता है—
(a) भावात्मकता का (b) विचारों का (c) संदेशों का (d) सूचनाओं का।

15. कवि के अनुसार सतपुड़ा के घने वनों में कठिन तथा कष्टदायी क्या है—
(a) चलना (b) दौड़ना (c) गाना (d) घूमना।

16. सतपुड़ा के घने जंगलों में चारों तरफ क्या छाये हैं—
(a) जाले (b) कीचड़ (c) पत्थर (d) मिट्टी।

17. सतपुड़ा के घने जंगलों के जाले कहाँ लिपट जाते हैं—
(a) मुँह में (b) सड़क में (c) सीढ़ी में (d) जमीन में।

18. सतपुड़ा के घने जंगल कविता में कवि ने कहाँ की यात्रा का वर्णन किया है—
(a) जंगल की यात्रा (b) आकाश की यात्रा (c) पृथ्वी की यात्रा (d) पाताल की यात्रा।

19. जंगल अपने घनेपन के कारण कैसे दिखाई देते हैं—
(ग्वालियर 2024)
(a) ऊंघते (b) सोते (c) रोते (d) हिलते।

20. घने जंगल किसे सहन करते हैं—
(a) आँधी तूफानों को (b) भूकंप को (c) चक्रवात को (d) ओंस।

21. सतपुड़ा के जंगल किससे भरे हैं—
(ग्वालियर 2024)
(a) अजगरों से (b) चमगादड़ से (c) चिड़िया से (d) पशुओं से।

22. वन सजीव क्यों मालूम होते हैं—
(a) सिंह और बाघ के गर्जन से (b) चूहों की दौड़ से
(c) बिल्ली के रोने से (d) हाथियों के चिंघाड़ से।

23. कवि ने सतपुड़ा के घने जंगलों के लिये क्या आह्वान किया है—
(a) भ्रमण करने (b) दौड़ने (c) चलने (d) नौकायान।

24. ''पंक दल में पले पत्ते'' इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है—
(उज्जैन 2024)
(a) अनुप्रास अलंकार (b) उपमा अलंकार (c) श्लेष्य अलंकार (d) उत्प्रेक्षा अलंकार।

25. सतपुड़ा के वनों में किस जाति के लोग निवास करते हैं—
(उज्जैन 2024)
(a) गोंड (b) ब्राह्मण (c) क्षत्रिय (d) शूद्र।

26. सतपुड़ा के घने जंगल कैसे हैं—
(छतरपुर 2024)
(a) नींद में डूबे हुए से (b) आकाश में छाये हुए से
(c) पृथ्वी पर फैले हुए से (d) अम्बर पर फैले हुए से।

27. वन सजीव क्यों प्रतीत होते हैं—
(a) बाघ की गर्जना से (b) वर्षा से
(c) बिजली के चमकने से (d) इनमें से कोई नहीं।

28. सतपुड़ा के घने जंगल कहाँ हैं—
(उज्जैन 2024)
(a) अमेरिका में (b) जापान में
(c) उत्तरप्रदेश के कानपुर जिले में (d) मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले में।

29. भारत में घने जंगल कहाँ पर हैं—
(a) उत्तर प्रदेश (b) राजस्थान (c) अरुणाचल प्रदेश (d) आन्ध्रप्रदेश।

30. क्षेत्रफल के आधार पर देश में सबसे बड़ा वन क्षेत्र कहाँ है—
(a) तमिलनाडु (b) मध्यप्रदेश (c) महाराष्ट्र (d) ओडिशा।

31. सतपुड़ा के जंगल में नहीं घुस पाती है—
(जबलपुर 2024)
(a) सूर्य की किरणें (b) हवा (c) वर्षा की बूँदें (d) उपर्युक्त सभी।

32. सतपुड़ा के जंगलों में रहते हैं—
(जबलपुर 2024; भोपाल 24)
(a) गोंड (b) भील (c) बुंदेली (d) बघेली।

33. जब होली पास आती है तो —
(जबलपुर 2024)
(a) महुएँ की मद भरी बास आती है (b) ढोल गूँज उठते हैं
(c) सरसराती घास आती है (d) उपर्युक्त सभी।

34. पं. भवानी प्रसाद मिश्र से संबंधित तिथियाँ हैं—
(जबलपुर 2024)
(a) साहित्यकार अकादमी पुरस्कार 1972 (b) 29 मार्च, 2013 जन्म
(c) 20 फरवरी, 1985 मृत्यु (d) उपर्युक्त सभी।

35. पं. भवानी प्रसाद मिश्र किस धारा के कवि हैं—
(भोपाल 2024)
(a) छायावादी (b) नई कविता एवं प्रयोगवादी
(c) रीतिवादी, (d) भक्तिवादी।

36. कौन-सा कवि गाँधीवादी विचारधारा से संबंधित है—
(छतरपुर 2024)
(a) महावीर प्रसाद द्विवेदी (b) अज्ञेय
(c) भवानी प्रसाद मिश्र (d) विद्यानिवास मिश्र।

37. 'सतपुड़ा के घने जंगल' कविता में आये पलास शब्द का क्या अर्थ है—
(छतरपुर 2024)
(a) छेवले का वृक्ष (b) आँवले का वृक्ष
(c) सुन्दर लताओं का झूला (d) आशीर्वाद।

38. निम्नलिखित में से भवानी प्रसाद मिश्र की रचना है—
(भोपाल 2024)
(a) गीत फ़रोश (b) बुनी हुई रस्सी (c) सतपुड़ा के जंगल (d) उपर्युक्त सभी।

39. ''..... के घने जंगल, नींद में डूबे हुए से'' उक्त खाली स्थान भरें—
(छतरपुर 2024)
(a) विंध्याचल (b) सतपुड़ा (c) नीलगिरि (d) महेन्द्र ।

40. सतपुड़ा के घने जंगल में नींद में कौन डूबा है—
(भोपाल 2024)
(a) जंगल (b) साँप (c) नदी (d) शेर।

41. वन में कौन निश्चित है—
(ग्वालियर 2024)
(a) मुर्गे (b) झोपड़ी (c) तीतर (d) गोंड़।

42. 'सतपुड़ा के घने जंगल' कविता किस विषय पर आधारित है—
(ग्वालियर 2024)
(a) प्रकृति एवं वन्यजीवों पर (b) घने जंगल पर
(c) जंगल में पेड़ों पर (d) आधुनिक जंगल पर

43. सतपुड़ा के घने जंगल कविता में किस नदी का वर्णन नहीं है—
(ग्वालियर 2024)
(a) नर्मदा (b) गंगा (c) ताप्ती (d) गोदावरी।

(इन्दौर 2024)

44. कविता का गाँधी किसे कहा जाता है—
(a) भवानी प्रसाद मिश्र (b) विद्यानिवास मिश्र
(c) विवेकानंद (d) ऊषा प्रियंवदा।

(इन्दौर 2024; छतरपुर 24)

45. गीत फ़रोश किसकी रचना है—
(a) विवेकानंद (b) ऊषा प्रियंवदा
(c) भवानी प्रसाद मिश्र (d) विद्या निवास मिश्र।

46. 1972 में मिश्र जी को किस रचना के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला— (इन्दौर 2024)
(a) बुनी हुई रस्सी (b) गीत फ़रोश (c) अँधेरी कविताएँ (d) चकित है दुःख।

(इन्दौर 2024)

47. सतपुड़ा की कितनी श्रेणियाँ हैं—
(a) पाँच (b) सात (c) चार (d) छः।

(इन्दौर 2024)

48. मिश्र जी ने मार्क्सवादी को क्या संज्ञा दी है—
(a) नादिर शाह (b) हिटलर शाह (c) आनन्दवादी (d) समाजवादी।

(इन्दौर 2024)

49. बाल सखा के सम्पादक कौन थे—
(a) महावीर प्रसार द्विवेदी (b) मोहनलाल द्विवेदी
(c) सोहनलाल द्विवेदी (d) हजारी प्रसाद द्विवेदी।

(उज्जैन 2024)

50. सतपुड़ा के घने जंगल किस जिले में स्थित हैं—
(a) कानपुर जिले में (b) जबलपुर में (c) होशंगाबाद में (d) रायसेन में।

(छतरपुर 2024)

51. भवानी प्रसाद मिश्र किस सप्तक के कवि थे—
(a) प्रथम सप्तक (b) द्वितीय सप्तक
(c) तृतीय सप्तक (d) चतुर्थ सप्तक।

उत्तर— 1. (b), 2. (a), 3. (b), 4. (a), 5. (c), 6. (b), 7. (b), 8. (a), 9. (a), 10. (b), 11. (a), 12. (a), 13. (a), 14. (a), 15. (a), 16. (a), 17. (a), 18. (a), 19. (a), 20. (a), 21. (a), 22. (a), 23. (a), 24. (a), 25. (a), 26. (a), 27. (a), 28. (d), 29. (c), 30. (b), 31. (b), 32. (a), 33. (d), 34. (c), 35. (b), 36. (c), 37. (c), 38. (c), 39. (b), 40. (a), 41. (d), 42. (b), 43. (a), 44. (a), 45. (c), 46. (a), 47. (b), 48. (d), 49. (b), 50. (c), 51. (b).

2. वापसी

— ऊषा प्रियंवदा

महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न 1. ऊषा प्रियंवदा द्वारा लिखित वापसी कहानी किस पर आधारित है ?

उत्तर—ऊषा प्रियंवदा द्वारा लिखित वापसी कहानी मानवीय संबंधों के वास्तविक स्वरूप को उजागर करती हुई संवेदनशील कहानी है।

प्रश्न 2. आधुनिकता ने हमें कैसा बना दिया है ?

उत्तर—आधुनिकता ने हमें स्वार्थी और मानवताहीन बना दिया है। जब तक किसी व्यक्ति से हमारा स्वार्थ सिद्ध होता रहता है तब तक हम उसे आदर, सम्मान और महत्व देते हैं अन्यथा उसके प्रति उपेक्षा भाव प्रदर्शित करते हैं।

प्रश्न 3. वापसी कहानी किसका चित्रण करती है ?

उत्तर— वापसी कहानी पारिवारिक घुटन का चित्रण करती है।

प्रश्न 4. वापसी कहानी के प्रधान पात्र कौन हैं ?

उत्तर— वापसी कहानी के प्रधान पात्र गजाधर बाबू हैं।

प्रश्न 5. गजाधर बाबू का स्थायी नौकर कौन है ?

उत्तर— गजाधर बाबू का स्थायी नौकर गणेशी है।

प्रश्न 6. गजाधर बाबू की बेटी का नाम क्या है ?

उत्तर— गजाधर बाबू की बेटी का नाम बसन्ती है।

प्रश्न 7. बसन्ती किसकी छात्रा है ?

उत्तर— बसन्ती कॉलेज की छात्रा है।

प्रश्न 8. वापसी कहानी समाज के किन वर्गों का प्रतिनिधित्व करती है ?

उत्तर— वापसी कहानी समाज के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करती है।

प्रश्न 9. गजाधर बाबू के बड़े पुत्र का नाम क्या है ?

उत्तर— गजाधर बाबू के बड़े पुत्र का नाम अमर है।

प्रश्न 10. गजाधर बाबू रिटायरमेंट के बाद क्या नहीं सहन कर पाते ?

उत्तर— गजाधर बाबू रिटायरमेंट के बाद परिवार वालों की उपेक्षा नहीं सहन कर पाते।

प्रश्न 11. वापसी कहानी की शिल्पकला की दृष्टि से समीक्षा कीजिये।

अथवा

वापसी कहानी की विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।

उत्तर—वापसी कहानी की समीक्षा—ऊषा प्रियंवदा द्वारा लिखित वापसी कहानी मानवीय सम्बन्धों के वास्तविक स्वरूप को उजागर करती है। आधुनिकता ने हमें स्वार्थी और मानवताहीन बना दिया है। जब तक कि किसी व्यक्ति से हमारा स्वार्थ सिद्ध नहीं हुआ रहता है तब तक हम उसे आदर, सम्मान और महत्व देते हैं। अन्यथा उसके प्रति उपेक्षा का भाव प्रदर्शित कर उसकी भावनाओं को ठेस लगाकर अपनी हृदयहीनता का परिचय देने में हमें जरा भी संकोच नहीं होता। वस्तुतः इसी सन्दर्भ में पारिवारिक घुटन का चित्रण करने वाली वापसी कहानी प्रियंवदा जी की श्रेष्ठ कृतियों में से एक है और कहानी कला के तत्वों के आधार पर इस कहानी का विवेचन इस प्रकार है—

(1) कथानक या कथावस्तु—"वापसी कहानी रेल्वे विभाग के एक कर्मचारी गजाधर बाबू से सम्बन्धित एक पारिवारिक कहानी है। गजाधर बाबू ने अपना सम्पूर्ण जीवन घर से बाहर विभिन्न शहरों में बिताया है, क्योंकि उनकी नौकरी ही ऐसी है और अंत में अपना क्वाटर छोड़ते समय उन्हें अत्यंत दुख होता है।"

इस कहानी में गजाधर बाबू को जीवन का समस्त सुख प्राप्त है परंतु सारा जीवन अपने घरवालों से दूर अकेले रहने की व्यथा, विवशता ने उन्हें दुखी कर रखा है और यही कारण है कि रिटायर होने से प्रसन्न भी हैं कि अब शेष जीवन जो परिवार वालों के मध्य कटेगा। अपना सारा जीवन छोटे-छोटे स्टेशनों पर ट्रांसफर होते रहने के कारण कठिनाइयों से गुजरने वाले गजाधर बाबू ने अपने बच्चों को हमेशा बड़े शहरों में ही रखा ताकि उन्हें जीवन की सारी सुख-सुविधायें प्राप्त हो सकें। स्वयं कष्ट भोगकर भी उन्होंने अपनी पत्नी को भी बच्चों के साथ ही इसी उद्देश्य से रखा और खुद कभी-कभार उनसे मिलने जाते रहे हैं। इसलिये गजाधर बाबू घर जाने से प्रसन्न हैं।

गजाधर बाबू घर पहुँचते हैं, किन्तु वहाँ का वातावरण सर्वथा बदला हुआ है। बहु तथा बेटी उनकी उपेक्षा करती हैं और पत्नी ही उनका सारा कार्य करती है। किसी को उसकी गलतियों पर गजाधर बाबू द्वारा रोका जाना बिल्कुल पसंद नहीं आता। घर के किसी कार्य में वे हस्तक्षेप नहीं कर सकते उनकी स्थिति घर पर पड़ी एक बेकार वस्तु के सदृश्य हो गई है, क्योंकि अब उनकी सेवा धन आगमन का स्रोत समाप्त हो गया है और वे घर में खाली बैठे हैं। सभी से उपेक्षितों जैसा व्यवहार मिलने के कारण गजाधर बाबू मानसिक संघर्षों में घिरकर घुटन का अनुभव करने लगते हैं।

ऐसी परिस्थिति में गजाधर बाबू के नाम सेठ रामजीलाल की चीनी मिल में काम करने का बुलावा आता है और वे सब कुछ छोड़कर वहाँ जाने को तैयार हो जाते हैं। तब भी परिवार का कोई भी सदस्य उन्हें नहीं रोकता और उनकी पत्नी उनके साथ चलने को तैयार नहीं होती है। मानवीय स्वार्थपरता की चरम सीमा कहानी वापसी में व्यक्त होती है।

इस प्रकार वापसी के कथानक में पारिवारिक सम्बन्धों को टूटते और बिखराव के लिये स्वार्थ को प्रमुख कारण मानते हुए निम्न मध्यमवर्गीय परिवार की जिंदगी का चित्रण हुआ है।

(2) पात्र एवं चरित्र चित्रण—वापसी कहानी के प्रधान पात्र गजाधर बाबू हैं तथा उनका नौकर गणेशी, पुत्र नरेन्द्र, पुत्री बसन्ती, पत्नी, बड़ा पुत्र अमर और उसकी पत्नी आदि अन्य गौण पात्र हैं। वस्तुतः ये गौण पात्र गजाधर बाबू के चारित्रिक विकास में सहायक सिद्ध होने के लिये प्रयुक्त हुए हैं। गजाधर बाबू एक त्यागी पिता हैं जिन्होंने अपना सारा जीवन दुख में बिताकर भी बच्चों को समस्त सुख-सुविधायें दी हैं परंतु रिटायरमेंट के पश्चात् उन्हीं बच्चों और साथ में पत्नी द्वारा मिलने वाली उपेक्षा को उनका स्वाभिमानी हृदय सहन नहीं कर पाता और एक बार फिर से अपना घर त्याग देते हैं।

कहानी के अन्य पात्रों में गजाधर बाबू का स्थायी नौकर गणेशी है जो कठिनाइयों में उसका साथ देते हैं। गजाधर बाबू की बेटी बसंती कॉलेज छात्रा है तो बहू को आधुनिकता में फुर्सत नहीं है और पुत्र पत्नी के साथ रहने को प्राथमिकता देते हैं। इस कहानी के सभी पात्र समाज के विभिन्न पात्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

(3) संवाद या कथोपकथन—वापसी कहानी के संवाद सरल बोलचाल की भाषा से लिये गये हैं। जो संक्षिप्त में स्वाभाविक और पात्रानुकूल हैं। कहानी के संवाद पात्रों की चरित्रगत विशेषताओं को भी स्पष्ट करते हैं यथा यह डिब्बा कैसा है ? उन्होंने पूछा है।

गणेशी बिस्तर बाँधता हुआ कुछ गर्व, कुछ दुःख, कुछ लज्जा से बोला घरवाली ने हाथ में कुछ बेसन के लड्डू रख दिये हैं। कहा बाबू जी को पसंद थे। अब कहाँ हम गरीब लोग आपकी कुछ खातिर कर पायेंगे।

घर जाने की खुशी में गजाधर बाबू ने एक विशाद का अनुभव किया जैसे एक परिचित स्नेह आदरमय सहज संसार से उनका नाता टूट रहा था।

(4) देशकाल या वातावरण—"वापसी" में मध्यमवर्गीय परिवार की दो पीढ़ियों के मध्य आन्तरिक वैमनस्य को ही चित्रित किया गया है। आधुनिकता से ओतप्रोत हमारे समाज में मानवीय संवेदनाओं, करुणा, पीड़ा के लिये कोई स्थान ही नहीं बचा है और यही दशा एक लंबे समय से चली आ रही है। स्वार्थपरता में जीते समाज के सदस्यों की भावनाओं का चित्रण वातावरण का सजीव चित्र हमारे समक्ष उपस्थित कर देता है। अतः इस दृष्टि से भी कहानी पूर्ण सफल है।

(5) भाषा शैली—लेखिका ने बोल-चाल की सहज भाषा का प्रयोग करते हुए बिटिया, घरवाली, विछोह जैसे घरेलू शब्दों को तो अपनाया ही है। साथ-ही-साथ उर्दू-फारसी के शब्दों खातिर, मजाल, खुशामद आदि। अंग्रेजी शब्दों (कुशन, क्वाटर, ड्यूटी, पैसेन्जर आदि) के प्रयोग से भाषा को सुग्राह्य बना दिया है। मुहावरों और आवश्यकता से युक्त भाषा रोचक व प्रवाहमयी है। शैली भी अनुशासित है। बनावट या दिखावे से सर्वथा मुक्त वापसी कहानी की भाषा शैली कथानक विकास में पूर्णतः सहायक है।

(6) उद्देश्य एवं शीर्षक—दो पीढ़ियों के मध्य जनरेशन गैप से उत्पन्न होने वाली आन्तरिक वैमनस्य को उभारता और आधुनिकतावादी मध्यमवर्गीय व्यक्तियों की स्वार्थपरता तनाव से मुक्ति पाने के लिये गजाधर बाबू का पुनः घर छोड़कर वापस एक अन्य नौकरी के लिये निकल पड़ना। कहानी के वापसी शीर्षक की सार्थकता को सिद्ध करता है।

निष्कर्ष—इस प्रकार वापसी एक यथार्थ परंतु जीवन से जुड़ी दो पीढ़ियों के अन्तर्द्वन्द्व पर आधारित कहानी है। जिसमें कहानी के समस्त तत्वों का समावेश हुआ है। अतः कहानी कला की दृष्टि से इसकी सफलता असंदिग्ध है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. वापसी कहानी की कहानीकार कौन हैं— (छतरपुर 2024; जबलपुर 24; ग्वालियर 24)
(a) शिवानी (b) मृणाल पाण्डे (c) ऊषा प्रियंवदा (d) ऊषा मिश्रा।

2. वापसी कहानी किसके वास्तविक स्वरूप को उजागर करती है—
(a) दुश्मनों के सम्बन्ध (b) मानवीय सम्बन्ध
(c) मित्र के सम्बन्ध (d) आत्मीय सम्बन्ध।

3. आधुनिकता ने हमें कैसा बना दिया है—
(a) सहनशील (b) आत्मीय
(c) स्वार्थी और मानवताहीन (d) मिलनशील।

4. अपनी हृदयहीनता का परिचय देने में हमें क्या नहीं होता है—
(a) संकोच (b) झिझक (c) झुंझलाहट (d) चिड़चिड़ाहट।

5. वापसी कहानी किसका चित्रण करती है— (भोपाल 2024)
(a) जलन (b) पारिवारिक घुटन (c) ममत्व (d) मातृत्व।

6. वापसी कहानी के गजाधर बाबू किस विभाग में कार्य करते हैं— (भोपाल 2024)
(a) बैंक में (b) रेल्वे में (c) पर्यटन विभाग में (d) शिक्षा विभाग में।

7. वापसी किस प्रकार की कहानी है— (ग्वालियर 2024)
(a) ऐतिहासिक (b) दार्शनिक (c) पारिवारिक (d) सामाजिक।

8. गजाधर बाबू ने अपना सम्पूर्ण जीवन कहाँ बिताया—
(a) घर के अन्दर (b) घर के बाहर (c) गाँव में (d) जंगल में।

9. अपना क्वाटर छोड़ते हुए गजाधर बाबू को क्या हुआ—
(a) अत्यन्त हर्ष (b) अत्यन्त दुख (c) मन विचलित हुआ (d) भटकाव।

10. गजाधर बाबू को जीवन में क्या प्राप्त है—
(a) समस्त सुख (b) समस्त दुख (c) चिन्ता (d) भय।

11. वापसी कहानी के संवाद किस तरह की भाषा से लिये गये हैं— (उज्जैन 2024)
(a) कठिन भाषा (b) क्लिष्ट भाषा
(c) सरल बोलचाल की भाषा (d) रोचक भाषा।

12. गणेश किसे बाँधता हुआ बोला—
(a) बिस्तर (b) थैला (c) झोला (d) गठरी।

13. घरवाली के साथ क्या रखा—
(a) बूँदी के लड्डू (b) बेसन के लड्डू (c) चूरमा के लड्डू (d) आटे के लड्डू।

14. बाबू जी को क्या पसंद है—
(a) बर्फी (b) चूड़ा (c) बेसन के लड्डू (d) रसगुल्ला।

15. घर जाने की खुशी में गजाधर बाबू को क्या अनुभव हुआ—
(a) दुख का (b) विषाद का (c) प्रसन्नता का (d) क्रोध का।

16. एक परिचित स्नेह आदरमय सहज संसार से क्या टूट रहा था—
(a) नाता (b) रिश्ता (c) मित्रता (d) दुश्मनी।

17. वापसी कहानी किस परिवार से सम्बन्धित है— (ग्वालियर 2024)
(a) उच्च वर्गीय (b) मध्यम वर्गीय (c) निम्न वर्गीय (d) अति निम्न वर्गीय।

18. वापसी कहानी में दो पीढ़ियों के मध्य क्या चित्रित किया गया है—
(a) आन्तरिक वैमनस्य (b) आन्तरिक सुलह
(c) आन्तरिक कलह (d) आन्तरिक कटुता।

19. आधुनिकता से ओत-प्रोत हमारे समाज में किसके लिये कोई स्थान नहीं बचा है—
(a) मानवीय कलह (b) मानवीय संवेदनाओं, करुणा, पीड़ा
(c) मानवीय वैमनस्य (d) मानवीय मूल्य।

20. वापसी कहानी सजीव चित्रण के आधार पर पूर्ण है—
(a) सफल (b) असफल (c) विचारणीय (d) अनुकरणीय।

21. वापसी कहानी में कहानीकार ने किस भाषा का प्रयोग किया है—
(a) बोलचाल की सहज भाषा (b) बोलचाल की असहज भाषा
(c) बोलचाल की कटु भाषा (d) बोलचाल की व्यंग्य भाषा।

22. वापसी कहानी में किस तरह के शब्दों का प्रयोग कहानीकार ने किया है—
(a) कटु (b) सरलू (c) आधुनिक (d) ग्रामीण।

23. वापसी कहानी में कहानीकार ने किस विदेशी भाषा के शब्दों का प्रयोग किया है—
(a) जापानी (b) अंग्रेजी (c) तुर्की (d) स्पेन।

24. वापसी कहानी की भाषा शैली किसमें पूर्ण सहायक है—
(a) कथात्मक विकास (b) भावात्मक विकास
(c) आचरणात्मक विकास (d) सम्पूर्ण विकास।

25. वापसी कहानी में मुहावरों और व्यंजनात्मकता से युक्त भाषा कैसी है—
(a) कटु एवं असहनीय (b) रोचक व प्रवाहमयी
(c) दुखदायी व अकल्पनीय (d) असभ्य एवं अनुकरणीय।

26. वापसी कहानी का उद्देश्य क्या है—
(a) आन्तरिक वैमनस्यता को उभारना (b) बाह्य वैमनस्यता को उभारना
(c) आन्तरिक वैमनस्यता को दबाना (d) बाह्य वैमनस्यता को दबाना।

27. वापसी कहानी में गजाधर बाबू पुनः क्या छोड़कर गये—
(a) देश (b) समाज (c) घर (d) विदेश।

28. वापसी कहानी में गजाधर बाबू कहाँ के लिये निकल गये—
(a) नौकरी (b) दरबारी (c) यात्रा (d) व्यवसायी।

29. वापसी कहानी दो पीढ़ियों के किस पर आधारित है—
(a) विचारों पर (b) अन्तर्द्वन्द्व पर
(c) स्वतंत्र लेखन पर (d) अपनी अभिव्यक्ति पर।

30. वापसी कहानी, कहानी कला की दृष्टि से है—
(a) सफलता असंदिग्ध (b) सफलता संदिग्ध
(c) असफलता संदिग्ध (d) असफलता असंदिग्ध।

31. ऊषा प्रियंवदा है— (जबलपुर 2024)
(a) कहानीकार (b) निबंध लेखिका (c) साहित्यकार (d) उपर्युक्त सभी।

32. 'वापसी' कहानी का मुख्य पात्र है— (जबलपुर 2024)
(a) गजाधर बाबू (b) दयादीन (c) गनेशी (d) बसंती।

33. वापसी कहानी है— (जबलपुर 2024)
(a) पारिवारिक प्रेम की (b) विघटित होते हुए संयुक्त परिवार की
(c) मालिक और सेवक की (d) पिता-पुत्र के संबंधों की।

34. गजाधर बाबू को नई नौकरी कहाँ मिली— (जबलपुर 2024)
(a) सेठ रामजी लाल की चीनी मिल में (b) रेलवे विभाग में
(c) नगरपालिका में (d) गाँव की धर्मशाला में।

35. ऊषा प्रियंवदा की यादगार कहानी है— (जबलपुर 2024)
(a) जिंदगी और गुलाब के फूल (b) एक और दूसरा
(c) ये कितना बड़ा झूठ (d) उपर्युक्त सभी।

36. 'वापसी' रचना किस विधा से संबंधित है— (भोपाल 2024)
(a) उपन्यास (b) एकांकी (c) कहानी (d) कविता।

37. गजाधर बाबू किस रचना का पात्र है— (भोपाल 2024)
(a) गदल (b) सतपुड़ा के जंगल
(c) महाभोज (d) वापसी।

38. ऊषा प्रियंवदा कृत रचना है— (भोपाल 2024)
(a) वापसी (b) आँगन का पंछी (c) मंत्र (d) नमक का दरोगा।

39. 'वापसी' रचना में किसकी वापसी होती है— (भोपाल 2024; ग्वालियर 24)
(a) बसंती की (b) नरेन्द्र की (c) गजाधर बाबू की (d) अमर की।

40. सेवानिवृत्त गजाधर बाबू अपने ही घर में उपेक्षित रहने लगे थे। वे पुनः कहाँ वापस जाना चाहते थे— (छतरपुर 2024)
(a) जहाँ से सेवानिवृत्त हुए (b) पत्नी के पास
(c) बच्चों के पास (d) मित्रों के पास।

41. 'वापसी' कहानी है— (ग्वालियर 2024)
(a) सामाजिक (b) पारिवारिक (c) दार्शनिक (d) ऐतिहासिक।

42. नरेन्द्र ने खाना न खाने का गुस्सा किस पर उतारा— (ग्वालियर 2024)
(a) गजाधर बाबू पर (b) शीला पर (c) अपनी माँ पर (d) अपनी पत्नी पर।

43. 'पचपन खंभे' लाल दीवारें उपन्यास है— (इन्दौर 2024; छतरपुर 24)
(a) ऊषा प्रियंवदा (b) महादेवी वर्मा
(c) भवानी प्रसाद मिश्र (d) जयशंकर प्रसाद।

44. 'वापसी' कहानी का उद्देश्य दिखाता है— (इन्दौर 2024)
(a) घुटन (b) परिवार का बिखराव
(c) जीवन की टूटन (d) भ्रष्टाचार।

45. गजाधर बाबू की वापसी कहाँ होती है— (इन्दौर 2024)
(a) रेलवे में (b) चीनी मिल में (c) घर में (d) कहीं नहीं।

46. ऊषा प्रियंवदा किस देश में रहती है— (इन्दौर 2024)
(a) भारत (b) अमेरिका (c) जापान (d) फ्रांस।

47. 'आँगन का पंछी' हिन्दी की कौन-सी विधा है— (इन्दौर 2024)
(a) कहानी (b) कविता (c) निबंध (d) नाट्य।

48. कौन-सा उपन्यास ऊषा प्रियंवदा ने लिखा है— **(इन्दौर 2024; छतरपुर 24)**

(a) पीली छतरी वाली लड़की (b) तमस

(c) पचपन खम्भे लाल दीवारें (d) आपका बंटी।

उत्तर— 1. (c), 2. (b), 3. (c), 4. (a), 5. (b), 6. (b), 7. (c), 8. (b), 9. (b), 10. (a), 11. (c), 12. (a), 13. (b), 14. (c), 15. (b), 16. (a), 17. (b), 18. (a), 19. (b), 20. (a), 21. (a), 22. (b), 23. (b), 24. (a), 25. (b), 26. (a), 27. (c), 28. (a), 29. (b), 30. (a), 31. (a), 32. (a), 33. (b), 34. (a), 35. (d), 36. (c), 37. (d), 38. (a), 39. (c), 40. (a), 41. (b), 42. (d), 43. (a), 44. (b), 45. (c), 46. (a), 47. (a), 48. (c).

3. शिकागो व्याख्यान

—स्वामी विवेकानन्द

महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न 1. शिकागो व्याख्यान में विवेकानन्द जी ने क्या संदेश दिया ?

उत्तर—शिकागो में विश्वधर्म सम्मेलन के अपने भाषण में विवेकानन्द जी ने कहा था कि हम सिर्फ सार्वभौमिक सहनशीलता में ही केवल विश्वास नहीं रखते हैं। बल्कि हम दुनिया के सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं।

प्रश्न 2. शिकागो व्याख्यान में स्वामी विवेकानन्द जी ने पहला वाक्य क्या कहा ?

उत्तर—सन् 1893 में अमेरिका के शिकागो में विश्व धर्म सम्मेलन में विवेकानन्द जी अपने भाषण की शुरुआत मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों कहकर की और सभी का अभिवादन करते हुए उन्होंने कहा मैं आपको दुनिया की प्राचीनतम संत परम्परा की तरफ से धन्यवाद देता हूँ।

प्रश्न 3. स्वामी विवेकानन्द का सबसे बड़ा मंत्र क्या था ?

उत्तर—उठो, जागो और तब तक मत रूको जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए ये मंत्र स्वामी विवेकानंद जी ने ही भारतीय युवाओं को दिया था।

प्रश्न 4. स्वामी विवेकानन्द जी ने शिकागो व्याख्यान किस दिन दिया था ?

उत्तर—जब भी स्वामी विवेकानंद की बात आती है तो अमेरिका के शिकागो में दिए उनके भाषण का जिक्र अवश्य किया जाता है। स्वामी विवेकानंद जी ने 11 सितम्बर 1893 को शिकागो में विश्व धर्म सम्मेलन में भाषण देकर दुनिया भर में भारत की मजबूत छवि पेश की थी। इस भाषण को लगभग 130 वर्ष हो चुके हैं किन्तु आज भी स्वामी जी के इस ऐतिहासिक भाषण की चर्चा होती है।

प्रश्न 5. शिकागो व्याख्यान पाठ का सारांश लिखिये।

(उज्जैन 2009; सागर 11; इन्दौर 12, 13, 15)

अथवा

शिकागो व्याख्यान का संदेश अपने शब्दों में लिखिये। **(सागर 2015)**

अथवा

शिकागो व्याख्यान के आधार पर स्वामी विवेकानन्द के चिन्तन की विशेषतायें लिखिये।

अथवा **(जबलपुर 2015)**

शिकागो व्याख्यान में स्वामी विवेकानन्द ने किन-किन बातों पर जोर दिया है ? (इन्दौर 2016)

उत्तर—स्वामी विवेकानन्द एक संन्यासी होते हुए भी मानव समाज के परम शुभचिन्तक थे। उन्होंने हिन्दू धर्म के प्रचारक के रूप में अमेरिका जैसे विकसित देश में जाकर जो भाषण दिये थे। उसी को इस पाठ में संकलित किया गया है।

स्वामी जी ने अपने भाषण में सर्वप्रथम अमेरिकावासियों को भाइयों एवं बहनों जैसे शब्दों से सम्बोधित किया तथा अपने धर्म पर गर्व करते हुए कहा कि यही एक ऐसा धर्म है जिसने संसार को सहिष्णुता तथा सार्वभौम स्वीकृति दोनों को ही शिक्षा दी है। यही एक ऐसा अकेला धर्म है जो विश्व के सभी धर्मों का आदर करते हुए अपने में आत्मसात किया हुआ है।

साम्प्रदायिकता एवं हठधर्मिता के विषय में भी कहा कि इन्हीं भावनाओं के ही कारण आज मानव ही मानव का दुश्मन बना हुआ है। जो केवल एक देश के लिये ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिये घातक है। सभी धर्मों को मानने वाले को इस दुर्भावना को अपने दिमाग से निकालना विश्व कल्याण के लिये अत्यंत आवश्यक है।

अंत में अपने विचार व्यक्त करते हुए स्वामी विवेकानन्द जी ने कहा कि नि: स्वार्थ भाव से किया गया श्रम हमेशा सफल होता है। धार्मिक एकता के विषय में उनके विचार का सार उर्दू के किसी शायर द्वारा किये गये एक ही शेर से स्पष्ट हो जाता है।

"मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर करना।"

प्रश्न 6. विवेकानन्द जी ने मंच को धन्यवाद क्यों ज्ञापित किया ? स्पष्ट कीजिये।

(ग्वालियर 2010; भोपाल 12)

उत्तर—स्वामी विवेकानन्द का शिकागो व्याख्यान भारत की वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को प्रखर रूप से प्रतिस्थापित करते हैं। शिकागो में विश्वधर्म सम्मेलन में आगे सभी महानुभावों का स्वामी विवेकानन्द धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। चाहे वे किसी भी धर्म के मत का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे मत विभिन्नता का सम्मान करते हैं तथा सबके विचारों को सुनने का आग्रह करते हैं। स्वामी जी इस सम्मेलन में अपने विचित्र विचारों को रखने वालों के प्रति विशेष धन्यवाद देते हैं। इस समरसता में कुछ बेसुरे स्वर भी बीच-बीच में सुने गये हैं। उन्हें मेरा विशेष धन्यवाद क्योंकि उन्होंने अपने स्ववैचित्र्य से इस समरसता को और मधुर बना दिया है।

प्रश्न 7. सच्चे धर्म के विषय में विवेकानन्द जी के क्या विचार हैं ? लिखिये।

(जबलपुर 2009; रीवा 10, 11; उज्जैन 12; भोपाल 12, 13; ग्वालियर 15)

अथवा

सच्चे धर्म की क्या पहचान है ? **(भोपाल 2015)**

अथवा

स्वामी विवेकानन्द के अनुसार धर्म महासभा से संसार को क्या शिक्षा मिलती है ? (उज्जैन 2015)

उत्तर—विवेकानन्द को हिन्दू धर्म का अनुयायी होने पर गर्व था। उनका मानना था कि हिन्दू धर्म ने संसार को सहिष्णुता तथा सार्वभौम स्वीकृति दोनों की ही शिक्षा दी है। हिन्दू धर्म ने समस्त धर्मों को तथा देश के उत्पीड़ितों और शरणार्थियों को आश्रय दिया है। धर्म के संबंध में विवेकानन्द की यह भी मान्यता है कि जैसे विभिन्न नदियाँ भिन्न-भिन्न स्रोतों से निकलकर समुद्र में मिल जाती हैं। उसी प्रकार विभिन्न धर्मावलंबी भी अंतत: उस विराट तत्व में लीन हो जाते हैं। विवेकानन्द धर्मान्धता के सख्त विरोधी थे। वे सर्वधर्म का विकास चाहते थे। प्रत्येक धर्मावलंबी को चाहिए कि वह दूसरे धर्म के सारभाग को आत्मसात् करके पुष्टिलाभ करें और अपने वैशिष्ट्य की रक्षा करते हुए अपनी निजी बुद्धि के नियम के अनुसार वृद्धि को प्राप्त हों। उनका मानना था कि शुद्धता, पवित्रता और दयाशीलता किसी सम्प्रदाय विशेष की ऐतिहासिक सम्पत्ति नहीं है एवं प्रत्येक धर्म के पताका पर यह लिखा होना चाहिए कि सहायता करो, लड़ो मत, परभाव ग्रहण न कि परभाव विनाश। समन्वय और शांति न कि मतभेद और कलह।

प्रश्न 8. गीता के उपदेश के माध्यम से विवेकानन्द अपने वक्तव्य में क्या कहना चाहते हैं ? स्पष्ट कीजिये। **(भोपाल 2010, 12; उज्जैन 11; रीवा 17)**

उत्तर—गीता में कहा गया है—

ये यथा मां प्रपद्यन्ते तांस्तथैव भजाम्यहम्।
मम वर्त्मानुवर्तन्ते मनुष्या: पार्थ सर्वश:।।

अर्थात् कृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि जो कोई भी मेरी ओर आता है चाहे किसी भी प्रकार से हो मैं उसको प्राप्त होता हूँ। लोग भिन्न-भिन्न मार्ग द्वारा प्रयत्न करते हुए अंत में मेरी ही ओर आते हैं। कृष्ण ने भिन्न-भिन्न मार्ग कहकर विभिन्न धर्मों की ओर स्पष्ट संकेत किया है। परमतत्व तो एक ही है। विभिन्न धर्म के पास उस तक पहुँचने के विभिन्न मार्ग हैं। मनुष्य अज्ञानतावश इस संसार में धार्मिक लड़ाइयाँ ठाने हुए है जबकि सभी का लक्ष्य एक है।

प्रश्न 9. स्वामी विवेकानन्द के शिकागो व्याख्यान की वर्तमान में प्रासांगिकता निरूपित कीजिए। (ग्वालियर 2013)

उत्तर—स्वामी विवेकानन्द का शिकागो व्याख्यान भारत की वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा का प्रत्यक्ष रूप में प्रतिस्थापना है। विश्व धर्म सम्मेलन में आये विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के समक्ष उन्होंने व्यक्त किया कि भारत में अनेक धर्म होते हुए भी सभी प्रेम और सौहार्दता से बँधे हुए हैं। आज जहाँ धर्म के नाम पर साम्प्रदायिकता के नाम पर रक्तपात मचा हुआ है। वहीं से संदेश देते हैं कि भारत धर्मों की जननी है। यह वह देश है जिससे सभी धर्मों को न केवल आश्रय दिया बल्कि सभी धर्मों को सम्मान और स्वतंत्र अस्तित्व भी प्रदान किया। गीता के संदेश के माध्यम से यह समझाया कि सभी धर्मों के रास्ते चाहे भिन्न-भिन्न हों किंतु लक्ष्य एक ही है। साम्प्रदायिकता और हठधर्मिता से सभ्यता और संस्कृति का नाश होता है। शुद्धता, पवित्रता और दयाशीलता किसी सम्प्रदाय विशेष की एकांतिक सम्पत्ति नहीं है प्रत्येक धर्म ने श्रेष्ठ एवं अतिशय उन्नत चरित्र स्त्री-पुरुषों को जन्म दिया है। अतः प्रत्येक धर्म का सम्मान करें। वर्तमान में यह भावना समाज को उन्नत दिशा में ले जायेगी।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. शिकागो व्याख्यान में स्वामी विवेकानन्द जी ने क्या संदेश दिया—
(a) नैतिकता का (b) भाई-चारा का (c) भ्रातृ-प्रेम (d) मातृ-प्रेम

2. स्वामी विवेकानन्द जी ने शिकागो में अपने भाषण में सर्वप्रथम क्या कहा—
(a) मित्रों (b) माता-पिता (c) भाइयों-बहनों (d) देवियों-सज्जनों।

3. स्वामी विवेकानन्द जी ने ब्रह्माण्ड की तुलना किससे की थी—
(a) पाई से (b) शून्य से (c) दशमलव से (d) ओमेगा से।

4. शिकागो में क्या प्रसिद्ध है— (उज्जैन 2024)
(a) कसाईखाना (b) दवाईखाना (c) मुर्गीखाना (d) बैलखाना।

5. स्वामी विवेकानन्द जी के जन्म के समय का नाम क्या था— (ग्वालियर 2024; उज्जैन 24; छतरपुर 24; इन्दौर 24)
(a) नरेन्द्रनाथ (b) राजेन्द्रनाथ (c) वीरेन्द्रनाथ (d) सुरेन्द्रनाथ।

6. शिकागो में स्वामी विवेकानन्द जी ने किस भाषा में भाषण दिया था—
(a) अंग्रेजी (b) पंजाबी (c) उर्दू (d) हिन्दी।

7. शिकागो में स्वामी विवेकानन्द जी ने कितना लम्बा भाषण दिया था— (उज्जैन 2024)
(a) 458 शब्द लम्बा (b) 600 शब्द लम्बा
(c) 200 शब्द लम्बा (d) 800 शब्द लम्बा।

8. कितने वर्ष की आयु से विवेकानन्द जी ने गेरुआ वस्त्र पहनना प्रारम्भ किया था— (ग्वालियर 2024)
(a) 25 वर्ष (b) 35 वर्ष (c) 12 वर्ष (d) 45 वर्ष।

9. स्वामी विवेकानन्द जी का जन्म कब हुआ था— (उज्जैन 2024)
(a) 11 फरवरी, 1880 (b) 12 जनवरी, 1863
(c) 20 मार्च, 1863 (d) 18 फरवरी, 1862।

10. स्वामी विवेकानन्द जी ने कितने वर्ष की आयु से भारत वर्ष की यात्रा प्रारम्भ की थी—
(a) 35 वर्ष (b) 25 वर्ष (c) 42 वर्ष (d) 60 वर्ष।

11. स्वामी विवेकानन्द जी का निधन कब हुआ— (उज्जैन 2024)
(a) 10 जुलाई, 1908 (b) 04 जुलाई, 1902
(c) 15 जुलाई, 1910 (d) 10 मार्च, 1920।

12. स्वामी विवेकानन्द जी ने शिकागो व्याख्यान में शून्य की तुलना किससे की थी—
(a) अनन्त ब्रह्माण्ड से (b) अनन्त पृथ्वी से
(c) आकाश से (d) पाताल से।

13. स्वामी विवेकानन्द जी के शिकागो व्याख्यान के अनुसार, "अनन्त कोटि ब्रह्माण्ड के नायक को सनातन धर्म में क्या कहा जाता है"—
(a) श्री कृष्ण विद्या (b) श्री विद्या (c) महा विद्या (d) श्री वैभव विद्या।

14. शिकागो व्याख्यान के अनुसार ब्रह्माण्ड का नाद क्या है—
(a) ॐ (b) अहं (c) अहः (d) अरे।

15. शिकागो व्याख्यान के अनुसार हम किसके उपासक हैं—
(a) रूप ब्रह्म (b) नाद ब्रह्म (c) अहं ब्रह्म (d) अहः ब्रह्म।

16. शिकागो व्याख्यान के अनुसार स्त्रीलिंग किसका पालक है— (उज्जैन 2024)
(a) सृष्टि (b) वृष्टि (c) दृष्टि (d) रुष्टि।

17. शिकागो व्याख्यान के अनुसार पुल्लिंग सृष्टि का क्या है—
(a) बाधक (b) कारक (c) सृजक (d) पलक।

18. शिकागो व्याख्यान के अनुसार सृष्टि में उभयलिंग क्या कर रहा है—
(a) संधारण (b) संवहन (c) संचारण (d) संविलयन।

19. शिकागो व्याख्यान के अनुसार किस रंग का प्रकाश बिन्दु है—
(a) नीले (b) पीले (c) लाल (d) हरे।

20. शिकागो व्याख्यान के अनुसार कितने कोटि ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति होती है—
(a) अनंत कोटि (b) सहस्र कोटि (c) अर्द्ध कोटि (d) सौ कोटि।

21. शिकागो व्याख्यान के अनुसार अनंत कोटि ब्रह्माण्ड उत्पत्ति को क्या कहा जाता है—
(a) सहस्र विस्फोट (b) महाविस्फोट (c) विस्फोट (d) दुरुह विस्फोट।

22. शिकागो व्याख्यान के अनुसार जब अनंत कोटि ब्रह्माण्ड का लय होता है, तब उसे क्या कहते हैं—
(a) महाविस्फोट (b) लय विस्फोट (c) निपात (d) महानिपात।

23. शिकागो व्याख्यान के अनुसार ब्रह्माण्डों की गति, विपत्ति, व्युत्पत्ति काल परिस्थिति कैसी होती है— (उज्जैन 2024)
(a) कैल्कुलेटेड पूर्व सुनिश्चित (b) पूर्व अनिश्चित
(c) पश्च अनिश्चित (d) मध्य निश्चित।

24. शिकागो व्याख्यान के अनुसार नीलकांत की सुंदर प्रकृति का संचारण किसमें होता है— (उज्जैन 2024)
(a) धराधाम पर (b) मुक्तिधाम पर (c) पाताल धाम पर (d) अम्बर धाम पर।

25. शिकागो व्याख्यान के अनुसार हमें किसका सम्मान करना चाहिए—
(a) धराधाम (b) आकाशधाम (c) जलधाम (d) वायुधाम।

26. शिकागो व्याख्यान के अनुसार मनुष्य का पहला कर्तव्य क्या है— (ग्वालियर 2024)
(a) प्रकृति का संरक्षण (b) मनुष्य का संरक्षण
(c) पशुओं का संरक्षण (d) पक्षियों का संरक्षण।

27. शिकागो व्याख्यान के अनुसार, सुबह उठकर किसको प्रणाम करना चाहिए—
(a) धरती को (b) समुद्र को (c) नदियों को (d) जंगल को।

28. शिकागो व्याख्यान के अनुसार किसका तिलक माथे पर लगाना चाहिए—
(a) चन्दन का (b) कुमकुम का (c) धूल का (d) हल्दी का।

29. स्वामी विवेकानन्द जी का जन्म कहाँ हुआ था—
(a) अमेरिका (b) कलकत्ता (c) जापान (d) कैलिफोर्निया।

30. स्वामी विवेकानन्द जी के शिकागो व्याख्यान के बाद कितने मिनट तक सभागार तालियों से गूँजता रहा—
(a) 46 मिनट (b) 26 मिनट (c) 20 मिनट (d) 45 मिनट।

31. जितना बड़ा संघर्ष होगा उतनी ही शानदार क्या होगी—
(a) पहल (b) स्थल (c) जीत (d) हार।

32. शिकागो व्याख्यान के अनुसार जैसे तुम सोचोगे तो क्या होगा—
(a) वैसे बन जाओगे (b) वैसा गाओगे (c) वैसा बनाओगे (d) वैसा सोचोगे।

33. शिकागो व्याख्यान के अनुसार खुद को कमजोर समझना सबसे बड़ा क्या है— (ग्वालियर 2024)
(a) पुण्य (b) वरदान (c) पाप (d) अभिमान।

34. स्वामी विववेकानन्द जी का ध्येय वाक्य क्या था— (भोपाल 2024)
(a) उठो सो जाओ (b) उठो जागो लक्ष्य प्राप्त करो
(c) उठो दौड़ जाओ (d) उठो जागो बैठ जाओ।

35. जो व्यक्ति किसी सांसारिक वस्तु से व्याकुल नहीं होता उसे क्या प्राप्त होता है—
(a) अमरत्व (b) मातृत्व (c) साधुत्व (d) वीरत्व।

36. भारतवासी विश्वास करते हैं— (जबलपुर 2024)
(a) अर्थ पर (b) जैसे को तैसा (c) सहिष्णुता (d) अमेरिका पर।

37. स्वामी विवेकानन्द जी ने कहाँ पर व्याख्यान दिया था— (जबलपुर 2024)
(a) न्यूयार्क में (b) शिकागो में (c) नई दिल्ली में (d) लंदन में।

38. स्वामी विवेकानन्द जी चाहते थे— (जबलपुर 2024)
(a) हिन्दू या बौद्ध लोग ईसाई हो जाएँ
(b) हिन्दू धर्म का विश्वास हो
(c) ईसाई हिन्दू हो जाए
(d) सभी धर्म को एक-दूसरे धर्म का सम्मान करना चाहिए।

39. स्वामी विवेकानन्द जी के गुरु कौन थे— (भोपाल 2024 ; इन्दौर 24)
(a) रामकृष्ण परमहंस (b) विनोबा भावे (c) शंकराचार्य (d) मध्वाचार्य।

40. राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है— (भोपाल 2024; ग्वालियर 24)
(a) 10 फरवरी (b) 31 मई (c) 12 जनवरी (d) 2 अक्टूबर।

41. कौन-सी अभिव्यक्ति पृथ्वी को हिंसा से नहीं भरती रही है— (छतरपुर 2024)
(a) हठधर्मिता (b) साम्प्रदायिकता
(c) मानवता (d) वीभत्सय वंशधर धर्मान्यता।

42. स्वामी विवेकानन्द जी ने शिकागो व्याख्यान कब दिया— (भोपाल 2024; इन्दौर 24)
(a) 8 मार्च, सन् 1885 में (b) 12 जनवरी, सन् 1880 में
(c) 5 अप्रैल, सन् 1882 में (d) 11 सितम्बर, सन् 1893 में।

43. स्वामी विवेकानन्द जी ने विश्व धर्म सम्मेलन में कहाँ भाषण दिया था— (भोपाल 2024; छतरपुर 24)
(a) शिकागो (b) बीजिंग (c) मास्को (d) लंदन।

44. स्वामी विवेकानन्द जी द्वारा स्थापित मठ का नाम है— (भोपाल 2024)
(a) गोरखपुर मठ (b) बेलूर मठ (c) हरिद्वार मठ (d) इनमें से कोई नहीं।

45. स्वामी विवेकानन्द की माता का नाम क्या था— (ग्वालियर 2024)
(a) भुवनेश्वरी देवी (b) निर्मला देवी (c) कमला देवी (d) महादेवी।

46. सर्वधर्म सम्मेलन का आयोजन कहाँ हुआ था— (इन्दौर 2024)
(a) अमेरिका (b) शिकागो (c) भारत (d) चीन।

47. सर्वधर्म सम्मेलन कब हुआ था— (इन्दौर 2024)
(a) 11 सितम्बर, सन् 1893 (b) 11 दिसम्बर, सन् 1893
(c) 11 सितम्बर, सन् 1993 (d) 11 दिसम्बर, सन् 1993.

48. शिकागो व्याख्यान के अनुसार नीले रंग का क्या है— (उज्जैन 2024)
(a) असमान (b) प्रकाश बिन्दु (c) आकाश गंगा (d) अंतरिक्ष।

49. 12 जनवरी किस दिवस के रूप में मनाया जाता है— (इन्दौर 2024)
(a) बलिदान दिवस (b) पर्यावरण दिवस (c) विश्वशांति दिवस (d) राष्ट्रीय युवा दिवस।

50. स्वामी विवेकानन्द जी ने धर्म की पताका पर क्या लिखा होने की बात की है— (इन्दौर 2024)
(a) परभाव विनाश (b) मतभेद (c) सहायता करो (d) कलह।

51. स्वामी विवेकानन्द जी ने किस ग्रंथ का उल्लेख अपने विचारों में किया है— (इन्दौर 2024)
(a) वेद (b) गीता (c) भागवत (d) रामायण।

52. शिकागो व्याख्यान के अनुसार ब्राह्मणों की गति, विपत्ति, व्युत्पत्ति काल परिस्थिति कैसी होती है— (उज्जैन 2024)
(a) पूर्व अनिश्चित (b) पूर्व सुनिश्चित (c) पश्च अनिश्चित (d) किंचित अनिश्चित।

53. शिकागो व्याख्यान के अनुसार नीलकांत की सुंदर प्रकृति का संचारण किसमें होता है— (उज्जैन 2024)
(a) स्वर्गधाम (b) धराधाम (c) मुक्तिधाम (d) वायुधाम।

54. स्वामी विवेकानन्द जी ने शिकागो व्याख्यान में श्रोताओं को क्या कहकर संबोधित किया था— (छतरपुर 2024)
(a) श्रोताओं (b) माताओं और बहनों
(c) प्रिय सज्जनों (d) अमेरिकावासी बहनों तथा भाइयों।

55. "..... माता की ओर से धन्यवाद देता हूँ।" स्वामी जी ने खाली स्थान पर क्या कहा— (छतरपुर 2024)
(a) भारत (b) धर्मों की (c) ऋषियों की (d) संन्यासियों की।

उत्तर— 1. (a), 2. (c), 3. (b), 4. (a), 5. (a), 6. (d), 7. (c), 8. (a), 9. (b), 10. (b), 11. (b), 12. (a), 13. (c), 14. (a), 15. (b), 16. (a), 17. (b), 18. (c), 19. (a), 20. (a), 21. (b), 22. (d), 23. (a), 24. (a), 25. (a), 26. (a), 27. (a), 28. (c), 29. (b), 30. (b), 31. (c), 32. (a), 33. (c), 34. (b), 35. (a), 36. (c), 37. (b), 38. (d), 39. (a), 40. (c), 41. (c), 42. (d), 43. (a), 44. (d), 45. (a), 46. (b), 47. (b), 48. (a), 49. (d), 50. (c), 51. (b), 52. (b), 53. (b), 54. (d), 55. (a).

●●

इकाई 2

1. आँगन का पंछी और बनजारा मन

—विद्यानिवास मिश्र

महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न 1. विद्यानिवास मिश्र का उपनाम क्या है ?

उत्तर—भ्रमरानन्द।

प्रश्न 2. आँगन का पंछी और बनजारा मन किसका निबंध है ?

उत्तर—आँगन का पंछी और बनजारा मन विद्यानिवास मिश्र जी का ललित निबंध है।

प्रश्न 3. आँगन का पंछी और बनजारा मन साहित्य की कौन-सी विधा है ?

उत्तर—आँगन का पंछी और बनजारा मन हिन्दी साहित्य की निबंध विधा (ललित निबंध) में लिखा गया है।

प्रश्न 4. आँगन का पंछी और बनजारा मन पक्षी किसका प्रतीक है ?

उत्तर—एक तरह से घर के आँगन में गौरैया का ठीक होकर चहचहाना दाने चुनकर मुंडेरी पर बैठना, ह सांझ, हर सुबह, हर कहीं तिनके बिखेरना और घूम-फिर कर फिर रात में घर ही में बस जाना अपनी बढ़ती चाहने वाले गृहस्थ के लिए बच्चों की किलकारी मीठी शरारत और निर्भय उच्छृंखलता का प्रतीक है।

प्रश्न 5. कौन-सा घर निर्वंश-सा हो जाता है ?

उत्तर—गाँव में कहा जाता है—जिस घर में गौरैया अपना घोंसला नहीं बनाती वह घर निर्वंश-सा हो जाता है।

प्रश्न 6. ताजमहल के निर्माण पर कहाँ शोक प्रगट किया गया है ?

उत्तर—जो बुद्धिवादी कविताएँ हैं उनमें ताजमहल के निर्माण पर शोक प्रगट किया गया है।

प्रश्न 7. विद्या निवास मिश्र जी का परिचय दीजिये।

उत्तर—विद्या निवास मिश्र जी संस्कृत के विद्वान जाने-माने भाषाविद् हिन्दी साहित्यकार और सफल सम्पादक थे। विद्या निवास मिश्र जी का जन्म 14 जनवरी, 1926 तथा निधन 14 फरवरी, 2005 को हुआ था। आपको सन् 1999 में भारत सरकार ने साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में पद्मभूषण से सम्मानित किया था। ललित निबंध परम्परा में ये अधिकांशतः साहित्य सृजित करते थे। आपका जन्म उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के पकड़डीहा गाँव में हुआ था। आपने वाराणसी एवं गोरखपुर में शिक्षा प्राप्त की थी। सन् 1968 से 1977 तक वाराणसी के सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के अध्यापक थे। आप सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के कुलपति भी रहे। आपने अनेक साहित्यिक रचनायें सृजित की हैं।

विद्या निवास मिश्र जी की प्रमुख रचनायें—विद्या निवास मिश्र जी की प्रमुख निबंध रचनायें निम्न हैं-

(1) छितवन की छाँह
(2) कदम की फूली डाल
(3) तुम चन्दन हम पानी
(4) आँगन का पंछी और बनजारा मन
(5) मैंने सिल पहुँचाई
(6) बसन्त आ गया पर कोई उत्कंठा नहीं
(7) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
(8) हल्दी-दूब
(9) कँटीले तारों के आर-पार
(10) कौन तु फूलना बीननहारी।

काव्य संग्रह — पानी की पुकार
कहानी संग्रह — भ्रमरानंद का पचड़ा।

आलोचनात्मक ग्रंथ—तुलसीदास भक्ति प्रबंध का नया उत्कर्ष, आज के हिन्दी कवि अज्ञेय, कबीर वचनामृत, रहीम रचनावली, रसखान ग्रंथावली।

विशेषता—विद्यानिवास मिश्र जी ललित निबंध विधा के लेखक हैं। मिश्र जी के ललित निबंध में भावात्मकता के साथ-साथ लोक संस्कृति की छटा विद्यमान है। इनके निबंध में प्रसादमयी भाषा शैली, कथात्मक चित्रों की अधिकता और विवेचना की तथ्यपूर्ण गंभीरता दिखायी देती है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'आँगन का पंछी' के रचयिता का नाम क्या है— (भोपाल 2024; जबलपुर 24)
(a) श्री विद्याधर मातेले
(b) श्री विद्यानिवास मिश्र
(c) श्री विद्यापति
(d) श्री विद्याधर तिवारी।

2. 'आँगन का पंछी' हिन्दी साहित्य की किस विधा में लिखा गया है— (भोपाल 2024; जबलपुर 24)
(a) आलेख (b) कहानी (c) उपन्यास (d) निबंध।

3. श्री विद्यानिवास मिश्र जी का उपनाम क्या है— (उज्जैन 2024)
(a) अतुलानन्द (b) मुक्तानन्द (c) भ्रमरानन्द (d) मुकुलानन्द।

4. श्री विद्यानिवास मिश्र कैसे निबंधकार हैं— (ग्वालियर 2024; इन्दौर 24)
(a) ललित निबंध
(b) व्यंग्य निबंध
(c) समीक्षा निबंध
(d) आलेख निबंध।

5. श्री विद्यानिवास मिश्र निबंधकार के अतिरिक्त क्या हैं—
(a) उपन्यासकार (b) कहानीकार (c) कवि (d) कथाकार।

6. श्री विद्यानिवास मिश्र जी ने ललित निबंध लेखन का प्रारम्भ कब से किया—
(a) 1965 (b) 1956 (c) 1946 (d) 1968.

7. श्री विद्यानिवास मिश्र का पहला निबंध संग्रह कब प्रकाशित हुआ—
(a) 1976 (b) 1988 (c) 1996 (d) 1980.

8. श्री विद्यानिवास मिश्र जी का जन्म कब हुआ— (जबलपुर 2024)
(a) 30 जनवरी 1930
(b) 28 जनवरी 1926
(c) 22 जनवरी 1928
(d) 20 फरवरी 1930।

9. श्री विद्यानिवास मिश्र जी का जन्म कहाँ हुआ था—
(a) पकडड़ीहा गाँव, गोरखपुर
(b) अमौली, कानपुर
(c) जहनाबाद, कानपुर
(d) शंकरगढ़, इलाहाबाद।

10. श्री विद्यानिवास मिश्र जी ने स्नातकोत्तर की पढ़ाई कहाँ से की थी— (ग्वालियर 2024)
(a) बम्बई (b) मद्रास (c) इलाहाबाद (d) बनारस।

11. श्री विद्यानिवास मिश्र जी किस विश्वविद्यालय के कुलपति रहे—
(a) कैलिफोर्निया
(b) वाशिंगटन विश्वविद्यालय
(c) अमेरिका
(d) सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय एवं काशी विद्यापीठ।

12. श्री विद्यानिवास मिश्र किस समाचार-पत्र के सम्पादक रहे—
(a) टाइम्स ऑफ इण्डिया (b) नवभारत टाइम्स
(c) यंग इण्डिया (d) नर्मदा हेराल्ड।

13. श्री विद्यानिवास मिश्र जी का निधन कब हुआ—
(a) 10 जनवरी, 2000 (b) 14 फरवरी, 2005
(c) 15 मार्च, 2004 (d) 28 अप्रैल, 2010।

14. श्री विद्यानिवास मिश्र किसके मर्मज्ञ थे—
(a) कला एवं भारतीय संस्कृति (b) क्रीड़ा संस्कृति
(c) ग्रामीण संस्कृति (d) प्राच्य संस्कृति।

15. श्री विद्यानिवास मिश्र जी साहित्य की किस प्रमुख विधा के सृजनकार हैं— (उज्जैन 2024; छतरपुर 24)
(a) ललित निबंध (b) नाटककार (c) ग्रंथकार (d) चुटकुलाकार।

16. गाँव में कहा जाता है जिस घर में गौरैया अपना घोंसला नहीं बनाती वह क्या हो जाता है—
(a) आश्रम (b) चिड़ियाघर (c) निवेश (d) अस्पताल।

17. गौरैया का ढीठ होकर चहचहाना किसका प्रतीक है— (उज्जैन 2024)
(a) निर्भय उच्छृंखलता (b) उजदृढ़ता (c) स्वच्छंदता (d) स्वतंत्रता।

18. बहुत कम आँगन में क्या मिलते हैं—
(a) गुलाब (b) गेंदा (c) कमल (d) गुड़हल।

19. गौरैया में किसकी विशेषता नहीं है—
(a) रूप रंग (b) सुनहरा (c) कुरूपता (d) उल्लासिता।

20. गौरैया मारना क्या समझा जाता है—
(a) साहस (b) वीरता (c) महापाप (d) दुःसाहस।

21. सैनिक क्या लेकर गौरैया का शिकार करने गये—
(a) हथियार (b) बन्दूक (c) तलवार (d) कटार।

22. अभियान की सफाई के लिए क्या किया गया—
(a) कविताओं को याद क़िया (b) गाना गाया
(c) सफाई (d) बुनाई।

23. आँगन के पंछी पाठ में कविताओं को क्यों याद किया गया—
(a) अभियान की सफाई के लिए (b) अभियान की बुराई के लिए
(c) अभियान को बढ़ाने के लिए (d) अभियान को जीतने के लिए।

24. हमारे देश में कैसे लोग हैं—
(a) सयाने (b) बौने (c) सोने (d) खाने।

25. चीन में गौरैया के साथ कौन-सा बदला लिया जा रहा है — (जबलपुर 2024)
(a) हिटलरशाही (b) नादिरशाही (c) मालवी (d) पाश्विक।

26. 'आँगन का पंछी' कैसा निबंध है — (जबलपुर 2024)
(a) ललित निबंध (b) ऐतिहासिक (c) राजनैतिक (d) इनमें से कोई नहीं

27. श्री विद्यानिवास मिश्र को भारत सरकार से सम्मान प्राप्त हुआ — (जबलपुर 2024)
(a) पद्मश्री (b) पद्म भूषण
(c) पद्मश्री एवं पद्म भूषण (d) पद्म विभूषण।

28. 'आँगन का पंछी' रचना कौन-सी भाषा में लिखी है — (भोपाल 2024; ग्वालियर 24)
(a) संस्कृत में (b) अंग्रेजी में (c) मराठी में (d) हिन्दी में।

29. आँगन में कौन-सा पौधा उगाया जाता है — (भोपाल 2024)
(a) नीम (b) बबूल (c) तुलसी (d) चंदन।

30. आँगन में बच्चों की किलकारियों की तुलना किस आवाज से की गई है —(ग्वालियर 2024)
(a) गौरैया की आवाज से (b) रोने की आवाज से
(c) कौए की आवाज से (d) तोते की आवाज से।

31. 'आँगन के पंछी' पाठ में लेखक ने गौरैया की तुलना किस पौधे से की है — (ग्वालियर 2024; भोपाल 24; इन्दौर 24; छतरपुर 24)
(a) गेंदा (b) तुलसी (c) गुलाब (d) चमेली।

32. गौरैया, पक्षियों में क्या है — (इन्दौर 2024)
(a) ब्राह्मण (b) वैश्य (c) क्षत्रिय (d) शूद्र।

33. किस देश ने गौरैया को मारने का अभियान चलाया था — (इन्दौर 2024)
(a) भारत (b) चीन (c) जापान (d) श्रीलंका।

34. 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध संग्रह है— (इन्दौर 2024; छतरपुर 24)
(a) विद्या निवास मिश्र (b) भवानी प्रसाद मिश्र
(c) ऊषा प्रियंवदा (d) तुलसीदास।

35. 'आँगन का पंछी' नामक निबंध में किस पक्षी की चर्चा की गई है — (छतरपुर 2024)
(a) गलगल (b) गौरैया (c) तोता (d) मयूर।

36. आँगन का पंछी कौन है — (इन्दौर 2024)
(a) कबूतर (b) तोता (c) मैना (d) गौरैया।

37. श्री विद्यानिवास मिश्र को भारत सरकार ने किस सन् में पद्म भूषण से सम्मानित किया— (उज्जैन 2024)
(a) सन् 1996 (b) सन् 1986 (c) सन् 1999 (d) सन् 1989.

38. श्री विद्यानिवास मिश्र के आलोचनात्मक ग्रंथों में निम्न शामिल नहीं है— (उज्जैन 2024)
(a) कबीर वचनामृत (b) रहीम रचनावली
(c) किसे पुकारुँ (d) रसखान ग्रंथावली।

39. किस पक्षी को मारना महापाप समझा जाता है— (उज्जैन 2024)
(a) गौरैया (b) कौआ (c) कबूतर (d) उपर्युक्त सभी।

40. साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में भारत सरकार ने श्री विद्यानिवास मिश्र को पद्म भूषण कब प्रदान किया— (छतरपुर 2024)
(a) सन् 2000 (b) सन् 1999 (c) सन् 1998 (d) सन् 1982.

उत्तर— 1. (b), 2. (d), 3. (c), 4. (a), 5. (c), 6. (b), 7. (a), 8. (b), 9. (a), 10. (c), 11. (d), 12. (b), 13. (b), 14. (a), 15. (a), 16. (c), 17. (a), 18. (c), 19. (a), 20. (c), 21. (b), 22. (a), 23. (a), 24. (a), 25. (b), 26. (a), 27. (c), 28. (d), 29. (c), 30. (a), 31. (b), 32. (a), 33. (b), 34. (a), 35. (b), 36. (d), 37. (c), 38. (c), 39. (a), 40. (b).

2. आत्मकथा के अंश (सत्य के प्रयोग)

— महात्मा गाँधी

महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न 1. गाँधी जी को चर्चिल ने किस नाम से पुकारा था ?

उत्तर— गाँधी जी को चर्चिल ने अर्द्ध नग्न फकीर के नाम से पुकारा था।

प्रश्न 2. सत्य के प्रयोग पुस्तक में गाँधी जी ने क्या लिखा है ?

उत्तर— सत्य के प्रयोग पुस्तक में गाँधी जी ने अपनी आत्मकथा को लिखा है।

प्रश्न 3. गाँधी जी को बचपन से ही राम नाम जपने की प्रेरणा किसने और क्यों दी ?

(उज्जैन 2018; छतरपुर 18; इन्दौर 18)

उत्तर— गाँधी जी को बचपन में भूत-प्रेत का डर सताता था। उस डर को खत्म करने के लिए उनकी धायरम्भा ने उन्हें समझाया था कि भूत-प्रेत से जब भी डर लगे तो राम नाम का जप करो क्योंकि राम नाम दवा है। गाँधी जी कहते थे कि मुझे राम नाम से भी ज्यादा श्रद्धा रम्भा पर थी। इसलिये बचपन में भूत प्रेतादि के भय से बचने के लिये मैंने राम नाम जपना शुरू किया। यह जाप बहुत समय नहीं चला पर बचपन में जो बीज बोया गया वह नष्ट नहीं हुआ। आज राम नाम मेरे लिये अमोघ शक्ति है। मैं मानता हूँ कि उसके मूल में रम्भाबाई का बोया हुआ बीज है।

प्रश्न 4. विलायत जाने पर गाँधी जी ने माँ के समक्ष क्या प्रतिज्ञा की थी ?

(जबलपुर 2018; ग्वालियर 18; इन्दौर 18)

उत्तर— विलायत जाने पर गाँधी जी ने अपनी माता जी के समक्ष तीन प्रतिज्ञाएँ की थी। मांस, मदिरा और स्त्री संग से दूर रहना। विलायत जाने पर माता जी ने सारी पूछताछ शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि विलायत जाकर नौजवान बिगड़ जाते हैं। इसलिए मेरी माँ ने प्रतिज्ञा दिलवायी कि मांस, मदिरा और स्त्री संग से दूर रहना है।

प्रश्न 5. गाँधी जी दूसरों की पट्टी में देखकर चोरी करने को उचित क्यों नहीं मानते थे ?

उत्तर— महात्मा गाँधी जी का सम्पूर्ण जीवन ही सत्य के मार्ग में चलकर सत्य और अहिंसा को परम धर्म मानता रहा। सत्य के बीज जन्म से ही दृष्टिगोचर रहे। गाँधी जी दूसरे लड़कों की पट्टी में देखकर चोरी करने को उचित नहीं मानते थे, क्योंकि उनका मानना था कि शिक्षक तो यह देख रहे हैं कि हम एक-दूसरे की पट्टी में देखकर चोरी न करें और यदि हम ऐसा करते हैं तो यह गलत होगा। इससे संबंधित वे हाई स्कूल की एक घटना का उल्लेख करते हैं।

प्रश्न 6. सभ्य कहलाने के लिये गाँधी जी ने विलायत में क्या-क्या प्रयत्न किये ?

(जबलपुर 2018; भोपाल 18; छतरपुर 18)

उत्तर— सभ्य कहलाने के लिये गाँधी जी ने विलायत में पोशाक के साथ-साथ नृत्य, भाषण कला एवं वायलीन बजाना सीखना आरंभ किया। वे कहते हैं कि मैंने सभ्यता के लिये सामर्थ्य से पक्का रास्ता अपनाने का रास्ता पकड़ा। विलायती होने पर भी बाम्बे के कपड़े अंग्रेज समाज में पसंद नहीं किये जायेंगे। इस विचार से आर्मी एवं नेवी स्टोर में कपड़े सिलवाये। टाई-बाँधने की कला सीखी। बालों में पट्टी डालकर सीधी माँग निकालने में रोज वक्त बर्बाद होता था। तो मैं बैठे-बैठे माँग पर हाथ फिराकर बालों को व्यवस्थित करने की कोशिश में लगा रहता था और मैंने विलायत में रहकर सभ्य समाज में अपनी सभ्यता प्रेषित करने के लिये अनेक प्रयास किये जो मुझे वहाँ पर स्थापित करता है।

प्रश्न 7. विलायत में सादा जीवन बिताने से गाँधी जी को व्यक्तिगत रूप से क्या लाभ हुआ ?

(उज्जैन 2018; भोपाल 18)

उत्तर— विलायत में सादा जीवन बिताने से गाँधी जी को व्यक्तिगत रूप से अनेक फायदे हुए। उन्होंने अपने जीवन में सादगी लाने के लिये अनेक प्रयास किये। वे कहते हैं कि विलायत में सादगी अपनाने के लिये मैंने अनुभव किया कि मेरे कुटुम्ब की गरीबी के अनुरूप मेरा जीवन सत्य नहीं है। ये लोग हर महीने 18 पौण्ड 08 पौण्ड खर्च करते थे। उन्हें छात्रवृत्तियाँ मिलती थीं और लोकार की कोको की सस्ती दुकान में दो पैनी का कोको और पैनी खाकर गुजारा करता था। वे कहते हैं कि उससे स्पर्धा करने की शक्ति मुझमें बिल्कुल भी नहीं थी। मैंने अनुभव किया कि दो कमरे के बदले एक कमरे में रहा जा सकता है और आधी रसोई खुद भी पका सकता हूँ। मैंने इफ्ते की 8 शिलिंग पर एक कमरा किराये से लिया और अंगीठी खरीद कर सुबह का भोजन खुद बनाना आरंभ किया। दोपहर का भोजन बाहर करता था। शाम को फिर कोको बनाकर रोटी के साथ खा लेता था। इस तरह मैं एक से सवा शिलिंग में भोजन की व्यवस्था करना सीख गया था। इस तरह गाँधी जी ने सादा जीवन बिताने से व्यक्तिगत रूप से स्वयं पर निर्भर रहना, समय एवं पैसों की बचत करना सीखा।

प्रश्न 8. महात्मा गाँधी का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

(भोपाल 2022)

उत्तर— महात्मा गाँधी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गाँधी था। आपका जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को गुजरात के पोरबन्दर में हुआ था। आपके पिता का नाम करमचंद गाँधी था जो ब्रिटिश राज्य के समय काठियावाड़ में एक छोटी-सी रियासत के दीवान थे। महात्मा गाँधी का विवाह मात्र 13 वर्ष की आयु में कस्तूरबा गाँधी के साथ हुआ था। महात्मा गाँधी जी जीवन के अंतिम साँसों तक देश हित के कार्यों के लिये समर्पित थे। भारत को स्वतंत्र कराने में आपका महत्वपूर्ण योगदान था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व भी आपने किया। आप कई बार जेल भी गये। पारिवारिक जीवन के साथ राजनीतिक जीवन भी आपका महत्वपूर्ण था। आप विलायत भी पढ़ने गये किन्तु देश में स्वेदशी आंदोलन के अग्रणी थे।

प्रश्न 9. महात्मा गाँधी ने अपनी आत्मकथा लिखने के संबंध में क्या समस्यायें बतायी ?

(उज्जैन 2022)

उत्तर— महात्मा गाँधी को अपनी आत्मकथा लिखने के संबंध में अनेक मानसिक अन्तर्द्वन्द्व एवं मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ा। आपने अपनी आत्मकथा को "सत्य के प्रयोग" नाम से प्रकाशित किया। पहले यह गुजराती भाषा में 1925 से 1929 तक उनकी पत्रिका नवजीवन में साप्ताहिक किश्तों में प्रकाशित हुई थी।

प्रश्न 10. बाल विवाह के विषय में गाँधी जी ने किन-किन कुरीतियों की ओर संकेत किया ? वर्णन कीजिये।

(ग्वालियर 2018, 22; इन्दौर 18)

उत्तर— (1) बाल विवाह के विषय में गाँधी जी ने धन और समय की बर्बादी की ओर संकेत किया। वे कहते हैं कि हिन्दुओं में विवाह परम्परा एक ऐसी परम्परा या रीति है जिसमें कन्या एवं वर के माता-पिता कई बार बर्बाद हो जाते हैं, अर्थात् धन व समय खर्च करते हैं।

(2) जाति भोज में पकवानों की कतार लगवा दी जाती है। कुल मिलाकर इन परम्पराओं में ये बाल (बच्चे) जो विवाह का अर्थ सिर्फ नये कपड़े, पकवानों से निकालते हैं। उनके विवाह में पानी की तरह पैसा बहाया जाता है।

प्रश्न 11. गाँधी जी ने अन्नाहार से होने वाले जिन लाभों का उल्लेख किया है उन्हें सार रूप में बतायें।

(भोपाल 2018; उज्जैन 18)

उत्तर— गाँधी जी ने अन्नाहार से होने वाले जिन लाभों का उल्लेख किया है। वे कहते हैं कि मनुष्य को पशु-पक्षियों पर सत्ता प्राप्त हुई है। वह उन्हें मारकर खाने के लिये नहीं बल्कि उनकी रक्षा करने के लिये हैं। गाँधी जी कहते हैं कि कई लोगों ने मुझे आहार में मांस, अण्डा और दूध का त्याग करने का सुझाव दिया। कुछ समय के पश्चात् वैधयक की दृष्टि से मिर्च-मसालों का त्याग करना सुझाया। मैंने मिर्च-मसालों के अभाव में उबली सब्जी खाने का प्रयास किया। बाद मे मुझे उबली सब्जी में भी स्वाद मिलने लगा। गाँधी जी कहते हैं कि मैं ये समझ चुका था कि उन्हीं वस्तुओं का सेवन करना चाहिए जो शरीर को चलाने के लिये आवश्यक हैं। गाँधी जी ने अपने आहार में साधारण अन्नाहार को अपनाया। आर्थिक और आरोग्य की दृष्टि से उनके प्रयोग सफल रहे।

प्रश्न 12. सत्य के पुजारी के लिये मौन का महत्व क्या है ? समझाइये।
(ग्वालियर 2011; भोपाल 18; जबलपुर 18; छिन्दवाड़ा 22)

अथवा

सत्य के प्रयोग क्या हैं ? इस शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिये। (इन्दौर 2022)

उत्तर—सत्य के पुजारी के लिये मौन का अत्यंत महत्व है। मौन रहना उनके लिये कैसे सुखकर हुआ वे इसके लिये कहते हैं—मैं कह सकता हूँ कि मेरा यह शर्मीला स्वभाव दक्षिण अफ्रीका पहुँचने पर बिल्कुल दूर हो गया। ऐसा तो आज भी नहीं कहा जा सकता बोलते समय सोचना तो पड़ता ही है। नये समाज के सामने बोलते हुए मैं सकुचाता हूँ बोलने से बचा जा सके तो जरूर बच जाता हूँ और यह स्थिति तो आज भी नहीं कि मित्र मण्डली के बीच बैठा होने पर कोई खास बात कर ही सकूँ। अन्यथा बात करने की इच्छा होती हो अपने इस शर्मीले स्वभाव के कारण मेरी फजीहत तो हुई पर कोई नुकसान नहीं हुआ। बल्कि अब तो मैं देख सकता हूँ कि मुझे फायदा हुआ है। पहले बोलने का यह संकोच मेरे लिये दुःखकर था। मैं कह सकता हूँ कि मेरा स्वभाव अत्यंत शर्मीला था। लेकिन दक्षिण अफ्रीका पहुँचने के बाद मेरा संकोच जाता रहा लेकिन कुछ संकोच बाकी भी था। मुझे मौन रहना ज्यादा अच्छा लगने लगा। कई बार कम बोलने वाला व्यक्ति उतनी हास्यास्पद स्थितियों को निर्मित नहीं करता जितना अधिक बोलने वाला व्यक्ति करता है। वे कहते हैं कि मौन कई बार हमें अनेक संकटों से बचाता भी है और सत्य के पुजारी के लिये मौन का महत्व भी अधिक है। मैंने किस प्रकार अन्य चीजों में मितव्यता सीखी उसी प्रकार शब्दों में भी मितव्यता का प्रयोग किया। इसलिये कई बार मैं अनेक संकटों से बच भी गया।

प्रश्न 13. "सत्य और अहिंसा" के विषय में गाँधी जी के विचारों को संक्षेप में बताइये।
(रीवा 2018; उज्जैन 18; जबलपुर 18; भोपाल 20)

उत्तर—"सत्य और अहिंसा" के विषय में गाँधी जी के विचार हमें सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने के लिये प्रेरित करते हैं वे कहते हैं कि व्यापक सत्य नारायण के प्रत्यक्ष दर्शन के लिये जीव मात्र के प्रति आत्मवत् प्रेम की परम आवश्यकता है और जो मनुष्य ऐसा करना चाहता है वह जीवन के किसी भी क्षेत्र से बाहर नहीं रह सकता। यही कारण है कि सत्य की मेरी पूजा मुझे राजनीति में खींच लायी है। जो मनुष्य यह कहता है कि धर्म का राजनीति के साथ कोई संबंध नहीं है वह धर्म को नहीं जानता ऐसा कहने में मुझे संकोच नहीं और न ऐसा कहने में अविनय करता हूँ।

सत्य ही अंहिसा का जन्म आत्मशुद्धि से होता है। उनका मानना है कि ये सत्य भी है जब हृदय में प्राणी मात्र के लिये दया और प्रेम उमड़ता है तब एक जीव दूसरे जीव को जीवन देने की इच्छा रखता है ना कि हिंसा की तभी उपजती है अहिंसा। प्राणी मात्र के लिये प्रेम का उदय ही अहिंसा के मार्ग पर ले जाता है। पवित्र आत्मा ही प्रेम से परिपूर्ण होती है और वही सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चला सकती है।

प्रश्न 14. गाँधी जी ने जीवमात्र के एक्य के लिये आत्मशुद्धि को प्रधानता क्यों दी है ? स्पष्ट करें।
(ग्वालियर 2018)

उत्तर—आत्मशुद्धि के लिये बिना जीव मात्र से एक ही साधना संभव नहीं है। बिना आत्मशुद्धि के जीवों से एक्य साधा नहीं जा सकता। अशुद्ध आत्मा परमात्मा के दर्शन नहीं कर सकती। व्यक्तिगत प्रयत्न करने की शक्ति सत्यनारायण ने मुझे जन्म से दी है। वे कहते हैं कि मैं प्रतिक्षण यह अनुभव करता हूँ कि शुद्धि का यह मार्ग अत्यंत कठिन है। जीव मात्र से एक्य स्थापित करना। आत्म शुद्धि को प्रेषित करता है। यदि आपकी आत्म शुद्धि और परिपक्व होती तो आपको सम्पूर्ण प्रकृति से प्रेम होगा और बिना आत्मा की शुद्धि के यह संभव नहीं है। इसलिये आत्माशुद्धि की प्रधानता आवश्यक है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. महात्मा गाँधी जी का पूरा नाम क्या था— (भोपाल 2024)
(a) पुरुषोत्तम गाँधी
(b) मोहनदास करमचन्द गाँधी
(c) किशोरीलाल गाँधी
(d) महावीर गाँधी।

2. महात्मा गाँधी जी को राम नाम जपने की प्रेरणा किसने दी थी— (इन्दौर 2024)
(a) माता-पिता ने
(b) धाय रम्भा ने
(c) मित्रों ने
(d) पुत्रों ने।

3. महात्मा गाँधी जी ने अपना जीवन किस मार्ग में चलाया था—
(a) सत्य के मार्ग
(b) असत्य के मार्ग
(c) विवेक के मार्ग
(d) अविवेक के मार्ग।

4. गाँधी जी के संस्कृत शिक्षक का नाम क्या था— (छिन्दवाड़ा 2022; उज्जैन 24)
(a) श्री नारायण गुप्त लाघा महाराज
(b) पं. मदन मोहन
(c) कृष्ण शंकर
(d) भावजी दवे।

5. मोहनदास करमचन्द गाँधी जी को किस उपाधि से अलंकृत किया गया था— (उज्जैन 2022; ग्वालियर 24)
(a) पुण्यात्मा
(b) दानी
(c) महावीर
(d) महात्मा।

6. महात्मा गाँधी जी का जन्म कहाँ हुआ था— (भोपाल 2022, 24; ग्वालियर 24)
(a) अहमदाबाद
(b) पोरबंदर
(c) सूरत
(d) वड़ोदरा।

7. सत्य के प्रयोग में प्रयुक्त गद्य विधा है— (इन्दौर 2022)
(a) जीवनी
(b) आत्मकथा
(c) यात्रा संस्मरण
(d) निबंध।

8. गाँधी जी के मतानुसार किस गुण के बिना मुक्ति नहीं मिलती है— (छतरपुर 2024)
(a) सत्य के बिना
(b) मंत्र जाप के बिना
(c) नम्रता के बिना
(d) भीतर छिपे हुए विकारों को जीतने के बिना।

9. गाँधी जी को किस भाषा में सीखने में रस आया— (जबलपुर 2024; इन्दौर 24)
(a) गुजराती
(b) हिन्दी
(c) संस्कृत
(d) अंग्रेजी।

10. गाँधी जी ने विवाह को लेकर किस प्रकार की निजी हानि होने की चर्चा की है—
(a) एक साल व्यर्थ हो गया
(b) पढ़ाई छूट गई
(c) पढ़ाई में मन नहीं लगा
(d) पिताजी की सेवा नहीं कर पाया

11. किस नाटक को देखकर गाँधीजी ने बचपन में ही सत्य पालन करने का निश्चय किया था—
(a) श्रवण पितृ भक्ति नाटक
(b) भक्त प्रहलाद
(c) हरिशचन्द्र
(d) अमरपुत्र ध्रुव।

12. पिताजी के द्वारा क्रय की गई किस पुस्तक पर गाँधी जी की दृष्टि बचपन में पड़ी थी— (भोपाल 2024 ; उज्जैन 24)
(a) रामायण
(b) गीता
(c) श्रवण पितृ भक्ति नाटक
(d) श्रीमद्भागवत पुराण।

13. गाँधी जी ने सत्य के प्रयोग आत्मकथा कब से प्रारंभ किया—
(a) 18 अक्टूबर, 1928
(b) 29 नवम्बर, 1925
(c) 10 दिसम्बर, 1922
(d) 28 दिसम्बर, 1925।

14. सत्य के प्रयोग आत्मकथा लेखन कब पूर्ण हुआ— (उज्जैन 2024)
(a) 3 फरवरी, 1929
(b) 28 जनवरी, 1930
(c) 10 मार्च, 1932
(d) 20 अप्रैल, 1922।

15. गाँधी जी के अनुसार हमारे जीवन का प्राण तत्व क्या है—
(a) असत्य (b) सत्य (c) लिप्सा (d) लालसा।

16. गाँधी जी ने सत्य के प्रयोग पुस्तक का क्या नाम रखा—
(a) परमात्मा (b) आत्मा (c) आत्मकथा (d) लघुकथा।

17. गाँधी जी के अनुसार सत्य तक पहुँचने के लिए क्या आवश्यक है—
(a) अहिंसा (b) आत्मनिर्भरता (c) आत्मज्ञान (d) अनुनय।

18. गाँधी जी के सत्य के प्रयोग पुस्तक के आधार पर सत्य व प्रेम से किसे जीता जा सकता है—
(a) जग को (b) जंगल को (c) जमीन को (d) जमाने को।

19. हमें कर्तव्य, सत्य व भावना को कहाँ अपनाना चाहिए—
(a) जीवन में (b) दुनिया में (c) संसार में (d) ब्रह्माण्ड में।

20. सत्य कितने प्रकार का होता है—
(a) पाँच (b) छः (c) सात (d) दो।

21. दो प्रकार के सत्य कौन-कौन से हैं—
(a) व्यावहारिक-वास्तविक (b) प्रायोगिक-अप्रायोगिक
(c) चलन-प्रचलन (d) चमकदार-अचमकदार।

22. सत्य के प्रयोग किसकी रचना है— **(भोपाल 2024)**
(a) जवाहरलाल नेहरू (b) सुभाषचन्द्र बोस
(c) महात्मा गाँधी (d) सरदार वल्लभभाई पटेल।

23. महात्मा गाँधी जी का निधन कब हुआ—
(a) 5 जनवरी, 1920 (b) 12 जनवरी, 1938
(c) 13 मार्च, 1946 (d) 30 जनवरी, 1948।

24. महात्मा गाँधी जी की हत्या किसने की थी— **(ग्वालियर 2024)**
(a) नाथूराम गोडसे (b) साधुराम (c) आशाराम (d) सीताराम।

25. महात्मा गाँधी जी की हत्या कैसे की गई—
(a) तलवार से (b) बम से (c) गोली मारकर (d) पटककर।

26. गाँधी जी की हत्या के दिन को क्या कहा जाता है— **(उज्जैन 2024)**
(a) शहीद दिवस (b) शौर्य दिवस (c) स्मृति दिवस (d) स्मरण दिवस।

27. शहीद दिवस कब मनाया जाता है—
(a) 30 जनवरी (b) 28 फरवरी (c) 20 मार्च (d) 2 अक्टूबर।

28. गाँधी जी का बचपन में उपनाम क्या था—
(a) सोनिया (b) मोनिया (c) रोनिया (d) डोनिया।

29. गाँधी जी को महात्मा की उपाधि किसने दी थी— **(इन्दौर 2024)**
(a) रविन्द्रनाथ टैगोर (b) सुमित्रानन्दन पंत
(c) स्वामी स्वरूपानन्द जी (d) स्वामी नित्यानन्द जी।

30. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गाँधी जी के जन्म दिवस को किस नाम से मनाया जाता है—
(a) अन्तर्राष्ट्रीय शौर्य दिवस (b) अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस
(c) अन्तर्राष्ट्रीय खेल दिवस (d) अन्तर्राष्ट्रीय अंधमूक दिवस।

31. महात्मा गाँधी की आत्मकथा पुस्तक का नाम है— **(जबलपुर 2024; इन्दौर 24; ग्वालियर 24)**
(a) मेरी आत्मकथा (b) सत्य के साथ मेरे प्रयोग
(c) रामराज्य (d) भारत एक खोज।

32. विवाह के समय गाँधी जी की उम्र कितनी थी— **(जबलपुर 2024)**
(a) 11 साल (b) 13 साल (c) 16 साल (d) 18 साल।

33. गाँधी जी ने मैट्रिक की परीक्षा कब पास की थी— **(जबलपुर 2024)**
(a) 1869 में (b) 1885 में (c) 1887 में (d) 1991 में।

34. महात्मा गाँधी का जन्म कब हुआ— **(भोपाल 2024)**
(a) 2 अक्टूबर, 1869 (b) 2 नवम्बर, 1860
(c) 2 दिसम्बर, 1855 (d) 2 जनवरी, 1850.

35. महात्मा गाँधी के राजनीतिक गुरु थे— **(भोपाल 2024)**
(a) सरदार वल्लभ भाई पटेल (b) गोपाल कृष्ण गोखले
(c) रामकृष्ण परमहंस (d) रवीन्द्रनाथ टैगोर।

36. महात्मा गाँधी जी की माँ का नाम था— **(छतरपुर 2024)**
(a) कस्तूरबा बाई (b) पुतली बाई (c) तुलसा बाई (d) मोती बाई।

37. साबरमती आश्रम किस राज्य में है— **(ग्वालियर 2024)**
(a) गुजरात में (b) महाराष्ट्र में
(c) मध्यप्रदेश में (d) उत्तरप्रदेश में।

38. महात्मा गाँधी जी द्वारा विलायत जाने से पहले माँ के समक्ष ली तीन प्रतिज्ञाओं में से कौन शामिल नहीं है— **(छतरपुर 2024)**
(a) सिनेमा हॉल न जाना (b) माँस न खाना
(c) मदिरा न पीना (d) स्त्री सत्संग से दूर रहना।

39. "..... साल की उम्र में मेरा विवाह हुआ था।" गाँधीजी इसी अनुभव से वे बाल विवाह के पक्षधर नहीं रहे। खाली स्थान भरें— **(छतरपुर 2024)**
(a) बारह (b) तेरह (c) सोलह (d) ग्यारह।

40. महात्मा गाँधी को राष्ट्रपिता किसने कहा— **(ग्वालियर 2024)**
(a) जवाहरलाल नेहरू (b) सुभाषचन्द्र बोस
(c) बाल गंगाधर तिलक (d) रवीन्द्रनाथ टैगोर।

41. गाँधी जी को आत्मकथा लिखने की प्रेरणा किसने दी— **(इन्दौर 2024)**
(a) जयसिंह (b) जयराम दास
(c) जमना दास (d) इनमें से कोई नहीं।

42. महात्मा गाँधी के दर्शन से प्रभावित थे— **(उज्जैन 2024)**
(a) पं. श्यामा प्रसाद मिश्र (b) पं. रविशंकर शुक्ल
(c) पं. भवानी प्रसाद मिश्र (d) पं जवाहरलाल नेहरू।

43. गाँधी जी द्वारा रचित पहली पुस्तक का नाम है— **(उज्जैन 2024)**
(a) हिन्दू स्वराज (b) सत्य के प्रयोग
(c) मेरे सपनों का भारत (d) गीता।

उत्तर— 1. (b), 2. (b), 3. (a), 4. (a), 5. (d), 6. (b), 7. (b), 8. (c), 9. (c), 10. (a), 11. (c), 12. (d), 13. (b), 14. (a), 15. (b), 16. (c), 17. (a), 18. (a), 19. (a), 20. (d), 21. (a), 22. (b), 23. (d), 24. (a), 25. (c), 26. (a), 27. (a), 28. (b), 29. (a), 30. (b), 31. (b), 32. (b), 33. (c), 34. (a), 35. (b), 36. (b), 37. (a), 38. (a), 39. (b), 40. (b), 41. (d), 42. (d), 43. (b).

3. विश्व के प्रमुख धर्म

हिन्दू धर्म के नैतिक प्रतिमान

— डॉ. प्रेमभारती, डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल

महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न 1. हिन्दू धर्म की विशेषतायें लिखिये।

उत्तर—हिन्दू धर्म की प्रमुख विशेषतायें हैं—

(1) हिन्दू धर्म सत्य, अहिंसा, श्रद्धा, विश्वास, प्रेम, क्षमा को विशेष स्थान देता है।

(2) मातृ शक्ति का सम्मान, नारी की पूजा अर्चना, दैवीय शक्ति का महत्वपूर्ण स्थान है।

(3) समाज सेवा को विशेष महत्व।

(4) जीवन में नैतिकता को महत्व।

प्रश्न 2. हिन्दू धर्म बहुआयामी एवं अनेक पद्धतियों से परिपूर्ण है। लिखिए।

उत्तर—हिन्दू धर्म में प्रेम, श्रद्धा, क्षमा, नैतिकता, मातृशक्ति का सम्मान आदि अनेक संस्कारित संस्कार समाहित होते हैं। हिन्दू धर्म बहुआयामी है। जीव के जन्म से लेकर मरण तक विभिन्न सोपानों, विभिन्न संस्कारों की पद्धतियों से पूरिपूर्ण रहता है। हिन्दू धर्म चल-अचल, प्रत्येक जीव वनस्पति, भूमण्डल में स्थित प्रत्येक कण का सम्मान करता है। प्रत्येक की क्रियाविधि के संचालन को विभिन्न सोपानों में बाँधता है।

प्रश्न 3. धर्म क्या है ? समझाइये। **(जबलपुर 2016, 17; इन्दौर 17)**

अथवा

धर्म क्या है ? धर्म का अर्थ स्पष्ट करते हुए धर्म की प्रमुख विशेषतायें लिखिये। (उज्जैन 2022)

उत्तर—धर्म जीवन को संस्कारित करता है। नियम अनुशासन से जीवन जीने की कला भी धर्म से ही प्राप्त होती है। भारत के प्रमुख प्राचीन धर्म—हिन्दू धर्म, जैन धर्म, बौद्ध धर्म, मसीही धर्म, सिक्ख धर्म, इस्लाम धर्म। इन सभी धर्मों का मूल मंत्र एक है।

विशेषतायें—धर्म की प्रमुख विशेषतायें निम्न हैं—

(1) प्रत्येक धर्म जीव को जीवन जीने की कला का ज्ञान देता है।

(2) धर्म संस्कृति को जीवंत रखने की शिक्षा देता है।

(3) धर्म जीवन के नैतिक मूल्यों को अनुशासित करने के लिये अभिप्रेरित करता है।

(4) धर्म जीवन की चेतना को जाग्रत करता है।

(5) धर्म सत्य, अहिंसा, पाप-पुण्य को परिभाषित करता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. नैतिकता का प्रमुख गुण क्या है— **(रीवा 2017, 22; जबलपुर 22, 24; छतरपुर; 22)**

(a) आत्मगत गुण (b) वस्तु गुण (c) धर्मगत गुण (d) भावगत गुण।

2. हिन्दू धर्म के प्रमुख सिद्धान्त हैं— **(जबलपुर 2024)**

(a) पुरुषार्थ (b) आश्रम व्यवस्था (c) ऋण (d) उपरोक्त सभी।

3. कर्मवाद के प्रमुख सिद्धान्त हैं— **(जबलपुर 2024)**

(a) कर्ता को फल प्राप्त होना (b) भोगों को भोगना

(c) कर्मफल की इच्छा न करना (d) कर्तव्य का पालन करना।

4. हिन्दू धर्म को एक अन्य नाम से भी जाना जाता है— **(ग्वालियर 2024)**

(a) वैदिक धर्म (b) बौद्ध धर्म (c) निरग्रंथ (d) निर्गुण धर्म।

5. हिन्दू धर्म में जीवन में किसे महत्व दिया जाता है— **(उज्जैन 2024)**

(a) नैतिकता (b) अनैतिकता (c) साहस (d) धीरता।

6. सत्य, अहिंसा, श्रद्धा, विश्वास, प्रेम, क्षमा का किस धर्म में विशेष महत्व है—(भोपाल 2024)

(a) मुस्लिम धर्म (b) हिन्दू धर्म

(c) विश्व धर्म (d) सर्वधर्म।

7. हिन्दू धर्म सभा को कैसा गुण मानता है—

(a) दैवीय (b) राक्षसी (c) दैत्यी (d) दुर्गणीय।

8. मातृशक्ति का सम्मान, नारी की पूजा-अर्चना, दैवीय शक्ति का महत्वपूर्ण स्थान किस धर्म में है—

(a) हिन्दू (b) इस्लाम (c) इमाम (d) सिन्धु।

9. हिन्दू धर्म के अनुसार श्रद्धा से क्या आशय होता है—

(a) आदर, विश्वास, निष्ठा (b) क्रोध, कुंठा

(c) रौद्र स्वरूप (d) घुटन।

10. धर्म में नैतिकता कैसे कार्य करती है— **(ग्वालियर 2024; उज्जैन 24)**

(a) बंधन से (b) सेतू (c) केतू (d) धूमकेतू।

11. इनमें से हिन्दू धर्म का पुरुषार्थ है— **(भोपाल 2024)**

(a) धर्म (b) अर्थ (c) काम (d) उपर्युक्त सभी।

12. हिन्दू नाम का उद्गम किस नदी से माना जाता है— **(भोपाल 2024)**

(a) गंगा (b) यमुना (c) सिन्धु (d) ब्रह्मपुत्र।

13. "..... के बिना अहिंसा धर्म का पालन सर्वथा असंभव है"— **(छतरपुर 2024)**

(a) आत्म शुद्धि (b) विचार शुद्धि (c) भाव शुद्धि (d) मन शुद्धि।

14. धर्म का शाब्दिक अर्थ है— **(छतरपुर 2024)**

(a) धीरज रखना (b) धारण करना

(c) मंदिर जाना (d) अनुष्ठान करना।

15. हिन्दू धर्म में वर्णित आश्रमों की संख्या है— **(छतरपुर 2024)**

(a) छः (b) चार (c) आठ (d) दो।

16. हिन्दू धर्म के अनुसार व्यक्ति पर कौन-सा ऋण अधिरोपित नहीं होता है— **(छतरपुर 2024)**

(a) पितृ ऋण (b) ऋषि ऋण (c) मातृ ऋण (d) देव ऋण।

17. हिन्दू धर्म के प्रमुख सिद्धांतों में नहीं है— **(उज्जैन 2024)**

(a) आश्रम व्यवस्था (b) परिग्रह (c) ऋण (d) पुरुषार्थ।

उत्तर—1. (a), 2. (d), 3. (c), 4. (a), 5. (a), 6. (b), 7. (a), 8. (a), 9. (a), 10. (b), 11. (d), 12. (c), 13. (a), 14. (b), 15. (b), 16. (c), 17. (b).

जैन धर्म में नैतिकता और पर्यावरण

—डॉ. आनंद कुमार सिंह, डॉ. कपूरमल जैन

महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न 1. जिन शब्द का क्या अभिप्राय है ?

उत्तर—जिन शब्द का आशय है समस्त इन्द्रियों को जीत लेना। जिन्होंने अपने श्रम और कठोर तप से देवत्व ज्ञान को प्राप्त किया। उनकी ध्यान साधना इतनी गहरी थी कि उन्होंने उसके प्रभाव से अपने पूर्व जन्मों के समस्त कर्म बन्धनों को काट दिया और जिन कहलाये। जिससे इस धर्म का नाम जैन धर्म हुआ।

प्रश्न 2. जैन धर्म शाकाहार को क्यों महत्व देता है ?

उत्तर—भगवान महावीर जी ने पृथ्वी को भी एक केन्द्रीय जीव कहा है। इसलिए पृथ्वी की रक्षा भी तभी कर पायेंगे जब हम इसके प्रति भी अहिंसा की भावना रखेंगे। यही कारण है कि जैन धर्मावलम्बी पूर्णतः शाकाहारी होते हैं।

प्रश्न 3. जैन धर्म में कौन-कौन से पाँच महाव्रत बनाये गये हैं ?

उत्तर—सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य।

प्रश्न 4. जैन धर्म की विशेषतायें लिखिये।

उत्तर—**विशेषताएँ**— (1) जैन धर्म समस्त इन्द्रियों के जीत लेने पर विशेष बल देता है।

(2) जिन शब्द का आशय समस्त इन्द्रियों की जीत है। इसलिये इस धर्म का नाम जिन से जैन पड़ा।

(3) जैन धर्म में शाकाहार का विशेष स्थान है।

(4) जियो और जीने दो की परिकल्पना भी जैन धर्म में साकार होती है।

(5) जैन धर्म में सत्य, अहिंसा परमोधर्म को माना जाता है।

(6) जैन धर्म में अपरिग्रह आदि का विशेष महत्व है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. महावीर के चिन्तन में तीन महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है—

(a) सत्य (b) ब्रह्मचर्य (c) अस्तेय (d) अनेकान्तवाद।

2. पंचायतों में से कौन-से व्रत के शेष चार व्रत अनुवर्ती हैं—

(a) अहिंसा और अपरिग्रह (b) सत्य

(c) ब्रह्मचर्य (d) उपरोक्त सभी।

3. परस्परोग्रहों जीवनम् कहकर किस तत्व का निर्वाचन किया गया है—

(a) जीवन की परस्पर निर्भरता (b) प्रकृति के सभी अंगों की जैविक एकता

(c) जीव-जगत की एकता (d) पर्यावरण विज्ञान।

4. समस्त इन्द्रियों को जो जीत लेता है, उसे क्या कहा जाता है— (ग्वालियर 2024)

(a) ब्रह्मचारी (b) दैत्य (c) सत्यवादी (d) जिन।

5. जिन्होंने अपने पूर्व जन्म के कर्म बन्धनों को काट दिया उसे क्या कहा गया—

(a) जिन (b) मिन (c) सिन (d) टिन।

6. जिन के द्वारा किस धर्म का नामकरण हुआ—

(a) सिक्ख धर्म (b) बौद्ध धर्म (c) जैन धर्म (d) हिन्दू धर्म।

7. जैन धर्म किस आहार पर अधिक बल देता है—

(a) मांसाहार (b) शाकाहार (c) पश्चिमाहार (d) उत्तरीय आहार।

8. वस्तुओं और निजी स्वार्थ के संग्रह को क्या कहा जाता है—

(a) अपरिग्रह (b) संग्रह (c) परिग्रह (d) अतिसंग्रह।

9. सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य ये पाँच किस धर्म के महाव्रत हैं— (भोपाल 2024)

(a) हिन्दू (b) जैन (c) सिक्ख (d) सिन्धु।

10. जियो और जीने दो किस धर्म का ध्येय वाक्य है—

(a) जैन धर्म (b) बौद्ध धर्म (c) गुरु धर्म (d) सर्वधर्म।

11. जब वस्तुओं का संग्रह नहीं किया जाता तो उसे क्या कहा जाता है—

(a) परिग्रह (b) अपरिग्रह (c) फैलाना (d) जोड़ना।

12. समस्त इन्द्रियों को जीत लेने के लिए कौन-सा धर्म सीख देता है—

(a) जैन (b) ईसाई (c) पारसी (d) इस्लाम।

13. जैन धर्म के प्रवर्त्तक हैं— (जबलपुर 2024)

(a) कबीर (b) नानक (c) महावीर स्वामी (d) ईसा मसीह।

14. महावीर स्वामी जैन धर्म के कौन-से तीर्थंकर थे— (जबलपुर 2024)

(a) आठवें (b) सोलहवें (c) चौबीसवें (d) छत्तीसवें।

15. श्वेताम्बर और दिगम्बर किस धर्म के सम्प्रदाय हैं— (ग्वालियर 2024)

(a) बौद्ध धर्म के (b) जैन धर्म के

(c) फारसी धर्म के (d) सिक्ख धर्म के।

16. जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकरों में अंतिम कौन थे— (इन्दौर 2024)

(a) पार्श्वनाथ (b) ऋषभदेव

(c) महावीर स्वामी (d) भद्रबाहु।

17. परिग्रह का अर्थ होता है— (उज्जैन 2024)

(a) निज स्वार्थ के लिए संग्रह (b) दूसरों के लिए त्याग

(c) राष्ट्र भक्ति (d) दूसरों के लिए करुणा।

18. जैन शब्द बना है— (उज्जैन 2024)

(a) सिन से (b) जिन से (c) मिन से (d) देव से।

उत्तर—1. (d), 2. (d), 3. (b), 4. (b), 5. (a), 6. (c), 7. (b), 8. (c), 9. (b), 10. (a), 11. (b), 12. (a), 13. (c), 14. (c), 15. (b), 16. (c), 17. (a), 18. (b).

बौद्ध धर्म में नैतिक मूल्य

— डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शाक्य, डॉ. के. पी. पंडा

महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न 1. बौद्ध धर्म के चार आर्य सत्य क्या हैं ?

उत्तर—बौद्ध धर्म के चार आर्य सत्य निम्न हैं—

(1) दुःख—प्रथम आर्य सत्य दुःख है। संसार दुःखमय है। यह संसार दुःख से पूर्ण है। जन्म, जरा, बिमारी एवं मृत्यु अप्रिय का संयोग एवं मित्र का वियोग दुःख है।

(2) दुःख समुदाय—इन दुःखों का है इन समस्त दुःखों की उत्पत्ति किन्हीं कारणों से होती है। इच्छा, अभिलाषा, लालसा, बौद्ध की भाषा में तृष्णा ही समस्त दुःखों का कारण है। तृष्णा से ही समस्त दुःखों की उत्पत्ति होती है।

(3) दुःख निरोध (निर्वाण)—इन: दुखों का निरोध किया जा सकता है। इन दुःखों का कारण इच्छा, अभिलाषा, लालसा या तृष्णा है। इनका त्याग कर देने से दुःख समाप्त हो जाता है।

(4) दुःख निरोग मार्ग—दुःखों को त्याग करने का मार्ग है। इस मार्ग को आर्य अष्टांगिक मार्ग कहते हैं।

प्रश्न 2. बौद्ध पंचशील सिद्धान्त का नैतिक स्वरूप समझाइये।

उत्तर—बौद्ध पंचशील सिद्धान्त आज के समाज को सम्यक् दिशा प्रदत्त में पूर्णत: समर्थ है। विश्वबन्धुत्व एवं विश्व प्रेम का एकमात्र सम्यक साधन है। यह विश्व शांति एवं सद्भाव के लिये एक ओर उपयोगी है तो दूसरी ओर जन सामान्य एवं भिक्षु सभी के लिये उपयोगी है। पंचशील का तात्पर्य, अहिंसा, सत्यवादिता, ब्रम्हचर्य, चोरी न करना एवं मद्यपान का निषेध से है। ये सिद्धान्त बौद्ध पंचशील सिद्धान्त के नैतिक स्वरूप में माने जाते हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. बुद्ध की शिक्षाओं का सार किसमें निहित है— (जबलपुर 2024)
(a) संघ में (b) धम्मपद में (c) चार आर्य सत्यों में (d) उपरोक्त सभी।

2. बुद्ध ने दुःख निरोध के कितने मार्ग बताए हैं— (रीवा 2017; जबलपुर 24)
(a) चार (b) छः (c) आठ (d) इनमें से कोई नहीं।

3. पंचशील का सम्बन्ध है— (उज्जैन 2024; भोपाल 24; जबलपुर 24)
(a) बौद्ध धर्म से (b) हिन्दू धर्म से (c) ईसाई धर्म से (d) इनमें से कोई नहीं।

4. बौद्ध धर्म में कितने आर्य सत्य हैं—
(a) दस (b) बारह (c) चार (d) आठ।

5. पंचशील सिद्धान्त किस धर्म में है— (जबलपुर 2024)
(a) बौद्ध (b) इस्लाम (c) ईसाई (d) हिन्दू।

6. बौद्ध धर्म में सबसे अधिक बल किसमें दिया गया है—
(a) जल पीने में (b) मद्य निषेध (c) गद्य निषेध (d) रस निषेध।

7. परिवार के प्रति नैतिक समाचार किस धर्म की प्रधानता है—
(a) बौद्ध धर्म (b) सिक्ख धर्म (c) ईसाई धर्म (d) कुल धर्म।

8. बौद्ध धर्म के अनुसार कौन-सा सिद्धान्त प्रसिद्ध है—
(a) क्षमाशील (b) पंचशील (c) षटशील (d) मंचशील।

9. बौद्ध मत के अनुसार समस्त दुःखों का क्या कारण है—
(a) तृष्णा (b) ईर्ष्या (c) वैमनस्य (d) कृष्णा।

10. बौद्ध धर्म में किसका महत्व है—
(a) चार आर्य सत्य मानवतावादी दृष्टि (b) छः आर्य सत्य विकलांगतावादी दृष्टि
(c) दस आर्य सत्य निक्रिष्टावादी दृष्टि (d) बारह आर्य सत्य उत्कृष्टतावादी दृष्टि।

11. बौद्ध धर्म में किसके प्रति नैतिक कर्तव्य समझाए हैं—
(a) समाज (b) परिवार (c) देश (d) विदेश।

12. दुःखों को त्याग करने का मार्ग है—
(a) दुःख निरोग मार्ग (b) दुःख निषेध मार्ग
(c) सुख निरोग मार्ग (d) सुख निषेध मार्ग।

13. त्रिपिटक किस धर्म से सम्बन्धित है— (ग्वालियर 2024; भोपाल 24)
(a) बौद्ध धर्म से (b) हिन्दू धर्म से (c) ईसाई धर्म से (d) इनमें से कोई नहीं।

14. लुम्बिनी किस धर्म का धर्म स्थल है— (इन्दौर 2024)
(a) जैन धर्म का (b) बौद्ध धर्म का (c) ईसाई धर्म का (d) हिन्दू धर्म का।

15. पंचव्रतों में शामिल नहीं है— (छतरपुर 2024)
(a) करुणा (b) अहिंसा (c) सत्य (d) ब्रह्मचर्य।

16. महात्मा बुद्ध ने दुःख निवारण के लिए कितने सिद्धांत बतलाये हैं— (छतरपुर 2024)
(a) पाँच (b) बारह (c) आठ (d) चार।

17. त्रिपिटक किस धर्म का प्रमुख है— (भोपाल 2024)
(a) बौद्ध धर्म (b) जैन धर्म (c) ईसाई धर्म (d) इस्लाम धर्म।

उत्तर— 1. (b), 2. (a), 3. (a), 4. (c), 5. (a), 6. (b), 7. (a), 8. (b), 9. (a), 10. (a), 11. (b), 12. (a), 13. (a), 14. (b), 15. (a), 16. (d), 17. (a).

सिक्ख धर्म में नैतिक मूल्य

— डॉ. एस. के. ठाकुर

महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न 1. सिक्ख धर्म के प्रमुख उद्देश्यों को लिखिये।

उत्तर—सिक्ख धर्म के अनेक सम्प्रदाय हैं—जैसे नामधारी, निर्मल अकाली, सुथराशाही, भगतपंथी, गुलाबदाली सेवापंथी, खालसा, निरंकारी सम्प्रदाय जिनके उद्देश्य लगभग एक समान हैं। जैसे—मानवता, विश्व बंधुत्व, सहिष्णुता एवं दयाभाव में विश्वास करना सभी ईश्वर के वन्दे हैं कोई छोटा या बड़ा नहीं है।

प्रश्न 2. गुरुनानक जी के रूहानी उपदेश क्या हैं ?

उत्तर—गुरुनानक जी के मुख्य रूहानी उपदेश —

(1) नामजपो—प्रभो जी हमारे जीवन और प्राणों का दाता है उसे प्यार से याद करो और हमेशा उसकी स्तुति करो।

(2) वंद्रछ हो —सबके साथ मिलजुलकर खाओ जरुरतमंदों की सेवा और मदद करो।

प्रश्न 3. गुरुनानक जी के आने से भारत के लोगों में क्या परिवर्तन आया ?

उत्तर—गुरुनानक जी के आने से भारत के लोगों में सच्ची भावना उमड़ी। गुरुनानक जी के आने से पहले लोग सच्ची कहानियाँ या सच्ची धार्मिकता को भूलकर निर्जीव कर्मकाण्डों के प्रति प्रेपित थे। गुरुनानक जी ने सच्ची भक्ति के द्वारा सच्ची मुक्ति का मार्ग सुझाया। भारत के लोगों में जीव कल्याण की भावना उत्पन्न हुई। कर्म काण्डों की झूठी भूलभूलैया से निकलकर परमेश्वर प्राप्ति का सच्चा मार्ग भक्ति बताया यही परिवर्तन भारत के लोगों में आया।

प्रश्न 4. गुरुनानक जी ने अंत में समूह संसार को क्या उपदेश दिए हैं ?

उत्तर—गुरुनानक जी ने अंत में समूह संसार को यह उपदेश दिया है कि परमात्मा केवल एक ही है उसकी नजर में स्त्री और पुरुष समान हैं। मनुष्य द्वारा इस संसार में किए गये नेक कर्म इक हलाल की कमाई से किया हुआ दान, पुण्य और सरल तथा निर्मल मन से की गई जरुरतमंदों की सेवा ही इंसान के साथ जाती है बाकि सब मिथ्या है।

प्रश्न 5. गुरुनानक देव जी ने प्रभु तक पहुँचने का कौन-सा सरल मार्ग बताया है ?

उत्तर—गुरुनानक जी ने सेवा कीर्तन सत्संग के द्वारा प्रभु तक पहुँचने का सरल मार्ग बताया है। इस बात पर जोर दिया है कि गृहस्थ जीवन में रहकर सांसारिक मोहमाया से ऊपर उठकर प्रभु की सच्ची भक्ति की जा सकती है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. गुरुनानक जी द्वारा प्रारम्भ किये गये लंगर का उद्देश्य निम्न में से कौन-सा नहीं है—
(a) समानता (b) नम्रता (c) मातृभाव (d) भेदभाव।

2. गुरुनानक जी की कहानी उपदेशों में वंडछकों का आशय है—
(a) परमात्मा नामों का स्मरण
(b) स्त्री-पुरुष की समानता में विश्वास
(c) मिल-जुलकर खाना और जरूरतमंदों की सेवा करना
(d) आजीविका ईमानदारी से कमाना।

3. सिक्ख धर्म में जाति-पाँति तथा अमीरी-गरीबी का भेदभाव भुलाकर एक ही पंक्ति में बैठकर भोजन करने को कहते हैं— (छतरपुर 2024)
(a) पंगत (b) संगत (c) भण्डारा (d) लंगर।

4. गुरुनानक जी ने कितनी महत्वपूर्ण प्रथाओं की शुरुआत की थी—
(a) दो (b) सात (c) दस (d) पन्द्रह।

5. गुरुनानक जी ने कौन-सी दो महत्वपूर्ण प्रथाओं का शुभारम्भ किया—
(a) लंगर और सेवा (b) पंगत और भोज
(c) ब्रह्म भोज एवं संगत (d) पशु भोजन एवं सेवा।

6. गुरुनानक जी स्त्री-पुरुष की किस पर विश्वास करते थे—
(a) समानता (b) असमानता
(c) वैमनस्यता (d) इनमें से कोई नहीं।

7. गुरुनानक जी प्रभु के नाम के लिये क्या कहते थे—
(a) प्रभु नाम गुणों (b) प्रभु नाम जपो
(c) प्रभु नाम सुनो (d) प्रभु नाम देखो।

8. सबके साथ मिल-जुल खाओ और जरुरतमंदों की सेवा, मदद करो को गुरुनानक जी क्या कहते हैं—
(a) वंडछको (b) दण्डछको (c) अंडछको (d) इनमें से कोई नहीं।

9. गुरुनानक जी के अनुसार जगत में परमात्मा कितना है— (उज्जैन 2024)
(a) दस (b) आठ (c) छः (d) एक।

10. सिक्ख धर्म के अनुसार मानव में क्या नहीं है—
(a) कोई छोटा-बड़ा नहीं (b) कोई अंधा-गूंगा नहीं
(c) कोई बहरा-लंगड़ा नहीं (d) इनमें से कोई नहीं।

11. सिक्ख धर्म के कितने सम्प्रदाय हैं—
(a) अनंत (b) अनेक
(c) अंतः (d) इनमें से कोई नहीं।

12. सिक्ख धर्म के अनुसार राजा-महाराजाओं की जननी कौन है— (उज्जैन 2024)
(a) स्त्री (b) पृथ्वी (c) सृष्टि (d) दृष्टि।

13. सिक्ख धर्म का पवित्र धर्मग्रन्थ कौन-सा है— (जबलपुर 2024)
(a) गुरुवाणी (b) शब्द कीर्तन
(c) कबीर वाणी (d) गुरु ग्रन्थ साहब।

14. सिक्ख धर्म में गुरु परम्परा के तहत् कितने गुरु हुए हैं— (जबलपुर 2024)
(a) दो (b) आठ (c) दस (d) सात।

15. गुरुद्वारे के भोजन वितरण व्यवस्था को क्या कहते हैं— (ग्वालियर 2024)
(a) लंगर (b) भण्डारा (c) सहभोज (d) पंगत।

16. दुःखों से दूर होने का मार्ग है— (उज्जैन 2024)
(a) दुःख निरोग मार्ग (b) दुःख निषेध मार्ग
(c) सुख निरोग मार्ग (d) सुख निषेध मार्ग।

17. वंदछ का अर्थ है— (उज्जैन 2024)
(a) भजन (वंदना/स्तुति) (b) नाम स्मरण
(c) मिलजुल कर खाना और सेवादारी (d) ईमानदारी।

उत्तर— 1. (d), 2. (c), 3. (d), 4. (a), 5. (a), 6. (a), 7. (b), 8. (a), 9. (d), 10. (a), 11. (b), 12. (a), 13. (d), 14. (c), 15. (a), 16. (b), 17. (a).

ईसाई धर्म में नैतिक मूल्य

— हैरिस दीपक वॉल्टर, जॉम्स एम. जे.

महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न 1. मसीही धर्म का प्रथम उद्देश्य क्या है ?

उत्तर—मसीही धर्म का एकमात्र प्रथम उद्देश्य है ईश्वर के गुणों को अपने चरित्र एवं व्यवहार से प्रकट करें। इस धर्म का प्रथम प्रमुख उद्देश्य है मानवीय समानता और एकता। यीशु के जन्म के साथ एक नवीन सोच का प्रादुर्भाव हुआ। मसीही धर्म ने जीवन दर्शन को साधारण शब्दों में प्रकट किया है।

प्रश्न 2. यीशु ने अपने संदेशों के माध्यम से मानवीय सोच में किस महत्वपूर्ण परिवर्तन को रेखांकित किया है ?

उत्तर—यीशु ने अपने संदेशों के माध्यम से रेखांकित किया है कि नश्वर संसार की सुन्दरता उसके विभाजन में नहीं बल्कि उसकी एकता में और उसकी समानता में निहित है उन्होंने समाज के पतित, तिरष्कृत और बहिष्कृत व्यक्तियों को सभ्य समाज का अभिन्न अंग बना दिया। नैतिकता के अभाव में सभ्य समाज की कल्पना एक कपोल कल्पना है। यीशु की शिक्षाओं का केन्द्र ईश्वरीय प्रेम और समानता है। यीशु ने अपने संदेशों में मानवता, क्षमाशीलता आदि गुणों को रेखांकित किया है।

प्रश्न 3. यीशु के अनुसार देश के प्रति मनुष्य का क्या कर्त्तव्य है ?

उत्तर—यीशु के अनुसार देश के कानून का सख्ती से पालन करना मनुष्य का प्रमुख कर्त्तव्य होना चाहिए। सरकार के प्रति नागरिक के कर्त्तव्यों को प्राथमिकता दी। यीशु ने ईश्वरीय और राजकीय कानूनों का पालन करने का आदेश दिया। आदेश दिया कि शासकों एवं न्यायाधीशों का सम्मान करो। यीशु ने धार्मिक, सामाजिक और राष्ट्रीय कर्त्तव्यों का समानता से पालन करने को मनुष्यों का प्रमुख कर्त्तव्य बताया।

प्रश्न 4. नैतिक धर्म का मूल उद्देश्य कर्त्ता के अन्दर निहित होता है। इस कथन का क्या आशय है?

उत्तर—नैतिक धर्म का मूल उद्देश्य कर्त्ता के अन्दर निहित होता है। यही कारण है कि यह किसी कार्य को करने का मूल तत्व उसे करने वाले की भावना पर निर्भर रहता है। किसी कार्य के नैतिक रूप से सही होने के लिए उसकी भावना का सही होना आवश्यक है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. मसीही धर्म के अनुसार अपने मूल उद्देश्यों से क्यों भटक गया— (जबलपुर 2024)
(a) धर्मान्धता के कारण (b) पुण्य लोभ के कारण
(c) पाप के कारण (d) धनार्जन के कारण।

2. यीशु के अनुसार सबसे बड़ा दान कौन-सा है— (ग्वालियर 2024; जबलपुर 24)
(a) धन दान (b) क्षमा दान (c) विद्यादान (d) श्रमदान।

3. यीशु की दृष्टि से सच्चे मसीही का क्या होना नितांत आवश्यक है—
(a) अच्छा नागरिक (b) शिक्षित होना (c) धनवान होना (d) दानवीर होना।

4. मसीही धर्म के प्रवर्तक कौन हैं— (ग्वालियर 2024)
(a) प्रभु कृष्ण (b) प्रभु ईशु (c) श्री विष्णु (d) श्री शंकर।

5. मसीही धर्म का प्रमुख उद्देश्य क्या है—
(a) मानवीय समानता और एकता (b) मानवीय असमानता
(c) अनेकता एवं एकता (d) इनमें से कोई नहीं।

6. यीशु ने अपने महत्वपूर्ण संदेश से क्या किया—
(a) महत्वपूर्ण परिवर्तन (b) संकषर्णन (c) आवर्तन (d) परावर्तन।

7. यीशु ने अपने संदेशों में किस महत्वपूर्ण परिवर्तन को रेखांकित किया है—
(a) अमानवीय सोच (b) मानवीय सोच (c) अकल्पनीय सोच (d) संकल्पशील सोच

8. मसीही धर्म में क्या महत्वपूर्ण है—
(a) नैतिकता (b) एकता (c) सामंजस्यता (d) समरसता।

9. नैतिक कर्म का मूल उद्देश्य कहाँ निहित होता है—
(a) कर्ता के अन्दर (b) कुर्ता के अन्दर (c) घर के अन्दर (d) दुकान के अन्दर।

10. यीशु ने मनुष्य मात्र को क्या प्रदान किया—
(a) नूतन अभिप्राय (b) नूतन दर्शन (c) नूतन विकर्षणन (d) इनमें से सभी।

11. पारसियों का प्रमुख धर्म ग्रंथ है— (जबलपुर 2024)
(a) कुरान (b) गुरु ग्रंथ साहब (c) जेंद अवेस्ता (d) इनमें से कोई नहीं।

12. पारसी धर्म का जीवन ग्रंथ है— (इन्दौर 2024)
(a) कुरान (b) बाइबिल (c) जेंद अवेस्ता (d) वेद।

13. दुनिया में किस धर्म को मानने वाले सर्वाधिक है— (उज्जैन 2024)
(a) ईसाई धर्म (b) हिन्दू धर्म (c) बुद्ध धर्म (d) मुस्लिम धर्म।

उत्तर— 1. (c), 2. (b), 3. (a), 4. (b), 5. (a), 6. (a), 7. (b), 8. (a), 9. (a), 10. (b), 11. (c), 12. (c), 13. (a).

इस्लाम धर्म में नैतिक मूल्य

— डॉ. नुसरत महदी

महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न 1. तौहीद किसे कहते हैं ? समझाइये।

उत्तर—तौहीद का अर्थ है साक्षी होना, गवाही देना। इस्लाम में इसका अर्थ फारसी घोषणा से है—ला इलाहा इल्लल्लाह मुहमदुर्रसूलल्लाह, अर्थात् अल्लाह के सिवा कोई और परमेश्वर नहीं और मुहम्मद उसके रसूल (दूत) है। इस घोषणा के अनुसार प्रत्येक मुसलमान एकेश्वरवाद और मुहम्मद साहब के रसूल होने के अपने विश्वास को गवाही देता है। यह इस्लाम का सबसे प्रमुख सिद्धान्त है। इसका पालन अनिवार्य है। ईश्वर सर्वशक्तिमान, सर्वज्ञ और सर्वव्यापी है। यह ज्ञान प्राप्त होते ही व्यक्ति पाप कर्मों से बचने लगता है।

प्रश्न 2. इस्लाम धर्म का प्रमुख सिद्धान्त क्या है ?

उत्तर—इस्लाम का अर्थ है, अल्लाह के आदेश के समक्ष शीश झुकाना। इस्लाम एकेश्वरवाद को मानता है। ईश्वर एक है एवं सृष्टि में केवल वही उपासना के योग्य है। हर वस्तु जड़, चेतन, दृश्य एवं अदृश्य, ईश्वर की इच्छा के आगे आत्म-समर्पित है। मुहम्मद साहब ने ही मुसलमानों को इस्लाम के आधारभूत सिद्धान्तों की शिक्षा दी है। यह शिक्षा कुरान पर आधारित है। इस्लाम धर्म के पाँच प्रमुख सिद्धान्त हैं—

(1) तौहीद, (2) नमाज, (3) रोजा, (4) हज, (5) जकात। ये सभी सिद्धान्त श्रेष्ठ नैतिक मूल्यों पर आधारित हैं। इनका पालन करने से निश्चित रूप से एक सच्चे मुसलमान के चरित्र का निर्माण होता है।

प्रश्न 3. नमाज पढ़ने का सबसे बड़ा दर्शन क्या है ?

उत्तर—नमाज पढ़ने का सबसे बड़ा दर्शन ईश्वर स्मरण है। एक सच्चा मुसलमान सुख में, दुख में, आराम में, विपत्ति में, जटिल-से-जटिल परिस्थितियों में ईश्वर को याद रखता है और कभी भी उसके प्रति शंका अथवा अविश्वास का भाव मन में नहीं आने देता है। प्रत्येक परिस्थिति में ईश्वर का शुक्र करना उसका धर्म है। नमाज किये हुए पापों की स्वीकारोक्ति, पश्चाताप और भविष्य में उनसे बचने हेतु प्रेरित करती है। नमाज उर्दू में फारसी शब्द सलाब का पर्याय है।

प्रश्न 4. इस्लाम धर्म के पाँच बुनियादी उसूल बताइये।

उत्तर—इस्लाम धर्म के पाँच बुनियादी उसूल निम्न हैं—

(1) तौहीद—तौहीद का अर्थ है साक्षी होना, गवाही देना।

(2) नमाज—नमाज का अर्थ है दुआ करना। कुरान में सलात शब्द बार-बार आता है।

(3) रोजा—रोजा अर्थात् उपवास। इस्लाम पंचांग का नौवाँ मास नवाज है। इस पूरे माह मुस्लिम समुदाय का प्रत्येक व्यक्ति स्त्री-पुरुष बच्चे सभी उपवास रखते हैं।

(4) जकात—इस्लाम के पवित्र ग्रंथ कुरान के अनुसार प्रत्येक मुसलमान को वर्ष में एक बार आय का कुछ भाग गरीबों और जरुरतमंदों को दान करना चाहिए। इस दान को जकात कहते हैं। जकात अदा करने से समाज के वंचित वर्ग को सहायता, आर्थिक रूप से सम्पन्न लोगों के धन का समान वितरण एवं उसका सदुपयोग हो जाता है।

(5) हज—हज एक इस्लामी तीर्थ यात्रा है। यह मुस्लिम लोगों के पवित्र शहर मक्का में प्रतिवर्ष होने वाला विश्व का सबसे बड़ा सम्मेलन है। हज मुसलमानों का महत्वपूर्ण धार्मिक कर्त्तव्य है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. इस्लाम धर्म के महत्वपूर्ण स्तम्भ हैं— (जबलपुर 2024; भोपाल 24)
(a) नमाज (b) रोजा (c) हज (d) उपर्युक्त सभी।

2. जकात शब्द का मूल अर्थ है—
(a) दान (b) धन का समान वितरण
(c) मानसिक शांति (d) वंचित वर्ग को सहायता।

3. इस्लामी पंचांग में रमजान का माह कहलाता है— (उज्जैन 2024)
(a) नौवाँ मास (b) दसवाँ मास
(c) ग्यारहवाँ मास (d) सोलहवाँ मास।

4. तौहीद का अर्थ होता है—
(a) गाली देना (b) साक्षी देना (c) देखना (d) घूमना।

5. अल्लाह के सिवा कोई और नहीं है—
(a) परमेश्वर (b) सोमेश्वर
(c) दंडेश्वर (d) भुवनेश्वर।

6. ईश्वर सर्वशक्तिमान, सर्वज्ञ और सर्वव्यापी है। यह ज्ञान प्राप्त होते ही व्यक्ति किससे बचता है—
(a) पुण्य कर्म (b) पाप कर्म (c) सुख कर्म (d) दुःख कर्म।

7. अल्लाह के आदेश के समक्ष शीश झुकाना का अर्थ है—
(a) रतलाम (b) इस्लाम (c) शुफलाम (d) सुखदाम।

8. इस्लाम किसको मानता है—
(a) एकेश्वरवाद (b) सोमेश्वरवाद
(c) दुखेश्वरवाद (d) सुखेश्वरवाद।

9. इस्लाम धर्म के प्रमुख धर्म कितने हैं—
(a) दस (b) पन्द्रह (c) पाँच (d) पच्चीस।

10. तौहीद, नमाज, रोजा, हज, जकात किस धर्म के सिद्धान्त हैं—
(a) इस्लाम धर्म (b) हिन्दू धर्म (c) सिक्ख धर्म (d) जैन धर्म।

11. रोजा का अर्थ है— (ग्वालियर 2024)
(a) उपवास (b) भजन (c) गीत-गायन (d) भजन-गायन।

(ग्वालियर 2024)

12. इस्लाम में हज का क्या अर्थ है—

(a) विदेश यात्रा (b) शव यात्रा (c) तीर्थ यात्रा (d) रेल यात्रा।

(इन्दौर 2024)

13. 'दीन ए इलाही' धर्म शुरू किया था—

(a) बाबर ने (b) अकबर ने (c) हुमायूँ ने (d) शाहजहाँ ने।

(इन्दौर 2024)

14. सूफी शब्द का अर्थ होता है—

(a) उदार (b) पवित्र (c) धार्मिक (d) फकीर।

(छतरपुर 2024)

15. इस्लाम धर्म में रमजान के महीने में रखे जाने वाले व्रत का नाम है—

(a) तौहीद (b) रोजा (c) जकात (d) हज।

(जबलपुर 2024)

16. इस्लाम धर्म के प्रमुख प्रवर्तक हैं—

(a) हजरत मोहम्मद साहब (b) रसखान

(c) गुरुनानक (d) अमरदास।

उत्तर— 1. (d), 2. (d), 3. (a), 4. (b), 5. (a), 6. (b), 7. (b), 8. (a), 9. (c), 10. (a), 11. (a), 12. (c), 13. (b), 14. (d), 15. (b), 16. (a).

●●

इकाई 3

1. वाक्य रचना एवं अशुद्धि शोधन

वाक्य रचना

महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न 1. वाक्य क्या है ?

उत्तर—शब्दों के समूह को वाक्य कहते हैं। मन के विचारों की अभिव्यक्ति वाक्य के माध्यम से होती है।

प्रश्न 2. मानसिक विचारों का सम्प्रेषण किसके माध्यम से होता है ?

उत्तर— मानसिक विचारों का सम्प्रेषण वाक्य के माध्यम से होता है।

प्रश्न 3. रचना की दृष्टि से वाक्य कितने प्रकार के होते हैं ?

उत्तर— रचना की दृष्टि से वाक्य तीन प्रकार के होते हैं।

प्रश्न 4. रचना के आधार पर वाक्य के तीन प्रकार कौन-कौन से हैं ?

उत्तर— 1. सरल वाक्य, 2. संयुक्त वाक्य, 3. मिश्र वाक्य।

प्रश्न 5. वाक्य के पाँच भाग कौन-से हैं ?

उत्तर— 1. विषय, 2. क्रिया, 3. वस्तु, 4. पूरक, 5. सहायक।

प्रश्न 6. सात प्रकार के वाक्य कौन-से हैं ?

उत्तर—कार्य और रचना के आधार पर वाक्य निम्न प्रकार के होते हैं—

1. घोषणात्मक वाक्य, 2. प्रश्नवाचक वाक्य, 3. विस्मयादिबोधक वाक्य, 4. आज्ञावाचक वाक्य, 5. सरल वाक्य, 6. मिश्रवाक्य, 7. संयुक्तमिश्र वाक्य।

प्रश्न 7. वाक्य की रचना कैसे होती है ? समझाइये।

उत्तर—वह शब्द समूह जिससे पूरी बात समझ में आ जाये वाक्य कहलाता है। दूसरे शब्दों में विचार को पूर्णता से प्रकट करने वाली एक क्रिया से युक्त पद समूह को वाक्य कहते हैं। सरल शब्दों में, सार्थक शब्दों का व्यवस्थित समूह जिससे अपेक्षित अर्थ प्रकट हो वाक्य कहलाता है।

प्रश्न 8. वाक्य किसे कहते हैं ?

उत्तर—**परिभाषा**—वह शब्द समूह जिससे पूरी बात समझ में आ जाये वाक्य कहलाता है। दूसरे शब्दों में, विचार को पूर्णतः से प्रकट करने वाली एक क्रिया से युक्त पद समूह को वाक्य कहते हैं। सरल शब्दों में, सार्थक शब्दों का व्यवस्थित समूह जिससे अपेक्षित अर्थ प्रकट हो वाक्य कहलाता है।

प्रश्न 9. वाक्य के कितने भाग होते हैं ?

उत्तर—वाक्य के दो भाग होते हैं—(1) उद्देश्य, (2) विधेय।

(1) उद्देश्य—वाक्य में जिसके विषय में कुछ कहा जाये उसे उद्देश्य कहते हैं अथवा जिसके बारे में कुछ बताया जाये उसे उद्देश्य कहते हैं।

उद्देश्य के भाग—दो भाग होते हैं—

(1) कर्ता, (2) कर्ता का विशेषण अथवा कर्ता से सम्बन्धित शब्द।

(2) विधेय — उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाता है उसे विधेय कहते हैं। अथवा वाक्य के कर्त्ता को अलग करने के बाद वाक्य में जो कुछ भी शेष रह जाता है वह विधेय कहलाता है।

विधेय के भाग—विधेय के छः भाग हैं—(1) क्रिया, (2) क्रिया का विशेषण, (3) कर्म, (4) कर्म से सम्बन्धित शब्द, (5) पूरक, (6) पूरक के विशेषण।

प्रश्न 10. वाक्य के कितने भेद होते हैं ?

उत्तर—भेद रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद होते हैं—

(1) सरल वाक्य या साधारण वाक्य,

(2) मिश्रित वाक्य,

(3) संयुक्त वाक्य।

अर्थ के आधार पर—अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ प्रकार होते हैं—

(1) सरल वाक्य,

(2) निषेधात्मक वाक्य,

(3) प्रश्न वाचक वाक्य,

(4) आज्ञावाचक वाक्य,

(5) संकेत वाचक वाक्य,

(6) विस्मयबोधक वाक्य,

(7) विधान वाचक वाक्य,

(8) इच्छावाचक वाक्य।

प्रश्न 11. वाक्य के अनिवार्य तत्व कौन-कौन से होते हैं ? वर्णन कीजिए।

उत्तर—वाक्य के अनिवार्य तत्व निम्न होते हैं—

(1) सार्थकता, (2) योग्यता, (3) आकांक्षा, (4) निकटता, (5) पदक्रम, (6) अन्वय।

प्रश्न 12. वाक्य के पाँच तत्व कौन-से हैं ?

उत्तर—वाक्य के पाँच तत्व हैं—

(1) वाक्य तत्व, (2) विषय, (3) क्रिया, (4) वस्तु पूरक, (5) सहायक।

प्रश्न 13. वाक्य गठन के तत्व कितने होते हैं ?

उत्तर—वाक्य गठन में दो प्रकार के तत्व निहित होते हैं—

(1) मुख्य तत्व,

(2) विशेषक तत्व।

मुख्य तत्व दो हैं—
(1) संज्ञा या उद्देश्य,
(2) क्रिया या विधेय।

प्रश्न 14. वाक्य रचना की विशेषतायें बताइये।

उत्तर—वाक्य रचना की विशेषतायें—
(1) वाक्य से कोई-न-कोई भाव अवश्य प्रकट होता है।
(2) वाक्य रचना शब्दों या पद बन्धों के योग से होती है।
(3) वाक्य रचना उद्देश्य तथा विधेय के योग से होती है।
(4) वाक्य के शब्दों के बीच एक निश्चित क्रम होता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. मन के विचारों की अभिव्यक्ति किस माध्यम से होती है—
(a) वाक्य से (b) विचारों से (c) कुविचार से (d) सुविचार से।

2. वाक्य का निर्माण किससे होता है—
(a) शब्दों से (b) वर्ण से (c) पंख से (d) स्वर्ण से।

3. भाषा किस माध्यम से व्यक्त की जाती है—
(a) विचार से (b) वाक्य से (c) समझ से (d) न समझ से।

4. व्याकरणिक रूप से पूर्ण विचार को क्या कहते हैं—
(a) वाक्य (b) अनुवाद (c) सार संक्षेप (d) समीक्षा।

5. वाक्य के एक क्रिया भाग को क्या कहा जाता है—
(a) विषय (b) विभाग (c) विधेय (d) विषयक।

6. रचना की दृष्टि से वाक्य कितने प्रकार के होते हैं— (भोपाल 2024; छतरपुर 24)
(a) तीन प्रकार (b) बीस प्रकार
(c) पच्चीस प्रकार (d) अट्ठाईस प्रकार।

7. अर्थ के आधार पर वाक्य के कितने भेद हैं— (ग्वालियर 2024; भोपाल 24)
(a) चार (b) पचास (c) चालीस (d) चौबीस।

8. किसी भी वाक्य के दो अंग होते हैं—
(a) सार-संक्षेप (b) उद्देश्य और विधेय
(c) प्रस्ताव-प्रस्तावना (d) उद्देश्य और समीक्षा।

9. कार्य और रचना के आधार पर वाक्य कितने प्रकार के होते हैं—
(a) पन्द्रह (b) सात (c) अठारह (d) सत्रह।

10. वाक्य के प्रमुख दो घटक हैं— (भोपाल 2024)
(a) उद्देश्य और विधेय (b) उत्साह और उपकार
(c) उल्लास और उत्साह (d) इनमें से कोई नहीं।

11. लिखित अभिव्यक्ति का संबंध है— (जबलपुर 2024)
(a) वाक्यों से (b) शब्दों से (c) भावों से (d) मात्रा या वर्तनी से।

12. वाक्य रचना के कितने आधार माने जाते हैं— (जबलपुर 2024)
(a) दो (b) तीन (c) चार (d) छः।

13. अर्थ के अनुसार वाक्य भेद का उदाहरण है— (भोपाल 2024)
(a) प्रश्न वाचक (b) विधि वाचक (c) विस्मय वाचक (d) उपर्युक्त सभी।

14. भाषा की सबसे छोटी इकाई है— (इन्दौर 2024)
(a) वर्ण (b) शब्द (c) वाक्य (d) विचार।

15. अर्थ के आधार पर वाक्य के प्रकार हैं— (इन्दौर 2024; छतरपुर 24; उज्जैन 24)
(a) तीन (b) दो (c) आठ (d) सात।

16. ओह! कितना सुंदर दृश्य है। वाक्य है— (इन्दौर 2024; छतरपुर 24)
(a) विस्मयवाचक वाक्य (b) इच्छावाचक वाक्य
(c) प्रश्नवाचक वाक्य (d) विधिसूचक वाक्य।

17. शब्दों के सार्थक व्यवस्थित समूह को कहते हैं— (इन्दौर 2024)
(a) शब्द (b) ध्वनि (c) वाक्य (d) अक्षर।

18. वाक्य के कितने घटक होते हैं— (उज्जैन 2024)
(a) दो (b) चार (c) छः (d) सात।

19. वाक्य में उद्देश्य के कितने भाग होते हैं— (उज्जैन 2024)
(a) चार (b) छः (c) आठ (d) दो।

20. विचारों को मूर्तरूप किसके द्वारा देते हैं— (उज्जैन 2024)
(a) वाक्य से (b) कायिक अभिव्यक्ति से
(c) सुविचार से (d) कुविचार से।

21. वाक्य संरचना में क्या शामिल नहीं होता— (छतरपुर 2024)
(a) उद्देश्य (b) विधेय (c) विधान चिन्ह (d) पदबन्ध।

22. 'भाव्या पढ़ रही है' इस वाक्य में विशेष क्या है— (छतरपुर 2024)
(a) भाव्या (b) पढ़ रही (c) है (d) इनमें से कोई नहीं।

23. 'जो मनुष्य धनवान है उसे सभी चाहते हैं।' यह कैसा वाक्य है— (छतरपुर 2024)
(a) साधारण वाक्य (b) संयुक्त वाक्य
(c) मिश्र वाक्य (d) संदेश सूचक वाक्य।

24. 'पानी बरसा, इसलिए आकाश में इन्द्रधनुष प्रच्छेपित हो गया' यह कैसा वाक्य है— (छतरपुर 2024)
(a) संयुक्त वाक्य (b) मिश्र वाक्य
(c) साधारण वाक्य (d) संकेत वाचक वाक्य।

उत्तर— 1. (a), 2. (a), 3. (b), 4. (a), 5. (a), 6. (a), 7. (a), 8. (b), 9. (b), 10. (a), 11. (d), 12. (b), 13. (d), 14. (a), 15. (c), 16. (a), 17. (c), 18. (a), 19. (d), 20. (a), 21. (c), 22. (b), 23. (b), 24. (d).

अशुद्धि शोधन

महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न 1. साहित्य में अशुद्धि शोधन किसे कहते हैं ?

उत्तर— भाषागत वाक्य, विचारों में वर्ण, वर्तनी, मात्रा की गलतियों को दूर करने को अशुद्धि शोधन कहते हैं। अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करना ही अशुद्धि शोधन है।

प्रश्न 2. अशुद्धि शोधन कितने प्रकार की होती है ?

उत्तर— वर्ण शुद्धिकरण—वर्तनी शुद्धिकरण, मात्रा शुद्धिकरण।
वाक्य शुद्धिकरण—शब्द शुद्धिकरण, उच्चारण शुद्धिकरण।

प्रश्न 3. अशुद्धि किसे कहते हैं ?

उत्तर—वाक्यों में सही शब्दों की जगह उसके ही सदृश्य लगने वाले शब्दों का प्रयोग होने से अर्थ में परिवर्तन हो जाता है। जिससे सम्पूर्ण वाक्य का आशय एवं भाव बदल जाता है। जिसे वाक्य में अशुद्धि कहा जाता है।

प्रश्न 4. वाक्य अशुद्धियाँ किसे कहते हैं ?

उत्तर— वाक्य की रचना में जब अशुद्धियाँ होती हैं, तो उसे वाक्य अशुद्धियाँ कहते हैं।

प्रश्न 5. भाषा में अशुद्धि किसे कहते हैं ?

उत्तर—जब वाक्यों में सही शब्दों की जगह उनके ही सदृश्य लगने वाले शब्दों का प्रयोग अर्थ में परिवर्तन का कारण बन जाता है और यह वाक्य में शब्द अर्थ प्रयोग की अशुद्धि कहलाती है अथवा "किसी भी कार्य को करने में व उस कार्य के करने के बाद उसमें जो गलतियाँ पायी जाती हैं अशुद्धियाँ कहलाती हैं।

प्रश्न 6. अशुद्धियाँ कितने प्रकार की होती हैं ?

उत्तर—हिन्दी भाषा में प्रमुखत: दो प्रकार की अशुद्धियाँ होती हैं—

(1) उच्चारण में अशुद्धियाँ,

(2) लेखन में अशुद्धियाँ—

(i) पूर्ण लोप अशुद्धियाँ,

(ii) आंशिक लोप अशुद्धियाँ।

प्रश्न 7. हिन्दी भाषा में शब्दगत एवं वाक्यगत अशुद्धियाँ क्या हैं ?

उत्तर—हिन्दी भाषा के शब्द एवं वाक्य रचना में गलतियाँ होती हैं। जिससे शब्द अथवा वाक्य का अर्थ बदल जाता है उसे हिन्दी भाषा में शब्दगत अथवा वाक्यगत अशुद्धियाँ कहते हैं।

प्रश्न 8. शब्दों एवं वाक्य की अशुद्धियों का वर्णन कीजिये।

उत्तर—शब्दों से मिलकर ही वाक्य बनते हैं। शब्दों एवं वाक्य में निम्न अशुद्धियाँ होती हैं—

(1) वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि।

(2) शब्द अर्थ प्रयोग की अशुद्धि।

(3) लिंग सम्बन्धी अशुद्धि।

(4) वचन सम्बन्धी अशुद्धि।

(5) पदक्रम सम्बन्धी अशुद्धि।

(6) पुनरावृत्ति की अशुद्धियाँ पुनरक्ति दोष।

वाक्यों में अनेक प्रकार की अशुद्धियाँ होती हैं जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं—वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि शब्द से सम्बन्धित अशुद्धियाँ होती हैं। जब आप वाक्य में कोई शब्द अशुद्ध लिख देते हैं तो वहाँ उस वाक्य में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि हो जाती है जिससे पूरा वाक्य अशुद्ध कहलाता है।

अशुद्ध वाक्य को शुद्ध कीजिये—

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
(1) कुत्ता रेंकता है	कुत्ता भौंकता है।
(2) मुझे सफल होने की निराशा है	मुझे सफल होने की आशा है।
(3) हमेशा शाम को घूमते हैं	हमेशा शाम को टहलते हैं।
(4) भैंस खेत खा गई	भैंस खेत का चारा खा गई
(5) खेत खलिहान पड़े हैं	खेत खलिहान खाली पड़े हैं।

(1) स्वरागम के कारण अशुद्धि—शब्दों में अनावश्यक स्वर उपस्थित होने पर अशुद्धि होती है।

अशुद्ध वर्तनी	शुद्ध वर्तनी
(1) आधीन	अधीन
(2) अभ्यार्थी	अभ्यर्थी
(3) शमसान	श्मसान
(4) वापिस	वापस
(5) द्वारिका	द्वारका।

(2) स्वरलोप अशुद्धि—शब्दों में उचित स्वर के अभाव में यह अशुद्धि होती है।

अशुद्ध वर्तनी	शुद्ध वर्तनी
(1) आखरी	आखिरी
(2) कुटम्ब	कुटुम्ब
(3) जलूस	जुलूस
(4) अगामी	आगामी।

(3) व्यंजनागम के कारण अशुद्धि—शब्द में अनावश्यक व्यंजन के प्रयुक्त होने पर वर्तनी अशुद्धि हो जाती है।

अशुद्ध वर्तनी	शुद्ध वर्तनी
(1) बुद्धवार	बुधवार
(2) सदृश्य	सदृश
(3) समुन्द्र	समुद्र
(4) शुभेच्छुक	शुभेच्छु।

(4) व्यंजनालोप के कारण अशुद्धि—किसी वर्तनी में व्यंजन के न लिखने पर वर्तनी अशुद्ध हो जाती है।

अशुद्ध वर्तनी	शुद्ध वर्तनी
(1) अध्यन	अध्ययन
(2) उमीदवार	उम्मीदवार
(3) व्यंग	व्यंग्य
(4) उत्पन	उत्पन्न।

(5) वर्ण परिवर्तन के कारण अशुद्धि—वर्तनी में किसी वर्ण का क्रम बदलने पर अर्थात् वर्ण का क्रम आगे-पीछे होने पर जो अशुद्धि होती है उसे वर्णक्रम भंग अशुद्धि कहते हैं।

अशुद्ध वर्तनी	शुद्ध वर्तनी
(1) बतक	बतख
(2) जुखाम	जुकाम
(3) संगटन	संगठन
(4) मिष्ठान	मिष्ठान्न
(5) कटहरा	कठहरा।

(6) वर्ण भंग के कारण अशुद्धि—

अशुद्ध	शुद्ध
(1) आनद	आनन्द
(2) अथिति	अतिथि।

(7) पंचम वर्ण अनुस्वार, चन्द्र बिन्दु के कारण अशुद्धि—

अशुद्ध	शुद्ध
(1) चन्चल	चंचल।

(8) रेफ संबंधी अशुद्धि

अशुद्ध	शुद्ध
(1) अर्न्तभाव	अन्तर्भाव
(2) आकर्षर्ण	आकर्षण।

(9) ऋ के स्थान पर र के प्रयोग के कारण अशुद्धि—

अशुद्ध	शुद्ध
(1) सत्रष्टि	सृष्टि
(2) द्रष्टि	दृष्टि।

(10) र के स्थान पर ऋ प्रयोग के कारण अशुद्धि—

अशुद्ध	शुद्ध
(1) बृज	ब्रज
(2) जागृत	जाग्रत।

(11) र के स्थान पर ऋ प्रयोग के कारण अशुद्धि—

अशुद्ध	शुद्ध
(1) सहस्त्र	सहस्र।

(12) संयुक्ताक्षर सम्बन्धी अशुद्धि—

अशुद्ध	शुद्ध
(1) कबबडी	कबड्डी
(2) विध्यालय	विद्यालय।

(13) सन्धि सम्बन्धी अशुद्धि—

अशुद्ध	शुद्ध
(1) उपरोक्त	उपर्युक्त
(2) पुनरोक्ति	पुनरुक्ति।

(14) समास सम्बन्धी अशुद्धि—

अशुद्ध	शुद्ध
(1) नवरात्रि	नवरात्र
(2) दुपहर	दोपहर।

(15) प्रत्यय सम्बन्धी अशुद्धि—

अशुद्ध	शुद्ध
(1) व्यवहारिक	व्यावहारिक।

(16) लिंग सम्बन्धी अशुद्धि—

अशुद्ध	शुद्ध
(1) कवियत्री	कवयित्री
(2) विदुषि	विदुषी।

(17) बहुवचन सम्बन्धी अशुद्धि—

अशुद्ध	शुद्ध
(1) दवाईयाँ	दवाइयाँ।

(18) विसर्ग सम्बन्धी अशुद्धि—

अशुद्ध	शुद्ध
(1) दुख	दुःख।

(19) मात्रा सम्बन्धी अशुद्धि—

अशुद्ध	शुद्ध
(1) रात्री	रात्रि।

(20) हलन्त सम्बन्धी अशुद्धि—

अशुद्ध	शुद्ध
(1) परिषद	परिषद्।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. साहित्य में अशुद्धि शोधन किसे कहते हैं—
(a) शब्दों का शुद्ध करना (b) विचार शुद्ध करना
(c) मानवता शुद्ध करना (d) दुःखों को शुद्ध करना।

2. उच्चारण की दृष्टि से अशुद्धि कितने प्रकार की होती है—
(a) दो (b) पन्द्रह (c) अठारह (d) बारह।

3. अशुद्धियाँ अन्य पदार्थों के साथ क्या ला सकती है—
(a) उत्कर्ष (b) संघर्ष (c) घर्षण (d) संघर्षण।

4. व्याकरण के सामान्य नियमों की जानकारी के बिना जो शब्दगत अशुद्धि होती है, उसे कहते हैं—
(a) व्याकरण अशुद्धि (b) वाक्यगत अशुद्धि
(c) सारगत अशुद्धि (d) संस्थागत अशुद्धि।

5. शब्द रचना में वर्तनी में होने वाली गलतियों को कहते हैं—
(a) रूप अशुद्धि (b) स्वरूप अशुद्धि (c) वर्तनी अशुद्धि (d) वाक्य अशुद्धि।

6. अनुकुल का शुद्ध शब्द है—
(a) प्रतिकूल (b) अनुकूल (c) प्रतिकूलन (d) अनुकूलन।

7. अध्यन का शुद्ध शब्द है—
(a) अध्ययन (b) अध्यापन (c) अध्ययानन (d) अध्येय।

8. ईर्षा का सही शब्द है— **(ग्वालियर 2024; भोपाल 24)**
(a) ईख (b) ईर्ष्या (c) ईश्या (d) ईश्ये।

9. सही सर्वनाम एवं क्रिया न होने पर वाक्य कैसा हो जाता है—
(a) अशुद्ध (b) शुद्ध (c) स्पष्ट (d) अस्पष्ट।

10. 'तुम तुमारा काम करो' का शुद्ध वाक्य होगा— **(उज्जैन 2024)**
(a) तुम तुमारा काम करो (b) आप तुम्हारा कार्य कीजिए
(c) तुम तो अपना काम करो (d) तुम तो तुमारा कार्य करो।

11. सही सर्वनाम एवं क्रिया होने पर वाक्य कैसा होता है—
(a) अशुद्ध (b) शुद्ध (c) विशुद्ध (d) इनमें से कोई नहीं।

12. लिखने की रीति को क्या कहते हैं—
(a) वर्तनी या अक्षरी (b) वाक्य या वाक्यांश
(c) सन्धि या सन्धि विग्रह (d) इनमें से कोई नहीं।

13. वाक्य रचना में जब अशुद्धियाँ होती हैं तब उसे कहते हैं—
(a) संधि रचना (b) वाक्य रचना (c) वाक्य अशुद्धियाँ (d) वाक्य संशोधन।

14. अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करना कहते हैं—
(a) शुद्धिकरण (b) अशुद्धि शोधन (c) वस्त्र शोधन (d) संयंत्र शोधन।
(ग्वालियर 2024)

15. प्रारूप से क्या आशय है—
(a) पत्र की शैली (b) रूपरेखा (c) प्रतिवेदन (d) परिपत्र।
(ग्वालियर 2024)

16. हिन्दी की लिपि का क्या नाम है—
(a) रोमन लिपि (b) ब्राह्मी लिपि (c) देवनागरी लिपि (d) खरोष्ठी।
(ग्वालियर 2024)

17. मनोरंजन और सौन्दर्यपरक आनंद के लिए क्या लिखा जाता है—
(a) कविता (b) साहित्य (c) निबंध (d) डायरी।
(इन्दौर 2024)

18. पावन का विलोम शब्द है—
(a) आवन (b) अपावन (c) वन (d) नपावन।
(इन्दौर 2024)

19. वर्तनीगत अशुद्धि को कहते हैं—
(a) शब्दगत अशुद्धि (b) शब्दार्थगत अशुद्धि
(c) मात्रात्मक अशुद्धि (d) वाक्यगत अशुद्धि।
(इन्दौर 2024)

20. श्रीमति शब्द का सही शुद्ध शब्द है—
(a) श्रीमति (b) श्रीमती (c) धिमती (d) धिमति।
(छतरपुर 2024)

21. कौन-सा शब्द अशुद्ध है—
(a) उज्ज्वल (b) आशीर्वाद (c) किंकर्त्तव्य विमूढ़ (d) प्रत्युपकार।

उत्तर— 1. (a), 2. (a), 3. (b), 4. (a), 5. (c), 6. (b), 7. (a), 8. (b), 9. (a), 10. (a), 11. (b), 12. (a), 13. (c), 14. (b), 15. (b), 16. (c), 17. (a), 18. (b), 19. (c), 20. (b), 21. (d).

2. अनुवाद—अर्थ एवं प्रकार

महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न 1. अनुवाद की परिभाषा दीजिए और अनुवाद के प्रकारों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
(जबलपुर 2017)

उत्तर—अनुवाद की परिभाषा—"अनुवाद वह प्रविधि है जिसके माध्यम से एक भाषा में कही गई बात को, विचार को, दूसरी भाषा में उसी समता के साथ कह दिया जाता है।"

टेबर के अनुसार—"अनुवाद एक भाषा (स्रोत भाषा) की सामग्री को दूसरी भाषा लक्ष्य भाषा में रूपांतरित करने की प्रक्रिया का परिणाम है।"

अनुवाद के प्रकार—परिभाषा तथा विवेचना के आधार पर अनुवाद को निम्नलिखित प्रकारों में बाँटा गया है—

(1) शब्दानुवाद—इसमें मूल भाषा को शब्द योजना या वाक्य को तोड़कर लक्ष्य भाषा में ज्यों-का-त्यों अनुवाद कर देते हैं।

(2) भावानुवाद—मूल भावों को ध्यान में रखकर वाक्य विन्यास करके अनुवाद किया जाता है।

(3) छायानुवाद—मूल भावों को लेकर लक्ष्य भाषा की शर्तानुसार अनुवाद किया जाता है।

(4) आशु अनुवाद—जब दो या अधिक भाषा-भाषी एक दूसरे के भावों को नहीं समझते हैं तब उसकी व्याख्या एक तीसरा आदमी करता है जो दोनों भाषाओं का जानकार होता है। इसे ही आशु अनुवाद कहते हैं।

(5) सारानुवाद—इसमें मूल पाठ के सारांश का अनुवाद किया जाता है। इसमें मूल पाठ की प्रकृति को ध्यान में रखकर अनुवाद किया जाता है।

प्रश्न 2. अच्छे अनुवाद की विशेषताएँ लिखिये।

उत्तर—विशेषताएँ—

(1) प्रवाह—एक अच्छे अनुवाद में प्रवाहमय होना चाहिए जिससे अनुवाद सरल और सुबोध लगे मूल भाषा का ज्यों-का-त्यों अनुवाद होना चाहिए।

(2) शुद्धता—उत्तम कोटि के अनुवाद में प्रमाणीकर्ता के लिये वास्तविक परिशुद्धता होना चाहिए जिसमें पाठक भ्रमित न हो।

(3) अभिव्यक्ति—अच्छे अनुवाद में स्रोत भाषा से की गई अभिव्यक्ति लक्ष्य भाषा में ज्यों-का-त्यों आ जाती है जिसमें पाठक को कोई परेशानी नहीं होती। अत: अच्छे अनुवाद में मूल अभिव्यक्ति होनी चाहिए।

(4) सुरक्षित शैली—स्रोत भाषा जिस शैली और शिष्टता में लिखी गई है और जो उसमें गुण हैं अनुवाद करते समय हमें ध्यान देना चाहिए की उसकी लक्ष्य भाषा में शैली सुरक्षित रहे।

(5) प्रकृति के अनुरूप—अनुवाद की भाषा स्रोत भाषा के प्रकृति के अनुरूप होनी चाहिए जिससे उसकी सौहार्दता बनी रहे।

प्रश्न 3. अनुवाद के प्रकारों का विभाजन समझाइये।

उत्तर—अनुवाद के प्रकारों का विभाजन दो तरह से किया जा सकता है। पहला अनुवाद की विषयवस्तु के आधार पर, दूसरा उसकी प्रक्रिया के आधार पर। उदाहरण के लिये विषय वस्तु के आधार पर साहित्यानुवाद, कार्यालयी अनुवाद, विधिक अनुवाद, आशु अनुवाद, वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद आदि।

परिभाषा—"किसी भाषा में कही या लिखी गयी बात का किसी दूसरी भाषा में सार्थक परिवर्तन अनुवाद कहलाता है।"

आधुनिक अनुवाद तीन प्रकार के कहलाते हैं—

(1) मानव अनुवाद, (2) मशीनी अनुवाद, (3) पोस्ट एडिटेड अनुवाद।

"अनुवाद एक लिखित संदेश (पाठ) के अर्थ को एक भाषा से दूसरी भाषा में परिवर्तन करने की प्रक्रिया है।"

अंग्रेजी के शब्द ट्रांसलेशन का पर्यायवाची है जिसका अर्थ है पारवहन। पार अर्थात् अन्यत्र दूसरी ओर तथा वहन का अर्थ है ले जाना। इस प्रकार किसी वस्तु को एक स्थान से अन्यत्र या दूसरी ओर ले जाना ट्रांसलेशन कहलाता है। अंग्रेजी शब्दकोश के अनुसार एक भाषा के पाठ को दूसरी भाषा में व्यक्त करना ट्रांसलेशन कहलाता है।

अनुवाद वस्तुत: जटिल भाषिक प्रक्रिया का परिणाम या उसकी परिणति है। अनुवाद की प्रक्रिया बहुस्तरीय है। उसका एक स्तर विज्ञान की तरह विश्लेषणात्मक है, जो क्रमबद्ध विवेचन की अपेक्षा रखता है।

प्रश्न 4. अनुवाद के प्रमुख उद्देश्य एवं स्वरूप को लिखिए।

उत्तर—अनुवाद के प्रमुख उद्देश्य—अनुवाद के प्रमुखत: तीन उद्देश्य है—

(1) दूसरी भाषा के साहित्य से अपनी भाषा को समृद्ध करना।

(2) दूसरी भाषा की शैलियाँ, मुहावरों, दार्शनिक तथ्यों, वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान की प्राप्ति।

(3) विचार विनिमय।

अनुवाद के स्वरूप—अनुवाद के निम्न स्वरूप हैं—

(1) शब्दानुवाद—शब्दानुवाद में मूल भाषा का दूसरी भाषा में ज्यों-का-त्यों अनुवाद किया जाता है मूल भाषा की शब्द योजना और वाक्य विन्यास को यथावत् अनुवाद की भाषा में रखा जाता है। यह शब्द उनका अनुवाद होता है अर्थात् वाक्य में प्रयुक्त शब्दक्रम के अनुसार ही अनुवाद में क्रम रखा जाता है। इससे कई बार वाक्य का सही अर्थ ध्वनित नहीं होता और कई बार अर्थ का अनर्थ हो जाता है।

(2) भावानुवाद—शब्दानुवाद की तुलना में भावानुवाद पाठक को अधिक समझ में आता है। इसमें शब्दों के क्रमानुसार अनुवाद का ध्यान न रखते हुए उस वाक्य या वाक्यों के भावगत पर नजर रखी जाती है और अनुवाद का लक्ष्य मूलभाव को उजागर करना होता है। लेकिन अनुवादक इस कार्य में अपने विचारों का सम्मिश्रण नहीं कर सकता। केवल वह भावानुवाद करता है।

(3) पर्याय या रूपान्तरण अनुवाद—इस अनुवाद की पूरी मनमानी रहती है। वह यथेष्ट परिवर्तन करता है। अपनी बातों विचारों का समावेश करता है। लेकिन मूल पाठ के उद्देश्य अथवा विचार से भटकता नहीं है। बल्कि उसमें नई ऊर्जा और चेतना भर देता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. अनुवाद का क्या अर्थ है— (जबलपुर 2024; भोपाल 24; इंदौर 24)

(a) एक भाषा की सामग्री को दूसरी भाषा में रूपान्तरित करना
(b) अंग्रेजी की सामग्री को हिन्दी में लिखना
(c) शैली का अनुसरण करना
(d) भाषान्तर करना।

2. अनुवाद में किन तीन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है—

(a) पाठ सामग्री, समानार्थक शब्द और पुनर्स्थापन
(b) शब्द भाव और अर्थ
(c) पाठ सामग्री, भाषा का ज्ञान और शब्द का बोध
(d) देश की संस्कृति, परम्परा और भाषा।

3. स्रोत भाषा का अर्थ है— (छिन्दवाड़ा 2022)

(a) जिस भाषा से अनुवाद किया जाता है
(b) जिस भाषा में अनुवाद किया जाता है
(c) लक्ष्य भाषा
(d) शब्द-कोश।

4. निम्न में कौन-सा एक अनुवाद का प्रकार नहीं है— (छतरपुर 2022)

(a) भावानुवाद (b) आंशिक अनुवाद (c) छायानुवाद (d) सारानुवाद।

5. एक भाषा पाठ के अर्थ को दूसरी भाषा में प्रयुक्त करने की प्रक्रिया है—

(a) अनुवाद (b) निबंध (c) मुहावरा (d) कहानी।

6. अनुवाद अंग्रेजी के किस शब्द का पर्याय है— (ग्वालियर 2024; भोपाल 24)

(a) Transliteration (b) Transilation (c) Translitertion (d) इनमें से कोई नहीं।

7. अनुवाद कितने प्रकार से किया जाता है—

(a) अनेक (b) निम्नतम (c) उच्चतम (d) अवकाशतम।

8. जब मूल भाषा को शब्द योजना या वाक्य में तोड़कर लक्ष्य भाषा को ज्यों-का-त्यों व्यक्त किया जाता है, उसे कहते हैं—

(a) शब्दानुवाद (b) कर्मानुवाद (c) व्यायानुवाद (d) रुग्नानुवाद।

9. मूल भावों को लेकर लक्ष्य भाषा को शर्तानुसार अनुवाद किया जाता है, उसे कहते हैं—

(a) दर्शानुवाद (b) छायानुवाद (c) समयानुवाद (d) रेखानुवाद।

10. मूल भावों को ध्यान में रखकर वाक्य विन्यास करके अनुवाद किया जाता है, उसे कहते हैं—

(a) भावानुवाद (b) शब्दानुवाद (c) केशवानुवाद (d) माधवानुवाद।

11. जब दो या अधिक भाषा-भाषी अपने भावों को नहीं समझे तब तीसरा व्यक्ति उन भावों की व्याख्या करता है, उसे कहते हैं—

(a) पातालानुवाद (b) आशु अनुवाद (c) भावानुवाद (d) कर्मानुवाद।

12. जब मूल पाठ के सारांश का अनुवाद किया जाता है, तब उसे कहते हैं—

(a) सारानुवाद (b) छायानुवाद (c) दर्पणानुवाद (d) चित्रानुवाद।

13. जब मूल पाठ के अर्थ का अनुवाद किया जाता है, तब उसे कहते हैं—

(a) सारानुवाद (b) अर्थानुवाद (c) वैभवानुवाद (d) सोरठानुवाद।

14. एक अच्छे अनुवाद में क्या होना चाहिए—

(a) प्रवाह (b) बहाव (c) स्वर (d) भाषा।

15. उत्तम कोटि के अनुवाद में प्रामाणिकता के लिए क्या आवश्यक है—

(a) वीभत्सता
(b) कलुपता
(c) वास्तविक परिशुद्धता
(d) वास्तविकता।

16. अच्छे अनुवाद में प्रमुखतः क्या होना चाहिए— (छतरपुर 2024)

(a) मूल अभिव्यक्ति (b) सुराभिव्यक्ति
(c) कटुअभिव्यक्ति (d) वैमनस्याभिव्यक्ति।

17. अनुवाद की स्रोत भाषा में क्या होना चाहिए—

(a) भाव सुरक्षित (b) शैली सुरक्षित
(c) कटुता सुरक्षित (d) अन्तरंगता सुरक्षित।

18. अनुवाद की सौन्दर्यता के लिए क्या आवश्यक है—

(a) प्रकृति के अनुरूप (b) विकृति के अुनरूप
(c) दृष्टि के अनुरूप (d) अभिव्यक्ति के अनुरूप।

19. वैटरिंग का अर्थ होता है—

(a) पुनःरीक्षण (b) पुनः परीक्षण (c) परीक्षण (d) आत्मपरीक्षण।

20. अनुवाद प्रक्रिया में किसका महत्व होता है—

(a) पुनर्परीक्षण एवं पुनर्गठन (b) पुनः परीक्षण एवं अन्तर्गठन
(c) अन्तर्मन गठन (d) इनमें से कोई नहीं।

21. अनुवाद से क्या प्राप्त होता है—

(a) अपनी भाषा में जानकारी (b) पराये भाषा में जानकारी
(c) विदेशी भाषा में जानकारी (d) स्वदेशी भाषा में जानकारी।

22. एक भाषा से दूसरी भाषा में प्राप्त जानकारी को क्या कहा जाता है—

(a) विवाद (b) अनुवाद (c) सार्थकवाद (d) स्वर्णावाद।

23. प्रकृति के आधार पर अनुवाद के प्रकार हैं— (जबलपुर 2024)

(a) तीन (b) पाँच (c) चार (d) दो।

24. अनुवाद करना है— (जबलपुर 2024)

(a) एक शाखा है (b) एक कला है (c) एक विज्ञान है (d) उपर्युक्त सभी।

25. अनुवाद को निम्न में से किस रूप में रखा जा सकता है— (जबलपुर 2024)

(a) शाब्दिक अनुवाद
(b) पर्याय के आधार पर अनुवाद
(c) भावानुवाद
(d) उपर्युक्त सभी।

26. जिस भाषा में अनुवाद किया जाता है— (इन्दौर 2024; छतरपुर 24)

(a) स्रोत भाषा (b) लक्ष्य भाषा (c) राज भाषा (d) प्रांत भाषा।

27. 'अनुवाद' शब्द किस धातु से बना है— (छतरपुर 2024)

(a) वाद (b) अनु (c) वद् (d) नु।

28. एक अच्छे अनुवादक में कौन-सा गुण आवश्यक नहीं होता है— (छतरपुर 2024)
(a) विषयवस्तु का अच्छा ज्ञान (b) स्रोत भाषा का ज्ञान
(c) लक्ष्य भाषा का ज्ञान (d) लोक की अच्छी समझ।

29. दो राष्ट्रनायक आमने-सामने बैठकर किस प्रकार के अनुवादकों की सहायता से वार्तालाप करते हैं— (छतरपुर 2024)
(a) विधिक अनुवादक (b) कार्यालयीन अनुवादक (दुभाषिया)
(c) आशु अनुवादक (d) छायानुवाद ।

उत्तर— 1. (a), 2. (c), 3. (a), 4. (c), 5. (a), 6. (b), 7. (a), 8. (a), 9. (b), 10. (a), 11. (b), 12. (a), 13. (b), 14. (a), 15. (c), 16. (a), 17. (b), 18. (a), 19. (b), 20. (a), 21. (a), 22. (b), 23. (d), 24. (d), 25. (d), 26. (a), 27. (c), 28. (d), 29. (b)

3. बीज शब्द

लोकतंत्र

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. जनता का जनता के द्वारा बनाये गये तंत्र को कहते हैं— (भोपाल 2024)
(a) लोकतंत्र (b) स्वरतंत्र (c) घटनातंत्र (d) ऋषितंत्र।

2. लोकतंत्र एक प्रकार का क्या है—
(a) व्यापार (b) शासन व्यवस्था (c) पुरस्कार (d) विचार।

3. लोकतंत्र में सभी व्यक्ति का अधिकार होता है—
(a) समान (b) उत्तम (c) अति उत्तम (d) सर्वोत्तम।

4. देश में सामाजिक, राजनैतिक तथा आर्थिक स्वतंत्रता कौन प्रदान करती है—
(a) देश की प्रणाली (b) देश की शासन प्रणाली
(c) विदेश की शासन प्रणाली (d) इनमें से कोई नहीं।

5. भारत एक संसदीय धर्म निरपेक्ष गणराज्य है—
(a) लोकतांत्रिक (b) अर्थतांत्रिक (c) समाजतांत्रिक (d) मनतांत्रिक।

6. भारत का प्रथम नागरिक कौन होता है— (उज्जैन 2024)
(a) खेल मंत्री (b) मंत्री (c) राष्ट्रपति (d) मुख्यमंत्री।

7. भारत में सरकार का प्रमुख कौन होता है—
(a) ऊर्जा मंत्री (b) प्रधानमंत्री (c) मुख्यमंत्री (d) पर्यटन मंत्री।

8. संवैधानिक लोकतंत्र किससे संचालित होता है—
(a) शासन से (b) संविधान से (c) राजनीति से (d) अर्थनीति से।

9. लोकसभा के सदस्यों का चुनाव कितने साल में होता है—
(a) बीस साल (b) पन्द्रह साल (c) पाँच साल (d) दस साल।

10. लोकतंत्र की स्वतंत्रता कैसी है—
(a) अद्वितीय (b) तृतीय (c) द्वितीय (d) इनमें से कोई नहीं।

11. लोकतंत्र है— (जबलपुर 2024; भोपाल 24)
(a) एक लेखा पद्धति (b) एक शासन पद्धति
(c) अनुसंधान पद्धति (d) इनमें से कोई नहीं।

12. लोकतंत्र का लक्षण है— (जबलपुर 2024)
(a) स्वतंत्रता (b) समानता (c) निष्पक्ष निर्वाचन (d) उपर्युक्त सभी।

13. भारतीय लोकतंत्र में सरकार का प्रमुख है— (भोपाल 2024)
(a) गृहमंत्री (b) वित्तमंत्री (c) प्रधानमंत्री (d) विदेशमंत्री।

14. लोकतंत्र एक प्रकार का गणतंत्र है— (ग्वालियर 2024)
(a) गणतंत्र (b) स्वतंत्रता (c) विचारतंत्र (d) शासन व्यवस्था।

15. लोकतंत्र क्या है— (इन्दौर 2024)
(a) शासन व्यवस्था (b) जनता का शासन (c) व्यवस्था प्रणाली (d) उपर्युक्त सभी।

16. भारत का प्रथम नागरिक होता है— (उज्जैन 2024)
(a) रक्षा मंत्री (b) प्रधानमंत्री (c) मुख्यमंत्री (d) राष्ट्रपति।

17. भारतीय लोकतंत्र में कौन-सी विशेषता नहीं है— (छतरपुर 2024)
(a) जनता द्वारा निर्वाचित (b) अभिव्यक्ति की आजादी
(c) सभी को मतदान का अधिकार (d) तिलकधारी राजाओं के विशेषाधिकार सुरक्षित।

उत्तर— 1. (a), 2. (b), 3. (a), 4. (b), 5. (a), 6. (c), 7. (b), 8. (b), 9. (c), 10. (a), 11. (b), 12. (d), 13. (c), 14. (a), 15. (b), 16. (d), 17. (d).

समरसता

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. सभी को अपने समान समझना क्या कहलाता है—
(a) वैमनस्यता (b) समरसता (c) मित्रता (d) इनमें से कोई नहीं।

2. प्राचीन भारतीय संस्कृति ने कभी-भी किसी के साथ स्वीकार नहीं किया—
(a) भेदभाव (b) दुःखभाव (c) सुख भाव (d) बैर भाव।

3. समाज के सभी वर्गों एवं वर्णों के मध्य एकता स्थापित करता है—
(a) सामाजिक समरसता (b) सामाजिक वैमनस्यता
(c) सामाजिक कटुता (d) सामाजिक मित्रता।

4. केवल विचारों की बराबरी को कहते हैं—
(a) वैमनस्यता (b) समरसता (c) मित्रता (d) एकता।

5. हर तरह की बराबरी को कहते हैं—
(a) समानता (b) एकता (c) मित्रता (d) धूर्तता।

6. समरसता दिवस मनाया जाता है—
(a) 30 मार्च (b) 30 अप्रैल (c) 14 अप्रैल (d) 1 मई।

7. समानता के कितने मुख्य आयाम होते हैं—
(a) दस (b) तीन (c) तेरह (d) तेईस।

8. भीमराव अम्बेडकर जी के महानिर्वाण दिवस को किस दिन के रूप में मनाया जाता है—
(a) सामाजिक समरसता (b) मानवीय एकता
(c) मानवीय धूर्तता (d) इनमें से कोई नहीं।

9. समरसता का अर्थ है— (भोपाल 2024)
(a) नफरत (b) असमानता (c) द्वेषभाव (d) सामाजिक भाईचारा।

10. सामाजिक समरसता के घटक हैं— (भोपाल 2024)
(a) सहिष्णुता (b) बन्धुता (c) आत्मीयता (d) उपर्युक्त सभी।

उत्तर— 1. (b), 2. (a), 3. (a), 4. (b), 5. (a), 6. (c), 7. (b), 8. (a), 9. (d), 10. (d).

कला

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. सुन्दर यानि जो आनन्द प्रदान करती है, उसे कहते हैं—
(a) कला (b) वीथिका (c) मोह (d) बैर।

2. अन्य कला रूपों से अलग करने को कहते हैं—
(a) गायन कला (b) दृश्य कला (c) वीभत्स कला (d) उत्प्रेरण कला।

3. कला का जनक किसे माना जाता है— (ग्वालियर 2024)
(a) भगवान शिव (b) बानर (c) पशु-पक्षी (d) जानवर।

4. संगीत कला, वास्तुकला, चित्रकला, मूर्तिकला, कविता में किसे व्यक्त किया जाता है—
(a) दुखों को (b) मानवीय भावनाओं को
(c) उत्साह को (d) आगन्तुकों को।

5. कुछ ऐसा जो कल्पना और कौशल के साथ बनाया गया हो, जो सुन्दर हो या महत्वपूर्ण विचारों, भावनाओं को व्यक्त करता हो, कहते हैं—
(a) कला (b) सागर (c) संस्कृति (d) प्रकृति।

6. भारत में कितनी कलायें हैं—
(a) दो (b) चार (c) अनेक (d) बीस।

7. शुक्र नीति सार के अनुसार कलाओं की संख्या कितनी हैं—
(a) 64 (b) 100 (c) 108 (d) 110.

8. शैव तंत्र के अनुसार कला की कितनी कलायें हैं—
(a) अट्ठासी (b) अट्ठावन (c) चौसठ (d) चौहत्तर।

9. ललित विस्तर के अनुसार कितनी कलायें होती हैं—
(a) 69 (b) 86 (c) 89 (d) 76.

10. कला का सबसे महत्वपूर्ण तत्व क्या है—
(a) रेखा (b) सीमा (c) स्तर (d) सीमांकन।

11. कला का प्रकार है— (जबलपुर 2024)
(a) मूर्तिकला (b) चित्रकला (c) संगीत कला (d) उपर्युक्त सभी।

12. कला का शाब्दिक अर्थ क्या है— (भोपाल 2024)
(a) जो सुंदर नहीं है (b) जो सुंदर है (c) जो असुंदर है (d) इनमें से कोई नहीं।

13. कला का हिस्सा नहीं है— (छतरपुर 2024)
(a) समाजशास्त्र (b) साहित्य (c) चित्रकला (d) दर्शन।

उत्तर— 1. (a), 2. (b), 3. (a), 4. (b), 5. (a), 6. (c), 7. (a), 8. (c), 9. (b), 10. (a), 11. (d), 12. (d), 13. (a).

साहित्य

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. किसी भाषा के वाचिक और लिखित शास्त्र समूह को कहते हैं—
(a) साहित्य (b) कला (c) कौशल (d) गायन।

2. साहित्य किससे आता है—
(a) लैटिन से (b) बेडमिन्टन से (c) शास्त्र से (d) बेटन से।

3. साहित्य कितने प्रकार का होता है—
(a) दस (b) बीस (c) तीन (d) तेरह।

4. साहित्य के प्रमुख तीन प्रकार हैं—
(a) गद्य, पद्य, चम्पू साहित्य (b) राग, द्वेष, वैश्य साहित्य
(c) क्रोध, वैमनस्य, दुख साहित्य (d) इनमें से कोई नहीं।

5. साहित्य किसके द्वारा रचा जाता है—
(a) गायन (b) नृत्य (c) भाषा (d) भाषण।

6. सबसे पुराना साहित्य कौन-सा है— (भोपाल 2024)
(a) वेद (b) ऋचायें (c) पुराण (d) इनमें से कोई नहीं।

7. मनोरंजन करने और सौन्दर्यपरक आनन्द के लिए लिखा जाता है—
(a) पाठ (b) साहित्य (c) विचार (d) इनमें से कोई नहीं।

8. गद्य प्रबन्ध कितने प्रकार के होते हैं—
(a) चार (b) दस (c) आठ (d) सोलह।

9. साहित्य रचना के लिए जरुरी है— (भोपाल 2024)
(a) गायन (b) वादन (c) नृत्य (d) भाषा।

10. किसी भी भाषा की मूलभूत इकाई है— (जबलपुर 2024)
(a) संकेत (b) वाक्य (c) ध्वनि (d) शब्द।

11. साहित्य को निम्न में से किसने ज्ञान राशि का संचित कोश कहा है— (जबलपुर 2024)
(a) बाबू गुलाबराय (b) प्रेमचंद
(c) महावीर प्रसाद द्विवेदी (d) हजारी प्रसाद द्विवेदी।

12. साहित्य की आत्मा किसे कहा जाता है— (जबलपुर 2024)
(a) भाव (b) कल्पना (c) बुद्धि (d) शैली।

13. कौन-सा कवि गाँधीवादी विचारधारा से संबंधित है— (छतरपुर 2024)
(a) महावीर प्रसाद द्विवेदी (b) अज्ञेय
(c) भवानी प्रसाद मिश्र (d) विद्यानिवास मिश्र।

14. इनमें से कौन-सा साहित्यकार नहीं है— (छतरपुर 2024)
(a) कबीरदास (b) तुलसीदास (c) राजाराम मोहन राय (d) जयशंकर प्रसाद।

उत्तर— 1. (a), 2. (a), 3. (c), 4. (a), 5. (c), 6. (a), 7. (b), 8. (a), 9. (d), 10. (b), 11. (c), 12. (a), 13. (c), 14. (c).

अध्यात्म

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. सबसे प्राचीन वेद है— (इन्दौर 2024)
(a) ऋग्वेद (b) सामवेद (c) यजुर्वेद (d) अथर्ववेद।

2. वेद के बाद किन ग्रंथों का निर्माण हुआ—
(a) पुराण (b) उपनिषद् (c) अरण्यक (d) स्मृतियाँ।

3. अष्टांग मार्ग किस धर्म से सम्बन्धित है—
(a) हिन्दू (b) जैन (c) बौद्ध (d) सिक्ख।

4. आध्यात्मिक शक्ति पर विश्वास है, धर्म कहा है—
(a) दुर्खीम ने (b) टॉयलर ने (c) मजूमदार ने (d) आगबर्न ने।

5. धर्म होता है—
(a) सत्य प्रधान (b) भावना प्रधान (c) तर्क प्रधान (d) नीति प्रधान।

6. परमात्मा और आत्मा से सम्बन्ध रखने वाले सम्बन्ध को कहते हैं—
(a) मित्रता (b) दर्शन (c) आध्यात्म (d) धर्म।

7. आध्यात्मिक होने का मतलब है—
(a) भौतिकता से परे (b) शौर्यता से परे (c) दीनता से परे (d) नीरसता से परे।

8. आध्यात्मिक ज्ञान कैसे प्राप्त होता है— (उज्जैन 2024)
(a) अनुभव से (b) शिक्षण से (c) प्रशिक्षण से (d) सुनने से।

9. बुद्धि का एक उच्च आयाम जो प्रामाणिक आत्मा के गुणों और क्षमताओं को ज्ञान, करुणा, अखण्डता, आनन्द, प्रेम, रचनात्मकता और शांति के रूप में सक्रिय करता है, कहते हैं—
(a) सात्विक बुद्धि (b) आध्यात्मिक बुद्धि
(c) क्रियात्मक बुद्धि (d) प्रयोगात्मक बुद्धि।

10. आत्म कितने प्रकार के होते हैं—
(a) एक (b) छः (c) तीन (d) आठ।

11. भक्ति समाधि, योग समाधि, ज्ञान समाधि किसके प्रकार हैं—
(a) आध्यात्म (b) दर्शन (c) षटदर्शन (d) भेषज।

12. शंकराचार्य ने कितने ज्योतिर्लिंगों की स्थापना की— (भोपाल 2024)
(a) चार (b) सात (c) नौ (d) बारह।

13. अध्यात्म और धर्म में— (जबलपुर 2024)
(a) समानता है (b) भिन्नता है
(c) पारस्परिक संबंध है (d) इनमें से कोई नहीं।

14. आत्मा का श्रेष्ठ स्वरूप में रूपांतरित होकर प्रकाशित होना क्या है— (छतरपुर 2024)
(a) समरसता (b) आध्यात्म (c) भौतिक (d) कला।

15. उपनिषद् कितने हैं— (इन्दौर 2024)
(a) चार (b) अठारह (c) तेरह (d) सोलह।

16. सबसे पुराना साहित्य है— (इन्दौर 2024)
(a) वैदिक साहित्य (b) संस्कृत साहित्य (c) काव्य साहित्य (d) भाषा साहित्य।

उत्तर— 1. (a), 2. (b), 3. (a), 4. (b), 5. (b), 6. (c), 7. (a), 8. (a), 9. (b), 10. (c), 11. (a), 12. (a), 13. (b), 14. (b), 15. (c), 16. (a).

●●